www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

SUNDAY

नई दिल्ली, रविवार, 10 दिसम्बर , 2023

वर्ष – 16 | अंक –245 | पृष्ठ – 10

मूल्य -3.00 रु.

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

चुनाव में हार से पार्टी के मोल-भाव की शक्ति... पृष्ठ 02

■ दिल्ली निगम में 16683 करोड़ का बजट पेश
■ देश में आज ठेकेदारी व निजीकरण को मिल रहा... 03

■ सबसे बड़े शहर खान यूनिस को घेर रहा इजराइल
■ भारतीय-अमेरिकी डेमोक्रेट कैनसस प्रांतीय सीनेट के लिए... 07

साहित्य
दो आदमी पुराने पृष्ठ 06

फेफड़ों में 2 साल तक रह सकता है कोविड वायरस पृष्ठ 10

सार संक्षेप

खड़गे की अध्यक्षता में कांग्रेस ने की मिजोरम हार की समीक्षा

नई दिल्ली। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में मिली हार की समीक्षा में जुट गई है। शनिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन अध्यक्ष की अगुवाई में मिजोरम में मिली हार के कारणों पर चर्चा के लिए बैठक हुई। इसमें खड़गे के अलावा राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, मिजोरम प्रभारी भक्त चरण दास, सचिन दास सहित कई अन्य नेता मौजूद रहे। इस दौरान मिजोरम के साथ ही पूर्वोत्तर के राज्यों में कांग्रेस के खिसकते जनाधार पर भी विचार-विमर्श किया गया।

साहू के ठिकानों से मिली रकम 300 करोड़ पार

रांची। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू और उनके रिश्तेदारों के रांची एवं लोहरदगा स्थित आवासों पर इनकम टैक्स की छापेमारी शनिवार को चौथे दिन पूरी हो गई। ओडिशा स्थित उनके आधा दर्जन ठिकानों पर छापेमारी के बाद नोटों की गिनती चल रही है। आयकर विभाग के उच्चपदस्थ सूत्रों की मानें तो बरामद रकम अब तक 300 करोड़ के ऊपर पहुंच गई है।

दिल्ली से लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत कुंज के पास संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने दावा किया कि दोनों की पहचान हरियाणा के मूल निवासी अनीश (23) और 15 वर्षीय किशोर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ये दोनो जबरन वसूली के लिए दक्षिण दिल्ली इलाके में एक प्रसिद्ध पांच सितारा होटल के पास गोलीबारी करने जा रहे थे।

सुकमा में बीस नक्सलियों ने एक साथ किया समर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के अति नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में एक साथ 20 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें पाँच महिलाएं शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक किरण चौहान ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली सुकमा जिले के जगरगुंडा इलाके में सक्रिय थे। आत्मसमर्पण कर पुनर्वास योजनाओं का लाभ ले रहे हैं।

आतंकियों की गोलीबारी में पुलिसकर्मी घायल

श्रीनगर। श्रीनगर के बेमिना इलाके में शनिवार को आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गया। पुलिसकर्मी की पहचान हाफिज अहमद के रूप में हुई है।

बसपा ने दानिश अली को पार्टी से निकाला

बसपा महासचिव ने पत्र जारी करके पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया

लखनऊ, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अमरोहा से सांसद दानिश अली को पार्टी से निकाल दिया है। उन्हें निलंबित करने के पीछे पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होना बताया जाता है। बसपा के महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने पत्र जारी करके कहा कि 2018 में पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा के कहने पर दानिश को टिकट दिया गया था। टिकट देने के साथ ही उन्हें पार्टी की रीति-नीति के बारे में अच्छी तरह से बता दिया गया था। लेकिन, वह लगातार पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। इसी कारण उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया। अमरोहा से सांसद दानिश अली हाल ही में काफी सुर्खियों में रहे थे।

दिल्ली से भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने उन पर संसद के अंदर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दानिश अली ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। दूसरी ओर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए बिधूड़ी से पूछा था कि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। गौरतलब है कि 2019 में लोकसभा चुनाव में बसपा ने दानिश अली को अमरोहा सीट से उम्मीदवार घोषित किया था। दानिश अली ने भी मायावती की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए विजय प्राप्त की थी।

चंद पूंजीपतियों द्वारा जनता की संपत्तियों की लूट के खिलाफ मैंने आवाज उठाई है और आगे भी उठाता रहूंगा क्योंकि यही सच्ची जनसेवा है : दानिश अली

■ बिधूड़ी की टिप्पणी के कारण सुर्खियों में रहे थे दानिश
■ भाजपा ने बिधूड़ी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था

भाजपा की जन-विरोधी नीतियों का विरोध करता रहूंगा

मैंने भारतीय जनता पार्टी की सरकार की जन-विरोधी नीतियों का विरोध जरूर किया है और आगे भी करता रहूंगा। चंद पूंजीपतियों द्वारा जनता की संपत्तियों की लूट के खिलाफ मैंने आवाज उठाई है और आगे भी उठाता रहूंगा क्योंकि यही सच्ची जनसेवा है। यदि ऐसा करना जुर्म है तो मैंने जुर्म किया है और मैं इसकी सजा भुगतने के लिए तैयार हूं। अमरोहा की जनता को मैं आश्वासन देना चाहता हूं कि आपकी सेवा में मैं हमेशा हाजिर रहूंगा।

निलंबन पर बोले दानिश अली

बसपा सुप्रीमो का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण

बहुजन समाज पार्टी से निकाले जाने के बाद सांसद दानिश अली की पहली प्रतिक्रया आई है। उन्होंने बसपा सुप्रीमो मायावती के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। दानिश अली को यह कहते हुए बीएसपी से निकाला गया है कि उन्होंने पार्टी की विचारधारा, नीतियों और अनुशासन का पालन नहीं किया। दानिश अली ने कहा, मैं इतना ही कहूंगा कि बहन कुमारी मायावती जी का हमेशा मैं शुक्रगुजार रहूंगा कि उन्होंने मुझे बहुजन समाज पार्टी का टिकट देकर लोकसभा का सदस्य बनने में मेरी मदद की। बहन जी ने मुझे बहुजन समाज पार्टी से लोकसभा में संसदीय दल का नेता भी बनाया. मुझे सदैव उनका असीम स्नेह और समर्थन मिला है। उनका आज का फैसला जरूर दुर्भाग्यपूर्ण है।

तेलंगाना सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा शुरू की

हैदराबाद, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में लोगों को दी गई छह में से दो गारंटियों को लागू करने की शुरुआत की है। सीएम ने राज्य के मालिकाना हक वाली टीएसआरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा और राजीव आरोग्यश्री योजना के तहत कवरेज को मौजूदा 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने की योजना का उद्घाटन किया। महिला मंत्री सीताक्का और कोंडा सुरेखा ने विधानसभा परिसर में पूरे मंत्रिमंडल और कांग्रेस विधायकों की मौजूदगी में बस को हरी झंडी दिखाई। मुख्य सचिव शांति कुमारी और बॉक्सिंग चैंपियन निखत जरीन भी मौजूद थीं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क, प्रोटेम स्पीकर अकबरुद्दीन ओवैसी और मंत्रियों ने दोनों योजनाओं को औपचारिक रूप से लॉन्च करने के लिए टीएसआरटीसी के शून्य टिकट और राजीव आरोग्यश्री योजना के नए लोगों और पोस्टर का अनावरण किया। रेवंत रेड्डी ने इस अवसर कहा कि कांग्रेस सरकार पार्टी नेता सोनिया गांधी के जन्मदिन पर अपनी छह में से दो गारंटियों को लागू कर रही है। उन्होंने सोनिया गांधी को तेलंगाना की मां बताया। उन्होंने कहा सभी छह गारंटी 100 दिनों में पूरी की जाएंगी।

■ दो गारंटियों को लागू करने की शुरुआत की
■ सभी छह गारंटी 100 दिनों में पूरी की जाएंगी

छह सलाहकारों को बर्खास्त किया

हैदराबाद। पद संभालने के तीन दिन के भीतर एक और महत्वपूर्ण फैसले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सरकार के छह सलाहकारों को बर्खास्त कर दिया है। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने एक सरकारी आदेश जारी कर तीन मुख्य सलाहकारों और तीन सलाहकारों की नियुक्ति या विस्तार को रद्द कर दिया। सभी सलाहकारों की नियुक्ति के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता वाली पिछली बीआरएस सरकार द्वारा की गई थी। उसमें पूर्व मुख्य सचिव राजीव शर्मा और सोमेश कुमार, पूर्व डीजीपी अनुराग शर्मा, पूर्व आईपीएस अधिकारी ए.के. खान, सेवानिवृत्त आईईएस जी.आर. रेड्डी और आर. शोबा शामिल थे।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में बोले अमित शाह

भारत विश्व पटल का चमकता सितारा

पर्यावरण से लेकर आर्थिक मोर्चे पर दुनिया का नेतृत्व करता दिख रहा भारत

देहरादून, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आज का शक्तिशाली भारत विश्व के पटल का चमकता सितारा है, जिसके प्रकाश पुंज से चहुं दिशाएं जगमग हैं। पर्यावरण से लेकर आर्थिक मोर्चा हो या शांति स्थापित करने के प्रयास हों, सभी जगह भारत दुनिया का नेतृत्व करता दिखाई देता है और यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संभव हो पाया है। एफआरआई में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के समापन सत्र को संबोधित करते हुए करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित करता जा रहा है। आज भारत दुनिया में आर्थिक विकास का इंजन बनकर उभरा है। पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। दिल्ली में हुए जी 20 सम्मेलन की सफलता और दिल्ली डिक्लेरेशन इस ओर बखूबी करता है कि विश्व के सभी देशों को एकजुट रखने में भारत पूर्ण रूप से सफल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य है कि भारत 2047 तक एक विकसित देश बने।

10 वर्षों में भारत की इकोनामी दो ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर हो गई है: अमित शाह, गृह मंत्री

तेजी से आगे बढ़ रही विकास दर

शाह ने कहा कि भारत की विकास दर जिस तेजी से आगे बढ़ रही है, उससे वर्ष 2025 तक भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनामी बन जाएगा। यही नहीं बहुत जल्द ही भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। इसके लिए मोदी सरकार पूरा रोड मैप तैयार कर चुकी है, जिस पर बखूबी अमल किया जा रहा है और उसके सुखद परिणाम सबके सामने हैं। विगत 10 वर्षों में भारत की इकोनामी दो ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और यह इस ओर इशारा करता है कि हम सही दिशा में सही कदम और गति के साथ अग्रसर है।

छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री के नाम पर आज लगेगी मुहर

रायपुर, 9 दिसम्बर(देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनावों में सत्ता में धमाकेदार वापसी करने वाली भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के विधायकों की विधायक दल का नेता चुनने के लिए आज यहां बैठक होंगी। भाजपा आलाकमान ने छत्तीसगढ़ में विधायक दल का नेता चुनने के लिए आहूत बैठक के लिए केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा एवं सर्वानंद सोनोवाल और पार्टी महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम को छत्तीसगढ़ के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

तीनों पर्यवेक्षकों के कल सुबह यहां पहुंचने की संभावना है।नवनिर्वाचित विधायकों की प्रदेश भाजपा मुख्यालय में बैठक होंगी। राज्य की 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 54 सीटों पर जीत दर्ज की है।भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस को अप्रत्याशित रूप से शिकस्त कर सत्ता में वापसी की है।कांग्रेस को महज 35 सीटों पर सन्तोष करना पड़ा। भाजपा नेतृत्व ने अभी तक किसी को मुख्यमंत्री बनने के संकेत नही दिए है,लेकिन राजनीतिक जानकारों के अनुसार रेस में पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह आगे बताए जा रहे है।

उनके अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरूण साव,पूर्व केन्द्रीय मंत्री विष्णुदेव साय एवं रेणुका सिंह के भी रेस में होने की चर्चा है। इस बीच प्रदेश भाजपा कार्यालय और वरिष्ठ भाजपा नेताओं के आवास पर बधाई देने के लिए लोगो का तांता लगा है।पूर्व मुख्यमंत्री डा.सिंह के आवास पर सर्वाधिक भीड़ देखी गई है।उन्हे राज्यभर से बधाई देने लोग पहुंच रहे है।

■ भाजपा विधायक दल की बैठक आज
■ पार्टी ने 54 सीटों पर जीत की है दर्ज

राजस्थान व मध्य प्रदेश में सोमवार को होगी विधायक दल की बैठक

मप व राजस्थान में कल हो जाएगी तस्वीर साफ

भोपाल। मध्य प्रदेश व राजस्थान में मुख्यमंत्री पद को लेकर कल तस्वीर साफ हो जाएगी। दोनों राज्यों में सोमवार को विधायक दल की बैठक बुलाई गई हे। भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज बताया कि आगामी 11 तारीख को विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें पार्टी की ओर से नियुक्त किए गए तीनों पर्यवेक्षक शामिल होंगे। श्री शर्मा ने यहां संवाददाताओं को बताया कि सोमवार 11 तारीख को शाम चार बजे विधायक दल की बैठक होगी, जिसके लिए विधायकों को आमंत्रण चला गया है। तीनों पर्यवेक्षक 11 तारीख की सुबह यहां पहुंचेंगे, जिसके बाद संगठन की पद्धति के अनुरूप प्रक्रिया होगी।

पॉक्सो के 2.43 लाख मामले अदालतों में लंबित

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। तमाम नीतियों, प्रयासों और वित्तीय प्रतिबद्धताओं के बावजूद पॉक्सो के मामलों की सुनवाई के लिए बनाई गई विशेष त्वरित अदालतों में 31 जनवरी 2023 तक देश में दो लाख 43 हजार 237 मामले लंबित थे। एक शोधपत्र जस्टिस अवेट्स 'ऐन एनालिसिस ऑफ द एफिकेसी ऑफ जस्टिस डेलिवरी मैकेनिज्म्स इन केसेज ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज' के अनुसार अगर लंबित मामलों की इस संख्या में एक भी नया मामला नहीं जोड़ा जाए तो भी इन सारे मामलों के निपटारे में औसतन नौ साल का समय लगेगा। शोधपत्र के अनुसार मौजूदा हालात में जनवरी, 2023 तक के पॉक्सो के लंबित मामलों के निपटारे में अरुणाचल प्रदेश को 30 साल लग जाएंगे, जबकि दिल्ली को 27, पश्चिम बंगाल को 25, मेघालय को 21, बिहार को 26 और उत्तर प्रदेश को 22 साल लगेंगे। वर्ष 2022 में पॉक्सो के सिर्फ तीन फीसदी मामलों में सजा सुनाई गई।

आईसीपीएफ ने जारी किया शोध पत्र

यह शोध-पत्र इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन फंड (आईसीपीएफ) ने जारी किया है। यौन शोषण के शिकार बच्चों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में एक ऐतिहासिक कदम के जरिए फास्ट ट्रैक-स्पेशल अदालतों के गठन किया था। हर साल इसके लिए करोड़ों की राशि जारी की जाती है। फास्ट ट्रैक – स्पेशल अदालतों जैसी विशेष अदालतों की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य यौन उत्पीड़न के मामलों और खास तौर से यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम से मुड़े मामलों का त्वरित गति से निपटारा करना था। केंद्रीय योजना के रूप में इसे वर्ष 2026 तक जारी रखने के लिए 1900 करोड़ रुपए की बजटीय राशि के आबंटन को मंजूरी दी है।

■ 2022 में सिर्फ तीन फीसदी मामलों में सजा मिली
■ मौजूदा रफ्तार से केस निपटाने में 9 साल लगेंगे

राज्यसभा में आईटी मंत्रालय ने दी जानकारी

देश में ब्लॉक हुई तकरीबन 37 हजार वेबसाइट

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। केंद्र सरकार ने बीते पांच साल में देश विरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए बडे पैमाने पर कार्रवाई की और तकरीबन 37 हजार बेवसाइट्स पर प्रतिबंध लगा दिया। यह जानकारी केंद्रीय इलेक्टानिक्स एवं आईटी मंत्रालय के राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने दी। राज्यसभा में सीपीआई सांसद जॉन ब्रिटास के एक सवाल के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि जनवरी 2018 से अक्टूबर 2023 के बीच मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69 ए के तहत 36,838 वेबसाइटों को प्रतिबंधित किया। उन्होंने इसका ब्योरा देते हुए बताया कि सर्वाधिक वेबसाइटों के यूआरएल ब्लॉक करने में एक्स पहले स्थान पर रहा, उसने बीते 70 दिनों में 13,660 यूआरएल ब्लॉक किए। हालांकि अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स मसलन फैसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब ने आईटी नियमों को लेकर कोई सख्ती नहीं दिखाई।

■ बीते 70 दिनों में 13,660 यूआरएल ब्लॉक किए

कुश्ती संघ का चुनाव 21 दिसम्बर को

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। रिटर्निंग पोलिंग ऑफिसर ने शनिवार को पुष्टि की कि भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव 21 दिसंबर को होंगे और वोटों की गिनती के बाद उसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे। यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक को रद्द करने के बाद आया है, जिससे नए डब्ल्यूएफआई गवर्निंग बॉडी के चुनाव की प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त हो गया है। चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची की तैयारी और प्रदर्शन तक के सभी चरण 7 अगस्त को पूरे हो चुके थे।

उसी दिन घोषित किया जाएगा परिणाम

परेशानी *मुंबई में भी पिछले चार वर्षों में प्रदूषण में हुई बढ़ोतरी*

दिल्ली दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में चौथे स्थान पर

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारत के 1.3 अरब लोग उन क्षेत्रों में रहते हैं जहां वार्षिक औसत कण प्रदूषण स्तर डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देश से अधिक है। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में पीएम 2.5 के स्तर के मामले में दिल्ली दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में चौथे स्थान पर है। मुंबई में पिछले चार वर्षों में 110 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि लखनऊ, पटना , बेंगलुरु और चेन्नई में पीएम 2.5 के स्तर में गिरावट देखी गई, चेन्नई में 2023 में 23 प्रतिशत की कमी देखी गई। जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के सलाहकार डॉ. नरेश पुरोहित ने शनिवार को पटियाला स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज द्वारा 'वायु प्रदूषण से उत्पन्न खतरों' विषय पर आयोजित एक सेमिनार को संबोधित करने के बाद मीडिया संवाददाताओं को बताया कि वायु प्रदूषण बढ़ते अदृश्य संकट में एक मूक सहयोगी के रूप में उभरा है। इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए प्रसिद्ध महामारी विशेषज्ञ डॉ. पुरोहित ने कहा कि वायु प्रदूषण भारत में कई मौतों का एक मूक हत्यारा है। यह एक रहस्यमयी धुंध है जो आमतौर पर फसल जलने, वाहनों के उत्सर्जन, निर्माण गतिविधि के कारण धूल भरी आंधियों और औद्योगिक उत्सर्जन के कारण होती है। उन्होंने बताया कि वायु प्रदूषण कोई अकेला दुश्मन नहीं है, बल्कि प्रदूषकों का एक जटिल मिश्रण है, जिसे संख्यात्मक रूप से एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) के रूप में आंका जाता है। सूक्ष्म कण पदार्थ (पीएम2.5), नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, ओजोन और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक एक जहरीला मिश्रण बनाते हैं जो हर सांस के साथ फेफड़ों में प्रवेश करता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ये प्रदूषक श्वसन प्रणाली और यहां तक कि मानव मस्तिष्क को भी प्रदूषित करते हैं। डॉ पुरोहित ने बताया कि आईक्यू एयर द्वारा तैयार की गई विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में पीएम 2.5 के स्तर के मामले में दिल्ली दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में चौथे स्थान पर है।

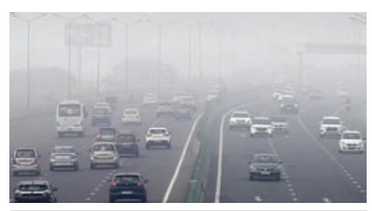

चेन्नई में 2023 में प्रदूषण में आई 23 प्रतिशत की कमी

देश

उवाच

हमारा गठबंधन भाजपा की तरह नहीं है, जहां केवल नरेंद्र मोदी और अमित शाह ही सारी सत्ता पर नियंत्रण रखते हैं। यह कहना कि राहुल गांधी दूल्हा हैं, ऐसा नहीं है। हमारा स्पष्ट मानना है कि लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद प्रधानमंत्री चुना जाएगा।

-चितरंजन गगन, राजद के वरिष्ठ नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	25.0	11.0
मुंबई	25.0	24.0
कोलकाता	23.0	16.0
चेन्नई	28.0	27.0

चुनाव में हार से पार्टी के मोल-भाव की शक्ति कम नहीं होगी : कांग्रेस

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। भले ही कांग्रेस हाल ही में तीन हिंदी भाषी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव हार गई, लेकिन पार्टी नेताओं का कहना है कि इस हार ने इंडिया गठबंधन में 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए सबसे पुरानी पार्टी की संभावनाओं और मोल-भाव की शक्ति को कम नहीं किया है। नाम न छापने की शर्त पर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, तीन राज्यों के नतीजे बेशक निराशाजनक हैं, लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि कांग्रेस का सफाया हो गया है। आगामी लोकसभा चुनावों में कांग्रेस अभी भी भाजपा के खिलाफ मुख्य ताकत बनी हुई है और सबसे पुरानी पार्टी की मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उपस्थिति है, जहां क्षेत्रीय दलों की कोई पकड़ नहीं है। जब उन्हें याद दिलाया गया कि कांग्रेस उत्तर भारत में केवल हिमाचल प्रदेश में सत्ता में है और झारखंड तथा बिहार में वह क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ गठबंधन में है, तो पार्टी नेता ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमें बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में गठबंधन में चुनाव लड़ना होगा क्योंकि राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल (यूनाइटेड), झारखंड मुक्ति मोर्चा और समाजवादी पार्टी जैसी क्षेत्रीय पार्टियां वहां मजबूत हैं। पार्टी के एक सूत्र ने भी नेता की भावनाओं से सहमति जताई और कहा, हमें जमीनी हकीकत को स्वीकार करना होगा कि इन राज्यों में क्षेत्रीय दल मजबूत हैं और कांग्रेस को उनका समर्थन हासिल करने की जरूरत है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के बाद कांग्रेस

- लोकसभा चुनावों में अभी भी भाजपा को चुनौती देने का भरा दम
- मप्र, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में सबसे पुरानी पार्टी की है उपस्थिति

की मौजूदगी बाकी सभी राज्यों में है और विशेष रूप से पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में यह भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी है। सूत्रों ने कहा कि पार्टी उत्तर भारत में भाजपा के लिए सीधा खतरा पेश करती है और वह उसे चुनौती जरूर देगी।

सूत्रों ने कहा कि जब इंडिया गठबंधन में राज्यों के लिए सीट बंटवारे की बातचीत शुरू होगी, तो हालिया विधानसभा चुनावों के नतीजों का सबसे पुरानी पार्टी के मोल-भाव की शक्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस बीच, पार्टी के एक अन्य नेता ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में खराब संबंधों को देखते हुए आप और समाजवादी पार्टी से निपटना आसान नहीं होगा। इंडिया ब्लॉक की 14 सदस्यीय समन्वय समिति में कांग्रेस के केसी

सीट बंटवारे पर गठबंधन सहयोगियों के बीच चर्चा शीघ्र

पार्टी नेता ने आगे कहा कि सीट बंटवारे पर बातचीत के दौरान गठबंधन सहयोगियों के बीच सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बुधवार शाम को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन फ्लोर नेताओं के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की थी और 2024 की रणनीति तैयार करने तथा सीट बंटवारे के लिए बातचीत शुरू करने के लिए दिसम्बर के तीसरे सप्ताह में गठबंधन की अगली बैठक बुलाने का निर्णय लिया। 31 अगस्त और 1 सितम्बर को मुंबई में इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक के बाद, घोषणा की गई थी कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति और 19 सदस्यीय चुनाव रणनीति समिति बनाएगी।

वेणुगोपाल, एनसीपी के शरद पवार, डीएमके के टीआर बालू, झामुमो के हेमंत सोरेन, शिवसेना के संजय राउत, राजद के तेजस्वी यादव, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, आप के राघव चड्ढा, समाजवादी पार्टी के जावेद अली खान, जेडीयू के ललन सिंह, सीपीआई के डी. राजा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती शामिल हैं। सीपीआई (एम) कमेटी के लिए अपनी पार्टी के नेता का नाम बाद में देगी।

मोदी ने किसान निजामा से की बातचीत

गांधीनगर, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के भरूच के वीबीएसवाई लाभार्थी, आईटीआई-प्रमाणित किसान अल्पेशभाई चंदूभाई निजामा के साथ शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) के लाभार्थियों से बातचीत के दौरान आईटीआई-प्रमाणित किसान और हार्डवेयर इंजीनियरिंग में डिप्लोमा धारक गुजरात में भरूच के वीबीएसवाई लाभार्थी निजामा से परस्पर बातचीत के बाद कृषि क्षेत्र में शामिल होने के उनके निर्णय के बारे में पूछा। निजामा ने उत्तर दिया कि उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ने और 40 एकड़ की अपनी पैतृक भूमि पर किसान बनने का निर्णय लिया। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार दोनों द्वारा प्रदत्त लाभों का उपयोग किया जहां उन्होंने रियायती कीमतों पर कृषि उपकरण खरीदे। उन्होंने ड्रिप सिंचाई तकनीक में तीन लाख रुपए की सब्सिडी का लाभ उठाया। मोदी ने कहा कि आपकी उम्र में मुझे नहीं पता था कि लाख रुपए कैसे दिखते हैं और आप लाखों के बारे में बात कर रहे हो। उन्होंने निजामा को प्राप्त सब्सिडी पर संतोष व्यक्त किया और उनसे अपने साथी किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों और आधुनिक उपकरणों के बारे में सलाह देने का भी आग्रह किया। निजामा ने 2008 से एटीएमए परियोजनाओं के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात की, जहां उन्होंने अन्य क्षेत्रों और राज्यों की कृषि तकनीकों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

युवाओं के सहयोग से झारखंड की बदलेंगे तकदीर : हेमंत सोरेन

रांची, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य वर्ष 2025 तक एक ताकतवर प्रदेश बनाएंगे। मुख्यमंत्री सोरेन ने देवघर जिले के गौरीपुर पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के चल रहे तीसरे चरण में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवाओं से कहा झारखंड एक युवा राज्य है। ऐसे में आपके सहयोग से झारखंड की तकदीर और तस्वीर बदल सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कोई पहला मौका नहीं है, जब यह सरकार गांव-गांव पंचायत-पंचायत पहुंच रही है। बल्कि वर्ष 2021 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार इस वर्ष आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। इस कार्यक्रम के तहत मैं भी कई शिविरों में शामिल हो रहा हूं और यह देखने का प्रयास कर रहा हूं कि लोगों को सरकार की योजनाओं और सेवाओं का लाभ किस तरीके से मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य का 23 वर्ष से ज्यादा

- देवघर के गौरीपुर पंचायत में आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

हो चुके हैं। लेकिन, इस दौरान अधिकारीकर आपके गांव नहीं गए। क्षेत्र का भ्रमण नहीं किया। वे आज योजनाओं की गठरी लेकर आपके दरवाजे पर आ रहे हैं। आपको सिर्फ इतना करना है कि इस गठरी से अपनी जरूरत की योजनाओं को चुनें और अपने घर के अंदर ले जाएं तथा खुद को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बने। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में हमारी सरकार वजूद में आई तो उसके कुछ ही महीने बाद कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया। सारी व्यवस्थाएं ठप हो गई ।

शिविरों में लोगों के जुड़ने पर जताई खुशी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि मुझे खुशी है कि सभी शिविरों में बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं और अपनी जरूरत की योजनाओं से जुड़ रहे हैं। सोरेन ने कहा कि पंचायतों में लग रहे शिविरों के सकारात्मक और सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। विभिन्न माध्यमों से जन सेवा करना ही राज्य सरकार का लक्ष्य है। उनकी समस्याओं का समाधान करना है और उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ इसका लाभ भी प्रदान करना है।

सार संक्षेप

तेलंगाना कांग्रेस ने मनाया सोनिया का जन्मदिन

हैदराबाद। तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को यहां गांधी भवन में संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का 77वां जन्मदिन भव्य तरीके से मनाया। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पहली बार पार्टी कार्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने इस अवसर पर अपने पूर्ववर्ती अध्यक्ष वी हनुमंत राव के साथ 78 किलोग्राम का केक काटा। रेड्डी ने इस मौके पर कहा कि पृथक तेलंगाना राज्य की घोषणा नौ दिसम्बर-2009 को सोनिया गांधी के जन्मदिन पर की गई थी।

जम्मू-कश्मीर के तापमान में गिरावट, शीत लहर जारी

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जिससे पूरी घाटी में शीत लहर जारी है। दक्षिण कश्मीर का शोपियां कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा, यहां तापमान शून्य से 5.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में रात का तापमान शून्य से 5.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

मऊ दीवार हादसे में मरने वालों की संख्या हुई सात

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ जनपद के घोसी कोतवाली क्षेत्र में दीवार गिरने के कारण हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवार को 2 लाख व घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि जारी किए जाने की घोषणा की। एक वैवाहिक कार्यक्रम के हल्दी रसम में शुक्रवार की शाम शामिल होने जा रही महिलाओं के ऊपर दीवार गिरने से महिलाएं वह बच्चे दीवाल के नीचे दब गए थे। इस दर्दनाक हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है।

अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन शुरू

तिरुवनंतपुरम। केरल के प्रधान महालेखाकार बीजू जेकब ने करियावट्टोम परिसर में शनिवार को लेखांकन शिक्षा व अनुसंधान पर दो दिवसीय 45वें अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। डॉ. जैकब ने कहा कि उन्होंने लेखांकन को एक बेहद सकारात्मक पेशे के रूप में रेखांकित किया, जहां व्यक्तियों ओर राष्ट्रों की समृद्धि आपस में जुड़ी हुई है व एकाउंटेंट के लिए खुशी लाती है क्योंकि वे धन और सफलता में योगदान करते हैं।

दिव्यांगजन को सहानुभूति नहीं चाहिए : धनखड़

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने पर दिया जोर

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि दिव्यांगजनों को सहानुभूति का पात्र नहीं बल्कि उन्हें उनके ज्ञान, योग्यता, झुकाव और विशेषज्ञता के लिए मान्यता का पात्र माना जाना चाहिए। धनखड़ ने कहा कि एक ऐसा इको-सिस्टम बनाने की आवश्यकता है जिससे हम अपने दिव्यांग जनों को सशक्त बना सकें जिनके पास अपार प्रतिभा है। विकलांगता मानसिक, आध्यात्मिक और भावनात्मक चुनौतियों के दायरे तक फैली हुई है। गुरुग्राम में विकलांगता पर 10 वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने उन सामाजिक धारणाओं में आए बदलाव का उल्लेख किया और कहा कि जो लोग बाहरी तौर पर शारीरिक रूप से सक्षम दिखते हैं उनमें किसी न किसी प्रकार की विकलांगता हो सकती है। उन्होंने प्रमुख कॉर्पोरेट संस्थाओं से अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड को समाज के इन वर्गों को सशक्त बनाने के लिए देने का आग्रह किया।

अनुच्छेद 370 पर शीर्ष अदालत के निर्णय से पहले बोले उमर

जम्मू-कश्मीर के लोगों के पक्ष में फैसला आने की उम्मीद

श्रीनगर, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि वह केवल आशा और प्रार्थना कर सकते हैं कि अनुच्छेद 370 याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय का फैसला जम्मू-कश्मीर के लोगों के पक्ष में होगा। उमर ने कहा कि ऐसा कोई नहीं है जो अधिकार के साथ कह सके कि सोमवार को क्या होना है। उमर ने कुलगाम में पार्टी के एक सम्मेलन के बाद संवाददाताओं से कहा, मेरे पास ऐसा कोई तंत्र या तरीका नहीं है जिससे मुझे आज यह पता चल सके कि पांच माननीय न्यायाधीशों के मन में क्या है, या उन्होंने फैसले में क्या लिखा है। मैं केवल आशा और प्रार्थना कर सकता हूं कि निर्णय हमारे पक्ष में हो, लेकिन, मैं न तो यह दावा कर सकता हूं कि सफलता हमें मिलेगी और न ही कोई और बता सकता है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष ने कहा कि वे फैसले का इंतजार कर रहे हैं और इसे आने दीजिए। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद भविष्य की कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर

कश्मीर के राजनेताओं को नजरबंद कर सकती है सरकार : उमर अब्दुल्ला

उन्होंने कहा, हम निर्णय आने के बाद प्रतिक्रिया देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका व्यक्त कि शीर्ष अदालत के निर्णय से पहले सरकार कश्मीर के राजनेताओं को नजरबंद कर सकती है। उन्होंने कहा कि हमें नजरबंद करने का उन्हें बहाना चाहिए और उनके पास एक बहाना है। जैसा कि हम नहीं जानते कि निर्णय क्या होगा, वे भी नहीं जानते हैं और अगर वे जानते हैं तो इसी जांच होनी चाहिए। इससे पहले रैली में अब्दुल्ला ने कहा कि 11 दिसम्बर को संग्रामा बारामूला में पार्टी के एक सम्मेलन

संविधान पीठ कल सुनाएगी फैसला

सुप्रीम कोर्ट की ऑनलाइन कार्य सूची में 11 दिसम्बर को अनुच्छेद 370 हटाने से जुड़े मामले को सूचीबद्ध किया गया है। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ अपना फैसला सुनाएगी। इससे पहले गत शुक्रवार को कश्मीर घाटी में पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक कर कानून एवं व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में सभी दस जिलों के उपायुक्तों व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को किसी भी शरारत या सोशल मीडिया के दुरुपयोग में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

की योजना थी और अधिकारियों ने शुक्रवार शाम उन्हें सूचित किया कि कार्यक्रम के लिए दी गई अनुमति वापस ले ली गई है। उन्होंने कहा कि सोमवार को संग्रामा में हमारा एक कार्यक्रम होने वाला था। हम एक-दूसरे से चर्चा कर रहे थे कि क्या हमें कार्यक्रम को आगे बढ़ना चाहिए और इस बीच हमें सरकार से एक पत्र मिला जिसमें कहा गया कि उन्होंने कार्यक्रम की अनुमति रद्द कर दी है। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि अनुमति क्यों रद्द की गई। उन्हें किस बात का डर है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के सहयोगियों से कहा गया है कि उन्हें सोमवार को अपने घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ पांच अगस्त, 2019 की केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के निर्णय पर सोमवार को फैसला सुनाएगी, जिसके माध्यम से जम्मू-कश्मीर के संवैधानिक प्रावधान को समाप्त कर दिया गया था।

सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाया : राजनाथ

फिक्की की वार्षिक आम बैठक को किया संबोधित

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि आर्थिक विकास लिंग तटस्थ होना चाहिए। सरकार ने पहले की उस कहानी को सफलतापूर्वक बदल दिया है जिसमें अर्थव्यवस्था के विकास का श्रेय अकेले पुरुषों के योगदान को दिया जाता था। शीर्ष व्यापार मंडल फिक्की की 96वीं वार्षिक आम बैठक और सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता रही है। हमने यह सुनिश्चित किया है कि भारत का आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक विकास न केवल पुरुषों के बल पर हो, बल्कि नारी शक्ति के आधार पर भी हो। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों को गिनाते हुए सिंह ने कहा कि लड़कियां अब सैनिक स्कूलों में

पढ़ रही हैं, जबकि महिला अधिकारियों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

अब महिलाओं को लड़ाकू पायलट के रूप में नियुक्त किया जा रहा है, युद्धपोतों पर तैनात किया जा रहा है और सीमा पार अग्रिम चौकियों पर तैनात किया जा रहा है। इसके अलावा, अग्निपथ योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में युवा लड़कियां सशस्त्र बलों में शामिल हो रही हैं। मंत्री ने कहा कि भारत एक वैश्विक विकास इंजन के रूप में उभरा है और दुनिया को एक नई दिशा प्रदान कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय विकास की कहानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में एक अरब से अधिक भारतीयों की कड़ी मेहनत और क्षमता का परिणाम है।

हमने हरित विकास का रास्ता चुना

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने प्रतिबद्धता जताई है कि उसका विकास पर्यावरणीय क्षरण की कीमत पर नहीं होगा। हमने हरित विकास का रास्ता चुना है। हमने पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर किये। हमने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन बनाया है। हमने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए पहल की है। हमने जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता भी कम कर दी है।

मराठवाड़ा में सूखे की निगरानी करेंगी केंद्रीय टीम

छत्रपति संभाजीनगर, 9 दिसबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र सहित राज्य के प्रभावित हिस्सों में केन्द्रीय टीमें सूखे की निगरानी के लिए जाएंगी। राजस्व एवं वन विभाग और राहत एवं पुनर्वास सूत्रों के शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, संयुक्त सचिव प्रिया राजन के नेतृत्व में चार टीमों का गठन किया गया है। उनके नेतृत्व में केंद्रीय कृषि मंत्रालय की 12 सदस्यीय टीम राज्य में सूखे और खरीफ नुकसान की समीक्षा करने के लिए मराठवाड़ा के विभिन्न जिलों का दौरा करेगी। केंद्रीय टीम 13 और 14 दिसम्बर को मराठवाड़ा के चार जिलों का निरीक्षण करेंगी। यह टीम छत्रपति संभाजी नगर, जालना, बीड और धाराशिव जिलों के कुछ तालुकों और गांवों का दौरा करेगी।

साथ ही निरीक्षण के बाद टीम 15 दिसम्बर को पुणे में बैठक करेगी और केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी। मराठवाड़ा में इस साल अपेक्षित बारिश नहीं होने से सभी आठ जिलों के कई हिस्सों में सूखे जैसे हालात बने हुए हैं। इससे किसानों को भारी परेशानी हो रही है।

बिहार के टॉपर्स घोटालेबाज के आवास पर ईडी ने की छापेमारी

पटना, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को बिहार के टॉपर्स घोटालेबाज अमित कुमार उर्फ बच्चा यादव के आवास और एक कॉलेज भवन पर छापेमारी की। ईडी अधिकारियों ने किरतपुर राजाराम में आरोपी के आवास और भगवानपुर ब्लॉक में भी तलाशी ली, जहां आरोपी ने कॉलेज का निर्माण किया है। 2016 में, अमित कुमार बिहार टॉपर घोटाले में शामिल थे, जब उम्मीदवारों ने जाली दस्तावेजों के साथ विभिन्न परीक्षाएं पास की थीं।

उन पर ईडी द्वारा जब्त की गई जमीनों पर इमारतें बनाने का भी आरोप है। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने आरोपियों के पास से कई दस्तावेज जब्त किए हैं। इससे पहले ईडी ने भगवानपुर में 42 डिसमिल जमीन (18293.52 वर्ग फुट) जब्त की थी और साथ ही एक बोर्ड भी लगाया था। इसके बावजूद अमित कुमार ने जमीन पर निर्माण शुरू कर दिया। किरतपुर मौजा में अमित के पिता राजदेव राय के नाम पर 42 डिसमिल जमीन दर्ज थी। ईडी ने 15 अक्टूबर 2018 को मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत संपत्ति जब्त कर ली थी।

ईडी के अतिरिक्त निदेशक राजीव रंजन ने 18 नवंबर को पटना पुलिस और वैशाली के जिला मजिस्ट्रेट को भी सूचित करते हुए भगवानपुर थाने में एफआईआर दर्ज करायी थी। भगवानपुर के थाना प्रभारी परमहंस कुमार ने कहा, हमें ईडी से एक आवेदन प्राप्त हुआ है और तदनुसार जमीन के वेरिफिकेशन के बाद अमित कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जहां उन्होंने अवैध रूप से इमारत का निर्माण किया था। जांच चल रही है।

चिंता *कश्मीर में एक बार फिर मानक संचालन प्रक्रिया चर्चा में*

सुरक्षाबलों को ही भुगतना पड़ा है लापरवाही का खामियाजा

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। करीब 39 दिनों के उपरांत जिस पुलिस अधिकारी को डाक्टरों ने सिर में गोली लगने के कारण मृत घोषित कर दिया उसकी मृत्यु के उपरांत कश्मीर में एक बार फिर एसओपी अर्थात मानक संचालन प्रक्रिया चर्चा में है। यह चर्चा में इसलिए है क्योंकि पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने फिर दोहराया है।

कि पुलिस को एसओपी का सख्ती से पालन करना होगा। पर यह एक कड़वी सच्चाई है कि कश्मीर में पुलिस पर हुए प्रत्येक आतंकी हमले के उपरांत ऐसे दिशा निर्देशों को हमेशा ही नजरअंदाज किया जाता रहा है। ज्यादा पुरानी बात न करें तो भी 13 दिसम्बर 2021 को आतंकियों ने श्रीनगर के जेवान चौक में एक उस पुलिस बस पर हमला बोल कर तीन पुलिसवालों को मार डाला था जो बिना किसी सुरक्षा कवच के

■ हवा में उड़ते रहे हैं एसओपी पालन के दिशा निर्देश

अपनी ड्यूटी निभा कर वापस आ रही थी। इस हमले के उपरांत जब बहुत हो हल्ला मचा तो यह फैसला लिया गया था कि भविष्य में पुलिसकर्मियों को बुलेट प्रूफ वाहन मुहैया करवाने के अतिरिक्त उन्हें एस्कार्ट भी दिए जाएंगें। और इस साल 31 अक्टूबर को आतंकियों ने एक पुलिसकर्मी गुलाम मुहम्मद डार को पटन में उस समय गोली मार कर मार डाला जब वह अपने घर आया हुआ था। ऐसे कई मामले हैं जिसमें छुट्टी पर घर आए पुलिसकर्मियों पर आतंकियों ने हमले कर मार डाला था। और प्रत्येक ऐसी घटना के लिए एसओपी का पालन न करने की बात कही गई और फिर से दोहराया गया कि सभी को एसओपी का सख्ती से पालन करना होगा।

जिस पुलिस इंस्पेक्टर मसरूर वानी को श्रीनगर के खेल मैदान में गोली मार दी गई थी उसके प्रति अब वरिष्ठ पुलिस अधिकारी दावा करते थे कि उन पर हमला किए जाने के इनपुट थे लेकिन मानक संचालन प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था जो एक भारी भूल थी। ऐसे ही एसओपी की अनदेखी 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले के दौरान भी सामने आई थी जब केरिपुब के 47 से अधिक जवान कश्मीर में आज तक के हुए सबसे भयानक विस्फोट में मारे गए थे। यह एक कड़वी सच्चाई है कि कश्मीर में 36 सालों से फैले हुए पाक समर्थित आतंकवाद के दौर में न जाने कितनी बार मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करने के निर्देश निकाले गए होंगें और कितनी बार उनकी अनदेखी की गई होगी, इसका कोई रिकार्ड ही नहीं है। लेकिन इतना जरूर था कि हर बार ऐसी कथित लापरवाही का ख्मियाजा सुरक्षाबलों को ही भुगतना पड़ा है। देश के सम्मान, एकता और अखंडता और ऐसी अन्य चीजों की रक्षा करने वाले सैनिकों को सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम और वास्तविक सैन्य कब्जे के पूरे तंत्र के बारे में शहर के सवालों का जवाब देने के बजाय गोली मारकर हत्या करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पति : तुम्हारे पापा मानते क्यों नहीं ? जले पर नमक छिड़कने की आदत गई नहीं अब तक उनकी।
पत्नी : क्यों क्या हुआ ?
पति : आज फिर से पूछ रहे थे कि मेरी बेटी से शादी करके खुश तो हो न ?

दिल्ली निगम में 16683 करोड़ का बजट पेश

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में शनिवार को 2023-24 का संशोधित बजट अनुमान तथा आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान पेश किया गया। यह बजट निगम की विशेष बजट बैठक में निगमायुक्त ज्ञानेश भारती ने पेश किया। निगमायुक्त ने साढ़े 16 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रावधान किया, इसमें खर्च के 16,683 करोड़ रुपए खर्च और 15,686 करोड़ रुपए की आय का अनुमान रखा है। दिल्ली नगर निगम के इतिहास में ऐसा पहला मौका है जब आयुक्त ने सीधा सदन में बजट पेश किया। डीएमसी एक्ट के अनुसार आयुक्त को बजट पहले स्थायी समिति में रखना होता है। उसके बाद वार्ड कमेटियों में इसकी चर्चा होती है जिसके बाद इसे सदन में पेश किया जाता है। लेकिन दिल्ली नगर निगम में अब तक ना तो स्थायी समिति का गठन हुआ है ना ही वार्ड कमेटियों का जिसके चलते आयुक्त द्वारा सीधे सदन में बजट पेश किया गया है। निगमायुक्त ज्ञानेश भारती ने बजट भाषण में कहा कि इस वित्तीय वर्ष में निगम ने संपत्ति-कर से रिकार्ड तोड़ राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान बनाया है। संपत्ति-कर से रिकार्ड तोड़ राजस्व अर्जित किया। आयुक्त ने बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में निगम को 2417 करोड़ रुपए का राजस्व संपत्ति-कर से प्राप्त हुआ है। यह राजस्व पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 400 करोड़ ज्यादा है। आयुक्त ने कहा कि यह निगम इतिहास में अबतक संपत्ति-कर से प्राप्त सर्वाधिक राजस्व है। उन्होंने बताया कि करदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में संपत्ति-कर दाताओं की संख्या 1140515 थी जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह संख्या लगभग 1.90 लाख बढ़कर 1329641 हो गई है। इसी तरह हस्तांतरण शुल्क के रूप में प्राप्त हुए हैं जबकि वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 1673 करोड़ रुपए था। निगमायुक्त ने कहा है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 में संपत्ति-कर के निर्धारित लक्ष्य 3500 करोड़ रुपए के अपेक्षा में 14 नवम्बर 2023 तक 1549.93 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त कर लिया है। सम्पत्ति कर बढ़ाने तथा सटीक सम्पत्ति कर गणना हेतु रियल टाइम जिओ टैगिंग प्रक्रिया की शुरूआत की गई है। सम्पत्ति करदाताओं को जिओ टैगिंग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दिल्ली नगर निगम के सदन में शनिवार को निगमायुक्त द्वारा बजट पेश किया गया। इसके संबंध में मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली में लोगों के संवाद की शुरुआत अगले सप्ताह से कर दी जाएगी। यह संवाद की प्रक्रिया जनवरी 2024 के अंत तक चलेगी। इसके तहत लोगों से घर-घर जाकर संवाद किया जाएगा।

- निगमायुक्त ज्ञानेश भारती ने निगम की बैठक में पेश किया बजट
- 15,686 करोड़ रुपए की आय का अनुमान रखा
- बजट में निगम को स्वावलंबी एंव आत्मनिर्भर बनाने पर दिया गया जोर

वित्त वर्ष 2022-23 में निगम को 2417 करोड़ का राजस्व संपत्ति-कर से प्राप्त हुआ है यह राजस्व पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 400 करोड़ ज्यादा : ज्ञानेश भारती

बाजारों में मार्केट एसोसिएशन के साथ बैठकें की जाएंगी। सोसायटी में आरडब्ल्यूए के साथ संवाद किया जाएगा। इसी तरह गांवों के सरपंचों से सलाह मशविरा किया जाएगा। इसके बाद सभी की राय और सलाह के आधार पर 2024-25 का बजट तैयार किया जाएगा। खास बात है कि यह बजट पूरी तरह से जनता द्वारा तैयार बजट होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए बजट बंद कमरों में तैयार नहीं किया जा सकता। दिल्ली का असली बजट दिल्ली वासियों से बेहतर कोई नहीं बना सकता है। ऐसे में दिल्ली वासियों के सुझावों से बजट तैयार होगा। यह बजट अधिकारी और नेताओं का नहीं, बल्कि आम जनता का होगा। इसमें उनकी हर समस्या का समाधान होगा। वह कोई थोपा हुआ बजट नहीं होगा। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि जनता द्वारा तैयार बजट फरवरी के पहले सप्ताह में नियमतः में नेता सदन की ओर से रखा जाएगा। इससे पहले उसके ऊपर चर्चाओं का दौर चलेगा। सदन में आज पेश किया गया बजट परंपरा के हिसाब से है। लेकिन असली बजट फरवरी में ही आएगा।

निगम बजट के अनुमानों के मुख्य बिन्दु

- सहभागिता योजना : सहभागिता योजना में एक नई प्रणाली का भी प्रावधान किया गया है जिसके अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों, जिनका कुल भूमि क्षेत्रफल 10 एकड़ से अधिक है, उन्हें 100 प्रतिशत सम्पत्ति कर जमा कराने के उपरांत पांच प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि विकास कार्यों के लिए दी जायेगी।
- सूचना भेजने की प्रणाली की स्थापना : पॉयलट प्रोजेक्ट के तौर पर 3 वार्डों-प्रीत विहार, पूर्व पटेल नगर और कोटला मुबारकपुर में आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस के माध्यम से प्रदत्त नागरिक सेवाओं में कमी को पहचानने और सुधार करने हेतु सूचना भेजने की प्रणाली की स्थापना।
- स्कूल भवनों का निर्माण : नजफगढ़ क्षेत्र के इंदिरा पार्क, पश्चिमी क्षेत्र के विष्णु गार्डन, पश्चिमपुरी, मादीपुर जे.जे कॉलोनी, करोल बाग क्षेत्र के प्रेम नगर, नरेला क्षेत्र के बवाना, सिविल लाइंस क्षेत्र के मुकुंदपुर और केशवपुरम क्षेत्र के सरस्वती विहार में स्कूल भवनों का निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।
- निगम ने लाजपत नगर में 246, हौजखास में 136, अधचिनी गांव में 56, सुभाष नगर में 236 व निजामुद्दीन बस्ती के निकट 86 कारों की मल्टीलेवल कार पार्किंग का कार्य पूरा कर लिया है।
- पंजाबी बाग में 225, ग्रेटर कैलाश मार्केट में 399, अमर कॉलोनी लाजपत नगर में 81, शिवा मार्केट पीतमपुरा में 500, गांधी मैदान चांदनी चौक में 2,338, कुतुब रोड पर 174, निगम बोध घाट में 95 और बाग दिवार मार्केट, फतेहपुरी में 196 कारों की क्षमता वाली पार्किंग का निर्माण कार्य प्रगति पर है जिसे इस वित्तीय वर्ष में पूरा करने की योजना है।
- तीनों लैंडफिल साइट पर ट्रॉमलिंग मशीनों के द्वारा नवंबर 2023 तक लगभग 102 लाख मीट्रिक टन कूड़े का पृथक्कीकरण किया जा चुका है।
- नरेला-बवाना में 3600 टीपीडी क्षमता के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्थापित किया जायेगा साथ ही ओखला व तेहखंड वेस्ट-टू-एनजीजू प्लांट की क्षमता को बढ़ाया जा रहा है।
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और एसडब्ल्यूएम 2016 नियमों के अनुपालन के ऑडिट के लिए एएससीआई, हैदराबाद के साथ समझौता किया है। इसके तहत् ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की कमियों की पहचान कर, बेहतर सुझाव दिया जायेगा।

दिल्ली निगम के सदन में प्रस्तुत बजट नागरिक व कर्मचारी विरोधी है : राजा इकबाल सिंह

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष व पूर्व महापौर राजा इक़बाल सिंह ने शनिवार को बताया कि दिल्ली नगर निगम के सदन में रखा गया बजट नागरिक व कर्मचारी विरोधी है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी के कारण स्थायी समिति, वार्ड समिति व अन्य महत्वपूर्ण समितियों का गठन नहीं हो पाया है जिसके कारण आयुक्त को निगम सदन में बजट प्रस्तुत करना पड़ा जो कि पूरी तरह गैर संवैधानिक है। उन्होंने बताया कि प्रस्तुत किए गए बजट में प्रोफेशनल टैक्स को बढ़ाने की अनुशंसा की गई है। इसके साथ ही संपत्ति कर के अग्रिम भुगतान में दी जाने वाली छूट को पहले 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत किया गया और अब इसे खत्म कर दिया गया है। इसके साथ ही ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की अनुशंसा की गई है। उन्होंने बताया कि दिल्ली नगर निगम का 80 प्रतिशत बजट केवल कर्मचारियों को वेतन देने पर खर्च किया जाएगा और शेष 20 प्रतिशत ही नागरिक सेवाओं के विकास पर खर्च होगा। राजा इकबाल सिंह ने बताया कि इस बार प्रस्तुत किए गए बजट में कुछ भी नया नहीं है, गत वर्ष के बजट को ही नया रूप देकर प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी की मेयर ये कह रही है कि नागरिकों से पूछकर बजट को अंतिम रूप दिया जाएगा तो मैं आम आदमी पार्टी की मेयर से पूछना चाहता हूँ कि नागरिकों द्वारा चुने गए पार्षद क्या करेंगे। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी सिर्फ बड़ी बड़ी बातें व झूठा दिखावा करती है। पिछले दिनों आम आदमी पार्टी ने यह झूठ बोला था 5000 सफाई कर्मचारियों को पक्का किया गया है, मगर आयुक्त के बजट में मात्र 483 सफाई कर्मचारियों को पक्का करने की बात कही गई है। इससे ये साफ जाहिर होता है कि आम आदमी पार्टी किस प्रकार नागरिकों व कर्मचारियों की आँख में धूल झोंकने का कार्य करती है। उन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों के एरियर की बात भी बजट में कहीं नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि एक तरफ आम आदमी पार्टी में कहती है कि हम दिल्ली को सिंगापूर व लंदन जैसे साफ़ शहर बना देंगे वहीं दूसरी ओर सफाई के बजट में 2.5 प्रतिशत की कटौती कर दी गई है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि आम आदमी पार्टी की कथनी और करनी में काफी फर्क है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के बजट में एक भी नई योजना नहीं लाई गई है जितनी भी योजनाएं अभी चल रही है या पूरी होने वाली है वो सभी भारतीय जनता पार्टी की देन है।

■ गत वर्ष के बजट को ही नया रूप देकर प्रस्तुत किया गया

बजट में कुछ भी नया नहीं है : नाजिया दानिश

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में शनिवार को दिल्ली नगर निगम के आयुक्त द्वारा रखे गए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए नेता कांग्रेस दल नाजिया दानिश ने कहा कि इस वर्ष के बजट में एक भी नई योजना नहीं लाई गई हैं बल्कि उन योजनाओं का जिक्र किया गया है जो कि पहले से चल रही हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं मेयर साहिबा से यह पूछना चाहती हूं की एक ओर तो वह यह कहती हैं की बजट पर जनता की राय ली जाएगी और दूसरी तरफ उसी जनता द्वारा चुने गए पार्षदों को वह सदन में बोलने का मौका नहीं देती और उनके साथ सदन में अभद्र व्यवहार किया जाता है जिस पर वह खामोश रहती हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सदन की बैठक में उनकी पार्टी की पार्षद नाजिया खातून से सदन में अभद्र व्यवहार किया गया था लेकिन अभी तक उस मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने रिकॉर्डिंग की सीडी देने के लिए कह था लेकिन अभी तक उन्हें कोई सीडी नहीं दी गई है। इससे साफ जाहिर है कि मेयर साहिब इस मामले को लेकर गंभीर नहीं हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की कथनी और करनी में कितना फर्क है इस बात से पता चलता है कि पिछले दिनों आम आदमी पार्टी द्वारा 5000 सफ़ाई कर्मचारियों को पक्का किए जाने का दावा किया था लेकिन आयुक्त के बजट में मात्र 429 सफ़ाई कर्मचारियों को ही पक्का करने की बात कही गई है। इससे जाहिर होता है कि आम आदमी पार्टी दिल्ली की जनता के साथ विश्वासघात कर रही है।

सार संक्षेप

पूर्वांचल मोर्चा ने किया एवीबीपी की शोभायात्रा का स्वागत

नई दिल्ली। एबीवीपी के राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वैश्विक परिदृश्य में भारत और युवाओं की भूमिका विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द के सपनों का सशक्त भारत का निर्माण युवाओं के कंधे पर है छात्र शक्ति से ही राष्ट्र शक्ति का उदय होगा। आज छात्रों के विशाल शोभायात्रा को भाजपा दिल्ली प्रदेश पूर्वांचल मोर्चा कार्यकर्ताओ द्वारा निरकारी कालोनी और विजय नगर में भव्य स्वागत किया गया। धोती कुर्ता और पारंपरिक वेश भूषा में पूर्वांचल कार्यकर्ताओ ने पूर्वांचल की विशिष्ठ झांकी के साथ छात्रों का अभिनंदन किया। इस अवसर भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष नीरज तिवारी ने भी छात्रों का अभिनंद किया।

तीन दिवसीय इंटरनेशनल फायर व सिक्योरिटी एक्सपो संपन्न

नई दिल्ली। प्रगति मैदान के हॉल नंबर 5 में तीन दिवसीय इंटरनेशनल फायर एंड सिक्योरिटी एग्जीबिशन एंड कॉन्फ्रेंस आईएफएसईसी इंडिया एक्सपो शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। एक्सपो के तीसरे और अंतिम दिन भी विजिटर्स ने यहां लगे प्रदर्शनी में अपनी अच्छी खासी रुचि दिखाई। प्रदर्शनी के दौरान विजिटर्स ने अलग-अलग स्टॉल पर उच्च तकनीक से सुसज्जित सीसीटीवी कैमरे और अग्नि उपकरण के बारे में लेते नजर आए। इस एक्सपो का आयोजन सात दिसम्बर से शुरू हुआ था। प्रगति मैदान में आयोजित इस उपकरण का आयोजन इंफॉर्मा मार्केट्स के द्वारा किया गया। इस तीन दिवसीय एक्सपो में सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा उत्पादों का प्रदर्शन किया। बीस से अधिक देशों के 300 से अधिक ब्रांडों की भागीदारी और 12 हजार उद्योग खरीदारों, नीति निर्माताओं, सरकारी अधिकारियों, पीएसयू, सीएसओ व सोल्यूशन इंटीग्रेटर्स ने हिस्सा लिया।

अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी सिआल इंडिया का हुआ आयोजन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भोजन और पेय पदार्थों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी सिआल इंडिया और विनेक्सपो इंडिया तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन हुआ था जिसका उद्घाटन अनिता प्रवीण, आईएएस, सचिव, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, जानुज वोज्शिचोव्स्की कृषि के लिए यूरोपीय आयुक्त और अभिषेक देव, आईएएस, अध्यक्ष, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद विकास प्राधिकरण वाणिज्य मंत्रालय एपीडा, भारत सरकार द्वारा हुआ था। समारोह में 20 देशों के अम्बैस्डर ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम एमओएफपीआई द्वारा संचालित था। इसके आयोजक कॉमएक्सपोज़ियम, इंटर एड्स और विनेक्सपोज़ियम साथ मिलकर किया था।

देश में आज ठेकेदारी व निजीकरण को मिल रहा है बढ़ावा : मेधा पाटकर

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। भारत की प्रमुख समस्या ठेकेदारी प्रथा-शिक्षा रोजगार एवं आरक्षण के लिए एक अभिशाप विषय पर कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित एक गोष्ठी में शनिवार को बतौर मुख्य वक्ता नर्मदा नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर ने कहा कि देश में विकास के नाम पर जो हो रहा है उससे वंचित और पीड़ित के साथ आजीविका का कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं दिखता है। शिक्षा रोजगार का महत्व बताते हुए संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि संविधान में सबको जीने का अधिकार है, सबको रोजगार पाने का अधिकार है लेकिन आज ठेकेदारी और निजीकरण को बढ़ावा मिल रहा है और मजदूर और किसान बेरोजगारी में आत्महत्या कर रहे हैं। अब तो आईएएस अधिकारी को भी ठेकेदारी प्रथा में लाने की औपचारिकता शुरू हो गई है। शिक्षक को वेतन नहीं मिल रहा है और दलीय राजनीति से ऊपर उठकर इस पर कोई बात करने को तैयार नहीं है। ठेका कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष इंजीनियर डीसी कपिल ने कहा कि सरकारें चुनावों के दौरान इन मजदूरों को लुभाने के लिए उन्हें पक्का करने जैसे तमाम वायदे करती हैं परंतु चुनावों के बाद उन्हें पूरी तरह से भूल जाती हैं। उन्होंने कहा कि अनिवार्य सेवाओं में जैसे बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसे विभागों में जहां नियमित कर्मचारी होने चाहिए, वहां भी ठेका मजदूरों को नियुक्त किया जा रहा है। हिंसा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम की कड़ी में हुए इस गोष्टी में 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के संदर्भ में विद्वान वक्ताओं ने चिंता व्यक्त की कि आम जनता का इतना गंभीर मुद्दा किसी भी राजनीतिक दल के एजेंडे में क्यों नहीं है। चर्चा में भाग लेने वाले प्रमुख वक्ताओं में प्रोफेसर संतोष मेहरोत्रा, अधिवक्ता सुजीत सम्राट, अधिवक्ता भवन प्रताप सिंह, ए सी माईकल, के सी पिप्पल, आईईएस सेवानिवृत्त, संयोजक पी जोश, सुभाष भटनागर, सचिव, निर्माण मजदूर पंचायत संगम शामिल रहे।

■ ठेकेदारी प्रथा-शिक्षा रोजगार एवं आरक्षण के लिए एक अभिशाप पर गोष्ठी का आयोजन

■ नई दिल्ली में झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू पर कैश घोटाले के खिलाफ प्रदर्शन करते भाजपा समर्थक। फोटो इम्तियाज खान

राजघाट पर आज उतरेगा पूर्वांचल

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। रविवार को दिल्ली के राजघाट स्थित गांधी दर्शन परिसर के सत्याग्रह मंडप लॉन में पूर्वांचल की छटा अपने खास रंग में होगी। इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार व सांसद गोरखपुर रविकिशन अपने चिरपरिचित अंदाज लोगों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। तो वहीं मशहूर लोकगायिका मालिनी अवस्थी अपनी खास विधा अवधी व भोजपुरी लोक गायन की विशिष्ट प्रस्तुति देती दिखाई पड़ेंगी। इतना ही नहीं यहां पूर्वांचली व्यंजन भी आपको मिलेंगे और यह सब कुछ पूर्वांचल महोत्सव के कार्यक्रम माटी में होगा। कार्यक्रम के समन्वयक आसिफ काजमी के बताया कि पारम्परिक भोजन,लोककला,जातीय संस्कृति और परम्परा को बढावा देने के साथ ही मनोरंजन को ध्यान में रखकर यह आयोजन किया जा रहा है। राजधानी दिल्ली में इस तरह का यह छठा कार्यक्रम है। माटी के इस बार के आयोजन में पूर्वांचल संस्कृति से जुड़े और रुचि रखने वाले 3000 से ज्यादा लोगों के इसमें शामिल होने की संभावना है। दिन भर चलने वाले इस आयोजन में मालिनी के लोक गायन के अलावा रंगश्री का भोजपुरी नाटक, छह शीर्ष पूर्वांचली उपलब्धि हासिल करने वालों को पुरस्कार सम्मान,हथकरघा का प्रदर्शन व हस्तशिल्प की वस्तुएं प्रदर्शित की जाएंगी। साथ ही लोगों को पूर्वांचली पारम्परिक भोजन, ग्रामीण व्यंजनों के साथ दावत का आनंद भी मिलेगा। बताया जा रहा है कि इस इस अन्य विशिष्ट अतिथियों के तौर पर हिमांचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायधीश विनीत सरन, सांसद जगदम्बिका पाल, रविंद्र कुशवाहा, टीवी प्रस्तोता रवि दुबे भी शामिल होंगे।

बिखरेंगे लोक संस्कृति के रंग

हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने को लेकर साझा हुआ सवाल फर्जी

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने साफ किया है कि उन्होंने लोकसभा में हमास को आतंकी संगठन घोषित करने के सवाल से जुड़े किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं किया है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक दस्तावेज वायरल हो रहा है। जिसमें पूछा गया है कि क्या भारत में हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने का कोई प्रस्ताव है।

हालांकि लेखी ने इसे पूरी तरह गलत करार देते हुए कहा कि हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के सवाल से जुड़े किसी भी कागज पर उनकी ओर से हस्ताक्षर नहीं किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सवाल की तस्वीर के साथ साझा किए गए पोस्ट के जवाब में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा-आपको गलत सूचना दी गई है।

मैंने ऐसे सवाल और जवाब वाले किसी पेपर पर हस्ताक्षर नहीं किया है। लेखी ने अपने जवाब को विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री कार्यालय को टैग किया है। सोशल मीडिया पर मीनाक्षी को लेकर सवाल का जो फोटो पोस्ट की गई है, उसमें लिखा है कि कांग्रेस सांसद कुंभकुडी सुधाकरन ने सवाल पूछा था कि क्या भारत सरकार के पास हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने का कोई प्रस्ताव है।

क्या इजरायल सरकार द्वारा इसके लिए कोई मांग की गई है। बतादें कि भारत ने अभी तक हमास को आतंकवादी संगठन घोषित नहीं किया है। हालांकि इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन अपनी ओर भारत सरकार से हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने का अनुरोध किया है।

प्रकाश सिंह बादल के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। पंजाब की राजनीति के पितामह दिवंगत सरदार प्रकाश सिंह बादल के जन्मदिन के मौके पर शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह सरना के नेतृत्व में दिल्ली के तिलक नगर क्षेत्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं व महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान परमजीत सिंह सरना ने सरदार प्रकाश सिंह बादल के साथ अपनी स्मृतियों को याद किया और कहा कि उनकी कमी को कभी भी पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि इस शिविर को आयोजित करने के लिए वे बधाई के पात्र हैं। युवाओं का उत्साह दर्शाता है कि वे पंथ की नुमाईंदा जत्थेबंदी शिरोमणि अकाली दल में समर्पण भाव से जुड़ रहे हैं और इन सभी लोगों को पार्टी में उचित सम्मान दिया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने सुचारु व्यवस्था के लिए जितिंदर सिंह सोनू और रमनदीप सिंह सोनू को बधाई दी। इस मौके पर अन्य लोगों के अलावा स्त्री

अकाली दल की दिल्ली इकाई की अध्यक्ष बीबी रणजीत कौर, स. करतार सिंह चावला, तजिंदर सिंह गोपा, स. कुलतारन सिंह कोचर, अनुप सिंह घुम्मन, स. जतिंदर सिंह सोनू सभी दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्य, युवा नेता स. रमनदीप सिंह सोनू, स. गुरप्रीत सिंह रिंटा, स. मनिंदर सिंह सूदन सहित बड़ी संख्या में अकाली कार्यकर्ता मौजूद थे।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

ये आर्थिक अपराध की वो श्रेणी है जिससे राष्ट्र के विकास में अपूर्णीय क्षति होती है, और एक चयनित या मनोनीत जनप्रतिनिधि यदि इस प्रकार का आर्थिक अपराध करता है तो वह राष्ट्र की जनता के साथ राष्ट्र के संप्रभुता का भी अपराधी है।

अजीत पाल त्यागी, विधायक

15 हजार बायर्स को अब भी राहत नहीं

नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। स्पोर्ट्स सिटी के 15 हजार बायर्स की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। करीब 15 दिन पहले लखनऊ में हुई बैठक से संबंधित आदेश लोक लेखा समिति ने अभी तक जारी नहीं किए हैं। यह बायर्स विगत 5 सालों से रजिस्ट्री का इंतजार कर रहे है। यहां बिल्डरों ने खेल सुविधाएं विकसित करने के बजाय फ्लैट और व्यवसायिक चीजें बना दीं जबकि प्राधिकरण यह परियोजना खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए लाया था।

■ **5 सालों से कर रहे रजिस्ट्री का इंतजार पीएसी की बैठक के बाद जारी नहीं हुए मिनट**

ऐसे में यहां पर बिल्डरों ने बड़े स्तर पर गड़बड़ी कर प्राधिकरण को 8643 करोड़ रुपए को आर्थिक नुकसान पहुंचाया। यह गड़बड़ी सीएजी पकड़ चुकी है। सीएजी ने विधानसभा में रिपोर्ट रखी थी। अब इस मामले में लोक लेखा समिति सुनवाई कर रही है। अभी स्पोर्ट्स सिटी परियोजना के सेक्टर-एससी-02, सेक्टर-150 में भूखंड को ले कर सुनवाई कर रही है। इस साल 5-6 बार बैठक हो चुकी है। अंतिम बैठक 22 नवम्बर को लखनऊ में हुई थी। उस दौरान लेखा समिति ने प्राधिकरण को निर्देश दिए थे कि परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए अगर बिल्डर संशोधित नक्शे देते हैं उसे स्वीकार करें। नक्शे में अगर वाकई परियोजना को लेकर गंभीरता बरती गई है तो उसे पूरा करने का मौका दिया जाना चाहिए।

खास बात यह है कि इस बैठक को हुए करीब तीन सप्ताह हो चुके हैं। लेकिन अभी तक लोक लेखा समिति की तरफ से लिखित में नोएडा प्राधिकरण को कोई जानकारी नहीं भेजी गई है। अक्टूबर में हुई बैठक में लेखा समिति ने गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को चिह्नित करने के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने के निर्देश शासन को दिए थे। दो महीने बाद भी कोई जांच कमेटी शासन ने गठित नहीं की है। ऐसे में जांच कमेटी गठित होने को लेकर भी असमंजस बना हुआ है। प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि शासन स्तर पर ही कमेटी गठित होनी है।

पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़, दो गिरफ्तार

नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। सेक्टर-39 पुलिस द्वारा शुक्रवार देर रात सेक्टर-105 नोएडा के पास बैरियर लगाकर जांच की जा रही थी। जांच के दौरान एक ऑटो को रोकने का इशारा किया। चालक ने ऑटो को ना रोकते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। साथ ही भागने का प्रयास किया। इस पर जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की। एक बदमाश आमिर पुत्र जीशान निवासी मैदान गढ़ी दिल्ली को पैर में गोली लगी। इससे वो घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को इलाज के लिए चिकित्सालय भेजा गया है। ऑटो में तीन और बदमाश थे। फायरिंग के बाद तीनों वहां से फरार हो गए। पुलिस ने कांबिंग करके एक को गिरफ्तार किया और दो फरार हो गए। गिरफ्तार दूसरे बदमाश की पहचान इनकी पहचान ताहिर के रूप में हुई। वहीं दो और बदमाश कल्लू और दानवीर की तलाश की जा रही है। एडीसीपी शक्ति अवस्थी ने बताया कि चारो बदमाश शातिर किस्म के अपराधी है।

■ **एक को लगी गोली, दो बदमाश फरार, घरों में करते थे चोरी**

इनके द्वारा 22 नवम्बर 2023 को सेक्टर-40 स्थित मकान व 23 नवम्बर 2023 को सेक्टर-105 स्थित मकान में चोरी की थी। इनके कब्जे से 01 अवैध तमंचा मय 2 जिन्दा व 1 खोखा कारतूस व 1 अवैध चाकू बरामद किया गया। घटना में प्रयुक्त ऑटो व घरों से चोरी किया गया कीमती सामान व नगदी बरामद हुई है। बदमाशों के अन्य आपराधिक इतिहास के सम्बन्ध में जानकारी की जा रही है। एडीसीपी ने बताया कि ये लोग ऑटो से सेक्टरों में बंद घरो की रेकी करते थे। इसके बाद सुनियोजित तरीके से चोरी की घटना को अंजाम देते थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया सोनिया गांधी का जन्मदिन

नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व संरक्षक सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया। नोएडा के सेक्टर-57 बिशनपुरा स्थित पार्टी कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में सोनिया गांधी का चित्र रखकर केक काटा और आपस में मिठाई खाकर उनके दीर्घायु की कामना की।

नोएडा के कांग्रेस महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में सेक्टर 58 स्थित कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी के 77वें जन्मदिन पर केक काटकर व लड्डू व फल एवं फ्रूटी आदि खाद्य सामग्री वितरित कर हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने कहा है कि हम सब कांग्रेस कार्यकर्ता सोनिया गांधी जी के लिए भगवान से दीर्घायु की कामना करते है।

इस अवसर पर एआईसीसी सदस्य बबली नागर ने कहा कि सोनिया गांधी हमारी कांग्रेस पार्टी की धुरी है। इस अवसर पर मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर, एआईसीसी सदस्य बबली नागर, पीसीसी सदस्य देवेन्द्र भाटी, उपाध्यक्ष व पीसीसी सदस्य रिज़वान चौधरी, उपाध्यक्ष हरेंद्र शर्मा, महासचिव जितेंद्र चौधरी महासचिव सोनू प्रधान, अरुण टोंगर, रोहित चौहान, विकास कुमार अवनिष तंवर, शिव कुमार तंवर, नवदीप चौधरी, राकेश यादव, जीशान चौधरी, कमरुद्दीन, नीरज, दीपक, मुनेश सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया

बुलंदशहर। शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दीवानी न्यायालय, जनपद बुलन्दशहर व वाह्य स्थित न्यायालय खुर्जा तथा अनूपशहर, ग्रामीण न्यायालय स्याना व डिबाई तथा समस्त तहसीलों पर किया गया। जिसका शुभारंभ पंकज कुमार सिंह, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बुलन्दशहर द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर किया गया। उक्त लोक अदालत में सुलह-समझौते के आधार पर कुल 82016 वादों का निस्तारण किया गया। जिसमें आपराधिक मामले के 7194 वादों में 664940 अर्थदण्ड वसूल किया गया, 50 मोटर दुर्घटना प्रतिकर वादों का निस्तारण करते हुए कुल रूपए 34648000 का मुआवजा दिलाया गया, परिवार न्यायालयों द्वारा कुल 122 वैवाहिक वाद निस्तारित किये गए, 138 एन0आई0 एक्ट के 08 वाद निस्तारित कर कुल रू0 8610160 की धनराशि वसूल की गई, 64 सिविल वाद निस्तारित किये गये, 260 (153 एफ0आर0 .107 विद्युत) विद्युत वाद में 107300 रू0 की धनराशि वसूल की गई, स्थायी लोक अदालत द्वारा धनराशि 122000 के 6 वाद, अन्य प्रकृति के 20 वाद निस्तारित किए गए तथा 06 वाद डीएलएसए वैवाहिक प्री-लिटिगेशन के निस्तारित हुए।

आईएमएस-डीआईए में दीक्षांत समारोह का आयोजन

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस डिजाइन एंड इनोवेशन एकेडमी में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया । शनिवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता वल्ड डिजाइन ऑर्गेनाइजेशन के प्रेसिडेंट प्रद्युमन व्यास ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस-डीआईए के प्रेसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता, सीएमडी शिल्पी गुप्ता, संस्थान की निदेशिका डॉ. अनुराधा मोदक देबनाथ के साथ संस्थान के स्टाफ, फैकल्टी एवं छात्र भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए राजीव कुमार गुप्ता ने छात्रों को उनके सुन्दर, सुखद, सफल एवं समृद्ध जीवन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि छात्रों के जीवन में संस्थान फाउंडिंग स्टोन की तरह है। आप सभी नियमित अध्ययन के दौरान अर्जित थ्योरी एवं प्रायोगिक ज्ञान, समय प्रबंधन एवं निरंतर प्रयास से सफलता की बुलंदी छू सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रद्युमन व्यास ने कहा कि डिजाइन प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए आईएमएस-डीआईए की प्रतिबद्धता सराहनीय है।

घर बैठे कमाई करने का झांसा देकर 6.35 लाख ठगे

नोएडा। पार्ट टाइम नौकरी कर घर बैठे लाखों रुपये कमाने का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने एक व्यक्ति के साथ छह लाख 35 हजार रुपये की ठगी कर ली। टेलीग्राम ग्रुप पर जोड़ने के बाद ठगी की घटना को अंजाम दिया गया। प्रीपेड टास्क के तहत निवेश पर मुनाफा होने की बात कहकर जालसाजों ने खाते में रकम ट्रांसफर कराई। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ मामला जांच शुरू कर दी है।

कविनगर जॉन में महापौर ने किए 3.90 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

गाजियाबाद, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। कविनगर जॉन के वार्ड 91 कविनगर के डी 16 से डी 1 तक, वार्ड 47 शास्त्री नगर सेंट मेरी स्कूल से हापुड़ रोड, वार्ड 47 महेंद्रा एन्क्लेव में ए ब्लॉक में 31 से 34 व 40 तक, वार्ड 62 पूरे जे ब्लॉक की आंतरिक सड़क व डी ब्लॉक गली न 13 कि सड़क, वार्ड 56 अवंतिका प्रथम गेट न 1 कि सड़क एवं वार्ड 24 मार्शल महल से एन एच 9 तक नाला निर्माण व महरौली गांव एन एच 9 से भालू की दुकान ओमदत्त के मकान तक नाली व सड़क निर्माण के कार्यों का महापौर सुनीता दयाल ने नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। कार्यों की लागत लगभग 3 करोड़ 90 लाख है। शिलान्यास के दौरान पार्षद शिवम शर्मा, पार्षद अमित त्यागी, पार्षद अमित डबास, पार्षद मनोज त्यागी, पार्षद पवन कुमार आदि शामिल रहे। उपरोक्त कार्य 15वें वित्त, निगम निधि एवं पार्षद कोटे से कराए गए है जिनका आज शिलान्यास किया गया है शिलान्यास के दौरान महापौर ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए है की नाली, सड़क एवं नाले के निर्माण में सामग्री की समय समय पर जांच होनी चाहिए किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिए सामग्री की गुणवत्ता में कोई कोम्प्रोमाईज़ नहीं किया जाएगा।

■ **निर्माण के की गुणवत्ता का रखे पूर्ण ध्यान : महापौर**

प्रभारी मंत्री ने किया प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों का निरीक्षण

गाजियाबाद, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिला प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने शनिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए भावनाओं का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने निरीक्षण किया गया kअसीम अरुण डासना ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले मल्टी परपज हाल में कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचकर कार्यकताओं और पदाधिकारी के अलावा प्रशासन से जुड़े अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए गए हैं और प्रधानमंत्री आवास योजना सहित सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को पूर्ण करने और जनता तक उन्हें पहुंचाने का कार्य करनेके निर्देश भी दिए। जिलाप्रशासन के अधिकारियों के अलावा जीडीए से सचिव राजेश कुमार सिंह भी मौजूद रहे तथा उन्होंने योजना की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा प्रभारी मंत्री ने प्रताप विहार में पिंक बूथ का निरीक्षण भी किया।

■ **समय सीमा के अंदर गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो कार्य असीमअरुण**

अधिकारियों को निर्देश दिए की भावनाओं का निर्माण समय से किया जाए और गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न किया जाए यदि गुणवत्ता के साथ को समझौता किया गया तो किसी को बख्शा नहीं जाएगा। सिलसिला जारी है। गाजियाबाद के प्रभारी मंत्री असीम अरुण का गाजियाबाद में प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं का

इंटर स्कूल ताइक्वांडो व योगा प्रतियोगिता में सीपीएस इंटरनेशनल ने फहराया परचम

गाजियाबाद, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। सीपीएस इंटरनेशनल में ताइक्वांडो और योगा प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 20 स्कूल, अनेक अकादमी और 400 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों ने इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन किया। जिसको शिक्षकों और छात्र - छात्राओं ने खूब सराहा।

प्रथम ट्रॉफी सी पी एस इंटरनेशनल ने, दूसरी ट्रॉफी सेंट फ्रांसिस और तीसरी ट्रॉफी वनस्थली स्कूल ने हासिल की।

आयोजन में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं समस्त प्रबुद्ध जनों का प्रधानाचार्या मीनाक्षी पाढ़ी द्वारा स्वागत एवं उद्बोधन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजीव शर्मा ने दीप प्रज्वलित किया तथा बीना भाटी ने मशाल जला कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। स्कूल की प्रधानाचार्या ने सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम भविष्य में भी स्कूल का ही नहीं देश का नाम भी रोशन करके हमरा मस्तक गर्व से ऊंचा करते रहोगे। ताइक्वांडो कोच मनोज कुमार एवं योगा कोच पूनम बाला के अथक प्रयास के कारण सफलता प्राप्त करने सक्षम हो विजय प्राप्त कर सके।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान 4404 लाभार्थियों का कराया भूमि पूजन

गाजियाबाद, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में चल रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों के क्रम में राज नगर एक्सटेंशन स्थित रामलीला ग्राउंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का भूमि पूजन कार्यक्रम कराया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पहली किस्त दी जा चुकी है ऐसे 4404 लाभार्थियों द्वारा भूमि पूजन किया, अन्य योजनाओं को लेकर भी कैंप लगाए गए।

■ **पी एम स्वनिधि व प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों में उत्साह : अनिल अग्रवाल**

राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री अरविंद मेनन ने सरकारी योजनाओं से लाभान्वित पात्रों को घर की चाबी दी गई। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 लाभार्थियों को गैस चूल्हा दिया गया, लक्षित लाभार्थियों को जल्द से जल्द लाभान्वित करने के लिए नगर आयुक्त द्वारा संबंधित विभागों को कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए। डूडा विभाग की टीम को भी बेहतर कार्य करने के लिए मोटिवेट किया गया। कार्यक्रम में पूर्व महापौर आशा शर्मा, महानगर अध्यक्ष भाजपा संजीव शर्मा, पप्पू पहलवान व अन्य अधिकारी गण जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कांग्रेस सांसद धीरज साहू की सदस्यता समाप्त करने की मांग को लेकर भाजपाइयों का प्रदर्शन

गाजियाबाद, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू की सदस्यता समाप्त करने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी की महानगर इकाई ने कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन अपर जिलाधिकारी नगर गंभीर सिंह को सौंपा।

भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में तमाम भाजपाई कलक्ट्रेट पर एकत्र हुए तथा प्रदर्शन किया। संजीव शर्मा ने कहा कि झारखण्ड राज्य से निर्वाचित कांग्रेस पार्टी के राज्य सभा सांसद के परिसरों से लगभग 200 करोड़ रुपयों से अधिक की नकदी बरामद हुई है, किसी के पास इतनी बड़ी मात्र में नकदी बरामद होना चिंतनीय और गंभीर विषय है और वो भी तब जब जब वो भारतीय संसद के सदस्य हों। इस अति संवेदनशील विषय पर इस प्रकार के अपराध हेतु समस्त प्राधिकारों प्राप्त अधिकारिक जांच प्राधिकरण से इस प्रकरण से जुड़े सभी लोगों पर चाहे वे किसी राजनीतिक पार्टी से हों, प्रभावशाली हों या अन्य हों, की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच कर दोषियों को चिह्नित कर कानूनसम्वत कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए।

■ **राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन**

विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि ये आर्थिक अपराध की वो श्रेणी है जिससे राष्ट्र के विकास में अपूर्णीय क्षति होती है, और एक चयनित या मनोनीत जनप्रतिनिधि यदि इस प्रकार का आर्थिक अपराध करता है तो वह राष्ट्र की जनता के साथ राष्ट्र के संप्रभुता का भी अपराधी है। ज्ञापन के इस मौके पर कैप्टन विकास गुप्ता, पूर्व महापौर आशा शर्मा अशोक गोयल अनिल स्वामी वीरेश्वर त्यागी अमर दत्त शर्मा, राजेश्वर प्रसाद, महामंत्री पप्पू पहलवान, गोपाल अग्रवाल सुशील गौतम आदि मौजूद रहे।

एमिटी विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में 2228 छात्रों को मिली उपाधियां

नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। एमिटी विश्वविद्यालय में चल रहे दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में द्वितीय दिन इंजीनियरिंग, कानून, हॉस्पीटैलिटी, पर्यटन आदि के लगभग 2228 छात्रों को एमिटी परिसर के विभिन्न सभागारों में एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला, औद्योगिक अतिथियों और विभिन्न संस्थानों के निवेशकों द्वारा उपाधियां प्रदान की गई। इस अवसर पर एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के दीक्षांत समारोह में टेक महिंद्रा के अध्यक्ष जगदीश मित्रा भी उपस्थित थे। इस द्वितीय दिन दीक्षांत समारोह में एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के 805, एमिटी लॉ स्कूल के 632, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इर्न्फोमेशन टेक्नोलॉजी के 287, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस लीगल स्टडीज के 184, एमिटी स्कूल ऑफ हॉस्पीटैलिटी के 61, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवेल एंड टूरिस्म के 26, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ रिहेबिलिटेशन सांइसेस के 90, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियर हैल्थ एंड एलाइड साइंसेस के 19, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी के 26, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एरोस्पेस इंजीनियरिंग के 19, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर सांइस एंड टेक्नोलॉजी के 2, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 1, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के 7, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरमेंटल सांइसेस के 29, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट्री एंड वाइल्डलाइफ के 12, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ जियोइर्नफोमेटिक्स एंड रिमोट सेसिंग के 27 और एमिटी स्कूल ऑफ नैचुरल रिसोर्स एंड संस्टेनेबल डेवलपमेंट के 01 छात्र को डिग्री प्रदान की गई।

ओटीटी प्लेटफार्म ने सिनेमा की एक नई दिशा दी

नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। हमारे देश जितनी भाषाओ में फिल्मे बनती है उतनी विश्व में कही नहीं बनती होगी हिंदी, मराठी, बंगाली, उड़िया, तमिल, तेलगु, मलयालम और न जाने कौन कौन सी भाषाएं है। जिसमें लाखों लोग काम कर रहे है। इसलिए हम फिल्म को मनोरंजन के साथ एक बिजनेस के रूप भी देखते है, एक फिल्म यानि हजारों लोगों की मेहनत, और लाखों लोगों की रोजी रोटी। पिछले कुछ समय से हमको फिल्मो के साथ साथ एक ओटीटी प्लेटफार्म मिल गया है जिसने सिनेमा की एक नई दिशा दी है। ये कहना था मारवाह स्टूडियो के चेयरमन संदीप मारवाह का।

■ **फिल्म फेस्टिवल में संदीप मारवाह ने की बात, आज इजारायल फिल्मों की स्क्रीनिंग**

वह नोएडा फिल्म सिटी मारवाह स्टूडियो में 16वें तीन दिवसीय ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन छात्रों को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह के दूसरे दिन भी कई फिल्मी हस्तियों का जमावड़ा देखने को मिला। इसमें इजराइल के दूतावास से सांस्कृतिक परामर्शदाता रेउमा मंत्जुर, फिल्म एक्टर करण राज़दान, एक्टर दीपक काज़िर केजरीवाल, एक्टर्स जयश्री अरोड़ा , आशिमा कुमार, पी.के राजपूत शामिल हुए। आज इजरायल की फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, दीपक काज़िर केजरीवाल ने कहा कि हम तो दूरदर्शन के सीरियल से लेकर आज तक काम कर रहे है और हमने नए को अपनाया है। इसलिए आज भी काम कर रहे है। फिल्म निर्देशक अशोक त्यागी ने कहा की पूरी मेहनत करे और संस्थान का अपने माता पिता का नाम उज्जवल करे।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

प्राधिकरण की तरफसे इस तरह का औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेगा। जिन सोसाइटियों में एसटीपी चलता नहीं पाया गया, अथवा वह सीवेज को शोधित किए बिना ही ड्रेनेज में डालते पाई गईं तो उनके विरुद्ध और कठोर कार्रवाई की जाएगी।
आशुतोष द्विवेदी, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एसीईओ

ज़ेवर विधायक ने वीभत्स सड़क दुर्घटना में मृतकों के स्वजनों से की मुलाकात

ग्रेटर नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। जेवर में एक अनियंत्रित डंपर ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी और मौके पर ही धर्मेंद्र पुत्र देशराज निवासी जेवर, मोहिनी पत्नी महेश निवासी नगला बंजारा व आरती पत्नी जुगेन्द्र निवासी नगला बंजारा की मौके पर ही मौत हो गई। इस संबंध में शनिवार जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की तथा मुख्यमंत्री कार्यालय में वार्ता कर, मृतकों के स्वजनों को उत्तर प्रदेश सरकार से हर संभव सहायता उपलब्ध कराए जाने को लेकर आश्वस्त किया। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने जेवर में बढ़ते हुए ट्रैफिक को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह को को जरूरी व्यवस्थाएं किए जाने के लिए एक पत्र लिखा। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के साथ तहसील जेवर के संबंधित अधिकारियों के साथ कोतवाली प्रभारी जेवर मनोज कुमार सिंह, डोरीलाल, धर्मपाल सिंह, निखिल, जगदीश, रमेश प्रधान, सुनील, अरविन्द प्रधान, मोनू गर्ग, गिरीश तायल आदि लोग मौजूद रहे।

- **विधायक ने प्रदेश सरकार से हरसंभव सहयोग का दिलाया भरोसा**

कूड़े का निस्तारण न करने पर बिल्डर सोसाइटी पर 1.04 लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। कूड़े का उचित प्रबंध न करने और गंदगी फैलाने पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बिल्डर समिति पर 1.04 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह के नेतृत्व में जनस्वास्थ्य विभाग की टीम के औचक निरीक्षण के दौरान खामी मिलने पर यह कार्रवाई की गई है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर शहर को और अधिक स्वच्छ बनाने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग की तरफ से अभियान शुरू किया गया है। शनिवार को विशेष कार्याधिकारी (स्वास्थ्य) इंदु प्रकाश सिंह के नेतृत्व में जनस्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के कई सेक्टरों पार्कों, ग्रीन बेल्ट, अनाधिकृत डंपिंग साइट व हाईराइज सोसाइटी में स्वास्थ्य संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया। ओएसडी ने टेकजोन-4 के पार्क से डस्टबिन की सफाई कराने, फुटपाथ को ठीक कराने समेत कई निर्देश दिए गए। उन्होंने सेक्टर 16बी स्थित ग्रीन बेल्ट के समतलीकरण का कार्य व पौधों को पानी देने का कार्य समय से करने के लिए निर्देशित किया। ओएसडी व जनस्वास्थ्य विभाग की टीम ने सेक्टर 16 में रेलवे लाइन के निकट अनधिकृत रूप से बने डंपिंग साइट को देखा गया। यहां पर अनाधिकृत वेंडर द्वारा हाईराइज सोसाइटी से कूड़ा निकाल कर डाला जा रहा है। इसके मद्देनजर ओएसडी ने जन स्वास्थ्य विभाग को हाईराइज सोसाइटियों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके बाद ओएसडी व जनस्वास्थ्य विभाग की टीम अजनारा ली गार्डन सोसाइटी पहुंची। सोसाइटी के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट स्थल को देखा। यहां गंदगी मिलने और कंपोस्ट बनाने वाली मशीन भी खराब मिली। यहां पर सॉलिड वेस्ट को सही तरीके से निस्तारित नहीं किया जा रहा है, जिसके चलते विशेष कार्याधिकारी ने 1,04,800 रुपए की पेनाल्टी लगाते हुए चेतावनी पत्र जारी करने का निर्देश दिए। इसके बाद टीम ने पंचशील ग्रीन-2 का भी निरीक्षण किया। यहां कम्पोस्ट मशीन चलती पाई गई, लेकिन आसपास गंदगी मिलने पर चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ओएसडी के अलावा सहायक प्रबंधक गौरव बघेल, सेनेटरी इंस्पेक्टर विजय कुमार गौतम व स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही।

- **ग्रेनो प्राधिकरण के ओएसडी ने सेक्टरों, सोसाइटियों व पार्कों का किया औचक निरीक्षण**
- **गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के लिए निर्देश**

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ भी अभियान शुरू

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग एवं अर्बन सर्विसेज विभाग द्वारा सेक्टर अल्फा 2 की मार्केट में संयुक्त अभियान चलाया गया, जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त की गई। सेक्टर के अंदर फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों रेहड़ी-पटरी वालों को चेतावनी दी गई है। अभियान में स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी इंदु प्रकाश सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक स्वास्थ्य उत्सव निरंजन, प्रबंधक दिव्या चौधरी, अर्बन सर्विसेज से प्रबंधक प्रशांत समाधिया मौजूद रहे। नोडल अधिकारी इंदु प्रकाश सिंह ने निर्देशित किया कि सिंगल यूज प्लास्टिक और सड़कों के किनारे अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

गेनो प्राधिकरण ने छह बिल्डरों पर लगाया 30 लाख रूपए का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। सोसाइटी में लगे एसटीपी को न चलाने पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 6 बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन 6 बिल्डरों पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्राधिकरण ने जुर्माने की रकम एक सप्ताह में जमा कराने के निर्देश दिए हैं। जुर्माने की रकम जमा न कराने और गलती दोहराने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल /सीवर विभाग के महाप्रबंधक जितेंद्र गौतम ने अपनी टीम के साथ विगत दिनों ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित बिल्डर सोसाइटियों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान 6 सोसाइटियों में खामी मिली। ये सोसाइटियां सीवेज को शोधित करने के लिए एसटीपी का संचालन मानकों के अनुरूप नहीं कर रही थीं। साथ ही सीवेज को शोधित किए बिना ही ड्रेनेज सिस्टम में डाल रहीं थीं, जबकि इस शोधित पानी का इस्तेमाल पेड़-पौधों की सिंचाई के लिए उपयोग करने का प्रावधान है। औचक निरीक्षण के दौरान ये खामियां मिलने पर प्राधिकरण की टीम ने 6 बिल्डर सोसाइटियों पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

प्रत्येक सोसाइटियों पर पांच-पांच लाख रुपए का जमाना लगाया गया है। जिन बिल्डर सोसाइटियों पर जुर्माना लगाया गया है, उनमें अजय इंटरप्राइजेस का सेक्टर 2 स्थित प्रोजेक्ट इरोज संपूर्णम, राजेश इंफ्राटेक का सेक्टर-एक स्थित प्रोजेक्ट राजेश रेजिडेंसी, क्रिस्ट प्रमोटर्स का सेक्टर-1 स्थित ऐस सिटी सोसाइटी, पंचशील बिल्डर का सेक्टर एक स्थित प्रोजेक्ट पंचशील हाईनेस समिति, स्टेलर कांसलेशन का सेक्टर- एक स्थित स्टेलर जीवन सोसायटी और सेक्टर एक स्थित देविका गोल्ड होम प्रोजेक्ट शामिल हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने चेतावनी दी है कि प्राधिकरण की तरफ से इस तरह का औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेगा। जिन सोसाइटियों में एसटीपी चलता नहीं पाया गया, अथवा वह सीवेज को शोधित किए बिना ही ड्रेनेज में डालते पाई गईं तो उनके विरुद्ध और कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सोसाइटियों से एसटीपी से शोधित पानी का इस्तेमाल सिंचाई कार्यों में करने की अपील की है।

- **एसटीपी न चलाने व बिना शोधित सीवेज को नाले में बहाने पर लगा जुर्माना**
- **जुर्माने की रकम एक सप्ताह में ग्रेनो प्राधिकरण के खाते में जमा कराने के निर्देश**
- **न जमा कराने पर कानूनी कार्रवाई और दोबारा गलती पर दोगुना जुर्माने की चेतावनी**

सार संक्षेप

वार्षिकोत्सव में नन्हें-मुन्ने बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

ग्रेटर नोएडा। स्पर्श ग्लोबल स्कूल, ग्रेनो वेस्ट में पूर्व प्राथमिक विद्यालय का वार्षिकोत्सव मनाया गया, जिसकी थीम अलादीन थी। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ विद्यालय के उपाध्यक्ष अमित सक्सेना, प्रधानाचार्य मोनिका रंधावा व विद्यालय की प्रबंधन समिति द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अलादीन नाम तो सुना होगा अलादीन यास्मीन और जफर दीपक पाने वाले मारकेस के साथ ही अनेक देशों की यात्रा करता है इस कहानी को बच्चों ने बहुत ही मनमोहक रूप में प्रस्तुत किया जैसे ही अलादीन ने मंच पर अपना स्थान लिया वैसे ही सभागार तालिया से गूंज उठा। एक के बाद एक धमाकेदार बाल प्रस्तुतियों ने अभिभावकों का दिल जीत लिया। वार्षिक उत्सव में पूर्व प्राथमिक विद्यालय के प्रत्येक बच्चे की प्रतिभागिता अनिवार्य थी। इस अवसर पर सभी बच्चों की परफॉर्मेंस को बहुत सराहा गया।

डंपर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

रबूपुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर एक बेकाबू डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अनुसार अलीगढ़ के गांव जामुनका थाना चंडोस निवासी भोला व ऋषभ बाइक द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते ग्रेटर नोएडा से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जीरो पॉइंट से 27 किलोमीटर की दूरी पर रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में पहुंची तभी अचानक तेजगति एक डंपर में पीछे से बाइक में टक्कर मार दी।

झारखंड में कांग्रेस सांसद के घर तीन सौ करोड़ मिलने कार्रवाई की मांग

ग्रेटर नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। भाजपा जिलाध्यक्ष गजेंद्र मावी के नेतृत्व में साथी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ जिला मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने बताया कि झारखंड राज्य से कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद के यहां से बरामद हुए लूट और भ्रष्टाचार के लगभग 300 करोड़ से भी अधिक कैश की निष्पक्ष जांच कराने हेतु भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग राष्ट्रपति व भारत सरकार के नाम ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी, जिला उपाध्यक्ष सेवानन्द शर्मा, सतेंद्र नागर, राहुल पंडित, पवन नागर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, रवि जिन्दल, गुरुदेव भाटी ,सत्यपाल शर्मा, सचिन शर्मा, अमित पंडित, पवन त्यागी, रिंकू भाटी, जितेन्द्र भाटी, सुनील खारी, अनिता गौतम, रजनी तोमर, मनोज प्रधान, राजेश ठेकेदार, दीपक शर्मा, नितिन एडवोकेट, अमित सैन, अनिल एडवोकेट आदि सैकड़ों कार्यकर्ता ज्ञापन देते समय उपस्थित रहे।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी का बढ़ता उपयोग भारत को अग्रणी देशों में करेगा मदद : अवनीश कुमार

ग्रेटर नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। लायड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स (फार्मेसी) में 'ट्रासफोर्मशन थ्रू टेक्नोलोजी एंड ट्रांसडिस्प्लीनरी एजुकेशन' विषय पर तृतीय वार्षिक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय मिशनों के अनुरूप अनुसंधान, नवाचार, हेल्थ और एजुकेशन जैसे क्षेत्रों में ए.आई.के सकारात्मक परिणाम को बढ़ावा देना है। यह सम्मेलन डी.पी.एस.आर.यू., पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स और इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन (दिल्ली ब्रांच) के सहयोग से आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में प्रतिष्ठित शिक्षाविद, नीति निर्माता, और तकनीकी विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ. मनीष दीवान, हेड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप एण्ड एंटरप्रिन्योर डेवलपमेंट, बीआईआर के भारत सरकार, कपिल देव अग्रवाल, मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट, वोकेशनल एजुकेशन एंड स्किल डेवलपमेंट उत्तर प्रदेश, अवनीश अवस्थी, चीफ एडवाइजर उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ. दीपेंद्र सिंह, चेयरमैन एजुकेशन रेगुलेशन समिति, पीसीआई, लायड ग्रुप के प्रेसिडेंट मनोहर थैरानी और लायड ग्रुप की समूह निदेशिका डॉ. वंदना अरोरा सेठी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में पांच सौ से ज्यादा अब्सट्रैक्ट तथा 1500 से अधिक देश-विदेश से छात्र, शिक्षक, शोधकर्ता समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी और प्रतनिधि शामिल हुए। डॉ. मनीष दीवान ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने अन्त: विषय शिक्षा (ट्रांसडिस्प्लीनरी एजुकेशन) को भी बढ़ावा देने का आह्वान किया, जो छात्रों को विभिन्न विषयों से जुड़ने और व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करेगी। कपिल देव अग्रवाल, अवनीश कुमार अवस्थी, मुख्य सलाहकार, प्रो. आर.के. गोयल, कुलपति, डीपीएसआरयू, डॉ. दीपेंद्र सिंह, अध्यक्ष पी. सी. आई ने भी सम्मेलन में अपने विचार रखे। सौवेनीर कम अब्सट्रैक्ट पुस्तक का विमोचन भी किया गया । सम्मेलन के दौरान असीम साहू, डिप्टी ड्रग कंट्रोलर इंडिया और डॉ. विभु साहनी, डीन पी.सी.आई. को एक्सेम्पलरी फार्मेसी प्रोफेशनल अवार्ड तथा डॉ. जी.एन. सिंह को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। पहले सत्र में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने 'प्रौद्योगिकी और बहु-विषयक शिक्षा के माध्यम से परिवर्तन' विषय पर चर्चा की। सम्मेलन के समापन डॉ. वंदना अरोरा सेठी ने कहा कि शिक्षा में बदलाव लाने के लिए इस तरह के मंचों का होना बहुत जरूरी है। इस सम्मेलन को शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। इस सम्मेलन से निकले सुझावों को शिक्षा नीति में शामिल किया जा सकता है।

- **लॉयड कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में विभिन्न विवि के कुलपतियों ने आत्म निर्भर भारत, नवाचार, डिजिटल इंडिया, मेकिंग इंडिया पर की चर्चा**

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

दनकौर, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र के सलारपुर गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शनिवार को ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सैकड़ो छात्र छात्राओं ने प्रतिभा किया। प्रतियोगिता में डाढा स्कूल के छात्र असगर ने दौड़ में तीन स्वर्ण पदक प्राप्त किए। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक संजय कुमार भाटी ने बताया कि शनिवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय सिलारपुर में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान प्राथमिक स्तर की बालक वर्ग की 100 व 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में खेरली भाव के छात्र गौरव ने प्रथम और 400 मीटर में बुलंदखेड़ा के छात्र अमन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं लंबी कूद में अट्टा फतेहपुर के छात्र साजिद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि खो खो में मंडपा की टीम तथा कबड्डी में डूंगरपुर रीलखा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर पर 200 तथा 400 मीटर दौड़ एवं लंबी कूद में डाढा स्कूल के छात्र असगर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता बच्चे को मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी यशपाल सिंह ने मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। संजय भाटी ने बताया विजेता बच्चे जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस दौरान जूनियर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष निरंजन सिंह नागर, संतोष नागर, संजय भाटी, उमेश राठी, गीता भाटी, जुगेंद्र भाटी, सतीश नागर, कुलदीप नागर मौजूद रहे।

बाउंसर के परिजनों ने कोतवाली में पहुंचकर किया हंगामा

दनकौर, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र के अस्तौली गांव निवासी एक बाउंसर की करीब 7 दिन पहले संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई थी। मृतक के परिवार के लोगों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। इस मामले में परिवार के लोगों ने एक महिला समेत तीन लोगों को नामजद करते हुए कोतवाली में मुकदमा भी दर्ज कराया है। परिवार का आरोप है कि पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पा रही है। जिसको लेकर शनिवार को परिवार के लोगों ने कोतवाली पहुंचकर जमकर हंगामा किया। बाद में पुलिस के अधिकारियों के आश्वासन के बाद ही परिजन वहां से हट सके। मृतक बाउंसर सोहित भाटी (22) ग्रेटर नोएडा में स्थित हॉस्टल में बाउंसर का काम करते थे। जिनका 3 दिसम्बर की रात का कनारसी गांव के नजदीक संदिग्ध अवस्था में शव मिला था। परिवार के लोगों का कहना है कि उसकी रंजिश में हत्या की गई है। जिसको लेकर परिवार के लोगों ने एक महिला समय तीन लोगों को नामजद करते हुए कोतवाली में केस दर्ज कराया था। वही दनकौर पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच में मामला हत्या नहीं हादसे का पाया गया है। जिसके चलते पुलिस मामले में जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई करने की बात कह रही है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पुलिस आरोपियों को बचाने का काम कर रही है। परिवार के लोगों ने कोतवाली में हंगामा के बाद पुलिस विभाग के बड़े अधिकारियों के कार्यालय पहुंचकर भी इस संबंध में पुलिस की शिकायत की है।

- **सात दिन पहले संदिग्ध अवस्था में हुई थी मौत, परिजन का आरोप हुई थी हत्या**

मोतियाबिंद के मरीजों का होगा नि:शुल्क आपरेशन, 150 लोगों की हुई जांच

ग्रेटर नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा के तत्वाधान में डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल व इंडिया आई इंस्टीट्यूट, अंसल प्लाजा के सौजन्य से आर्य समाज मंदिर, सूरजपुर में नि:शुल्क नेत्र स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 लोगों ने आंखों की जांच करायी। क्लब अध्यक्ष रो. अतुल जैन ने बताया कि कैम्प में आंखों के मरीजों को क्लब के सौजन्य से दवाइयां भी वितरित की गई। उन्होंने बताया कि कैम्प में 42 लोग मोतियाबिंद से पीड़ित मिले। इन सभी का श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल व इंडिया आई इंस्टीट्यूट, अंसल प्लाजा के सौजन्य से आने वाले सप्ताह में नि:शुल्क ऑपरेशन कराये जाएंगे। कैम्प में प्रधान मूलचंद शर्मा व सुनील राजेन्द्रन का विशेष सहयोग रहा। कैम्प में रो. सौरभ बंसल, रो. महेश शर्मा, रो. के.के. शर्मा, रो. ऋषि अग्रवाल, रो. प्रीति अग्रवाल, रो.आशुतोष अग्रवाल, शिवकुमार आर्य, राहुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ब्लाक-पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, पिन कोड-201308
जिला गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) दूरभाष नं0 0120-2395153

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एल0एफ0डी0 परियोजना के अन्तर्गत आवंटित भूखण्ड सं0- KPA-04-0505 in Kensington Park Apartments, Tower-04 at Jaypee Greens Wish Town, Sector-133, Noida, Super Area-102.86 Sqm. जो कि स्व0 श्री चन्द्र प्रकाश भान के नाम पर संयुक्त रूप से सबलीज्ड है। सबलेसी की मृत्यु उपरान्त उक्त सम्पत्ति के उनके 1/2 भाग को उनकी पत्नी श्रीमती निम्मी भान के पक्ष में नामांतरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में आवेदन किया गया है।
अतः इस नामांतरण (Death Mutation) के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति है तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिनों के भीतर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में स्व0 श्री चन्द्र प्रकाश भान की मृत्यु उपरान्त उक्त सम्पत्ति में उनके 1/2 भाग को उनकी पत्नी श्रीमती निम्मी भान के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (सम्पत्ति)

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः-0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रधानमंत्री के उद्बोधन को लोगों ने सुना

ग्रेटर नोएडा, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। विकसित भारत संकल्प यात्रा ग्राम बमबावड एमएमआर पब्लिक स्कूल पहुंची, जिसमें मुख्य अतिथि दादरी विधायक तेजपाल नागर व जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी रहे। बमबावड गांव में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प यात्रा के विषय में वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग वैन के जरिये प्रधानमंत्री मोदी के उद्बोधन को भी लोगों ने सुना। विधायक तेजपाल नागर व जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने लोगों को शपथ दिलाते हुए हमारा संकल्प, विकसित भारत, भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे, गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे, देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे भारत की एकता को सुदृढ़ करेंगे और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करेंगे और नागरिक होने का कर्तव्य निभाएंगे। बमबावड में दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि आज देश विकास के मार्ग पर चल पड़ा है और हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाएंगे उसके लिए हम सब स्वदेशी स्वावलंबी आत्मनिर्भर बने। जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश की जनता के लिए केन्द्र सरकार के द्वारा सैकड़ों उज्जवला गैस सुकन्या, जनधन खाता, आयुष्मान भारत किसान फसल बीमा योजना आदि सभी वर्गों के लिए प्रदेश की योगी सरकार में प्रदेश के सभी पात्र लोगों तक पहुंच रही है। हम सबका साथ सबका विकास और सबके विश्वास पर चल कर देश को विश्वगुरु विकसित भारत बनाएंगे। इस अवसर पर जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी, सेवानन्द शर्मा, विकसित भारत संकल्प यात्रा संयोजक रवि जिन्दल, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, गुरुदेव भाटी, बीरेन्द्र भाटी, विचित्र तोमर, अमित बैसोया, सतवीर नागर, संदीप शर्मा, महेंद्र नागर आदि मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-1, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा
जिला-गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि Flat No. B-1206, 12th Floor, Tower-B, Pristine Avenue, Plot No. - GC-03F/GH-03, Sector 16C, Area-115.66 Sqm. Greater Noida जो कि Sh. Narender Pal निवासी 88, Kilokari Village, Maharani Bagh, Ashram, South Delhi- Delhi-110014 के नाम पर उप निबंधन कार्यालय सदर गौतमबुद्धनगर में दिनांक-14.10.2020 को पंजीकृत है। Sh. Narender Pal की मृत्यु के उपरांत उनके पुत्र Mr. Vipin Kumar S/o Late Sh Narender Pal ने उक्त भूखण्ड/भवन का नामांतरण अपने पक्ष में करने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये है। अतः इस म्यूटेशन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 35दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में Mr. Vipin Kumar S/o Late Sh. Narender Pal का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (बिल्डर्स)
ग्रेटर नौएडा औ0 वि0 प्राधिकरण

वह गीतकार जिसने गुलाम भारत में अंग्रेज़ों को ललकारा

'दूर हटो ऐ दुनिया वालों...'

संदर्भ : 11 दिसम्बर, गीतकार प्रदीप का स्मृति दिवस

■ ज़ाहिद ख़ान

हिंदी सिनेमा में गीतकार प्रदीप वह हस्ती हैं, जो अपने देश प्रेम और देशभक्ति गीतों की वजह से सारे देश में जाने-पहचाने जाते हैं। साल 1943 में फ़िल्म 'किस्मत' में लिखे उनके क्रांतिकारी गीत %दूर हटो ऐ दुनिया वालों...' की लोकप्रियता से घबराकर, बर्तानिया हुकूमत ने गीतकार प्रदीप के ख़िलाफ़ गिरफ़्तारी वारंट जारी कर दिया था। जिसके चलते प्रदीप कई दिनों तक अंडरग्राउंड रहे, लेकिन न तो फ़िल्म से यह गाना हटाया गया और न ही उन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत से माफ़ी मांगी। उस ज़माने में यह गीत इस क़दर लोकप्रिय हुआ कि सिनेमाघरों में दर्शक इसे बार-बार सुनने की फ़रमाइश करते थे। आलम यह था कि दर्शकों की फ़रमाइश पर फ़िल्म के आख़िर में इस गीत को दोबारा सुनाया जाने लगा। गीतकार प्रदीप के देशभक्ति गीत की बात हो, और 'चल चल रे नौजवान...'का ज़िक्र न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। फ़िल्म 'बंधन' (1940) में लिखे उनके इस गीत को, तो राष्ट्रीय गीत का मर्तबा मिला। वह दौर, देश की गुलामी का दौर था। सिंध और पंजाब असेंबली ने इस गीत को राष्ट्रीय गीत की मान्यता दे दी और ये गीत वहां की असेंबली में गाया जाने लगा। अदाकार बलराज साहनी, उस वक़्त लंदन में बीबीसी हिंदी रेडियो में एनाउंसर थे, वे भी इस गीत को वहां प्रसारित करने से अपने आप को नहीं रोक पाये। स्वतंत्रता दिवस हो या गणतंत्र दिवस 'ऐ मेरे वतन के लोगों...' गीत के बिना अधूरा होता है।

> साल 1954 में आई फ़िल्म 'जागृति' में भी गीतकार प्रदीप ने कई यादगार गीत लिखे। 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की...', 'हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के...,' और 'दे दी हमें आज़ादी बिना खड़ग बिना ढाल...' आदि गीतों ने बच्चों में जितनी धूम उस ज़माने में मचाई थी, उतनी ही मक़बूलियत आज भी क़ायम है। एक के बाद एक आये इन देशभक्ति भरे गीतों ने कवि प्रदीप को राष्टकवि का मर्तबा दिला दिया। प्रदीप को सिर्फ़ देशभक्ति भरे गीत लिखने में ही अकेले महारत नहीं थी, बल्कि उन्होंने अनेक धार्मिक और दार्शनिक गीत भी सफलता से लिखे।

साल 1954 में आई फ़िल्म 'जागृति' में भी गीतकार प्रदीप ने कई यादगार गीत लिखे। 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की...', 'हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के...,' और 'दे दी हमें आज़ादी बिना खड़ग बिना ढाल...' आदि गीतों ने बच्चों में जितनी धूम उस ज़माने में मचाई थी, उतनी ही मक़बूलियत आज भी क़ायम है। एक के बाद एक आये इन देशभक्ति भरे गीतों ने कवि प्रदीप को राष्ट्रकवि का मर्तबा दिला दिया। प्रदीप को सिर्फ़ देशभक्ति भरे गीत लिखने में ही अकेले महारत नहीं थी, बल्कि उन्होंने अनेक धार्मिक और दार्शनिक गीत भी सफलता से लिखे। उनकी मधुर आवाज़ ने इन गीतों को और नई ऊंचाईयां दीं। 'देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान' (फ़िल्म-नास्तिक), 'तेरे द्वार खड़ा भगवान' (फ़िल्म-वामन अवतार), 'काहे को बिसारा हरी नाम...', 'माटी के पुतले...' (फ़िल्म-चक्रधारी), 'पिंजरे के पंक्षी रे...' (फ़िल्म-नागमणि), 'कोई लाख करे चतुराई...' (फ़िल्म-चंडीपूजा), 'दूसरों का दुखड़ा दूर करने वाले' (फ़िल्म-दशहरा), 'मुखड़ा देख ले प्राणी' (फ़िल्म-दो बहन), 'सुख दुःख दोनों रहते' (फ़िल्म-कभी धूप कभी छांव)। प्रेरणास्पद गीत लिखने में भी प्रदीप का कोई सानी नहीं था। फ़िल्म 'पैग़ाम' का 'इंसान का इंसान से हो भाईचारा...' और फ़िल्म 'संबंध' का 'चल अकेला चल अकेला तेरा मेला पीछे छूटा....' ऐसे ही कुछ नग़में हैं, जिनके ज़रिए उन्होंने समाज को एक पैग़ाम देने की कोशिश की। यह गाने आज भी अंधेरे में हमें एक नई राह दिखलाते हैं।

कवि प्रदीप ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल की। अपने कॉलेज के दिनों में वह आनंद भवन के नज़दीक रहते थे। पं. जवाहरलाल नेहरू का घर होने की वजह से यह स्थान उस वक़्त सियासत का मरक़ज़ था। जहां आये दिन सियासी बैठकें होती रहतीं। नौजवान रामचन्द्र नारायण द्विवेदी भी इनमें शामिल होते। उन्हें बचपन से ही लिखने का भी बड़ा शौक़ था। साहित्यिक दिलचस्पी बढ़ी, तो गीत-कविताएं लिखने लगे। इलाहाबाद के साहित्यिक वातावरण ने उनके इस शौक़ को और बढ़ाया। वह कवि सम्मेलनों में शिरकत करने लगे और उन्होंने अपना उपनाम %प्रदीप% रख लिया। अपने उत्कृष्ट लेखन और सुरीली आवाज़ से वह थोड़े से ही अरसे में साहित्यिक जगत में लोकप्रिय हो गए। यहां तक कि महाकवि निराला भी उनके गीत-कविताओं की तारीफ़ करने से अपने आप को नहीं रोक पाए। कवि प्रदीप फ़िल्मों में कैसे आये ?, इसका मुख़्तर सा क़िस्सा कुछ इस तरह से है, एक बार वह कवि सम्मेलन के लिए मुंबई गए, तो उनकी मुलाक़ात 'बॉम्बे टॉकीज' से जुड़े निर्देशक एनआर आचार्य से हुई। उन्होंने प्रदीप को 'बॉम्बे टॉकीज' के मालिक हिमांशु रॉय से मिलवाया। उन्होंने प्रदीप को अपनी फ़िल्म 'कंगन' के लिए साइन कर लिया। हर महीने उनकी तनख़्वाह 200 रुपए मुक़र्रर की गई। ज़ाहिर है वह इस नौकरी के वास्ते मुम्बई में ही शिफ़्ट हो गए। बतौर गीतकार प्रदीप ने इस फ़िल्म में चार गाने लिखे और इनमें से तीन को अपनी आवाज़ भी दी। साल 1939 में आई इस फ़िल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सिल्वर जुबली मनाई। फ़िल्म में उनके लिखे गीत 'हवा तुम धीरे बहो...', 'हम आज़ाद परिंदों को..' ख़ूब लोकप्रिय हुए।

'कंगन' फ़िल्म की कामयाबी के बाद गीतकार प्रदीप 'बॉम्बे टॉकीज' का अभिन्न हिस्सा हो गए। बाद में 'बॉम्बे टॉकीज' की ही फ़िल्म 'बंधन', 'पुनर्मिलन', 'झूला', 'नया संसार' और 'किस्मत' में भी उन्होंने गाने लिखे। अपने गानों की वज़ह से इन फ़िल्मों ने एक नया इतिहास रचा। यह वह दौर था, जब देश में चारों और 'भारत छोड़ो आंदोलन' की गूंज थी। प्रदीप के लिखे गीत 'दूर हटो ऐ दुनियावालों हिंदुस्तान हमारा है' ने उन्हें बड़ा गीतकार बना दिया। %भारत छोड़ो आंदोलन% में ये गीत सत्याग्रहियों के लिए एक नारा बन गया था। फ़िल्म 'किस्मत' के बाक़ी गीत भी सुपर हिट साबित हुए। ख़ास तौर से 'धीरे-धीरे आ रे बादल...', 'पपीहा रे मेरे पिया से', 'अब तेरे सिवा कौन मेरा..' गानों ने देश के घर-घर में धूम मचा दी। अपने गीत-संगीत की वज़ह से ही 'किस्मत' देश की पहली गोल्डन जुबली फ़िल्म बनी। फ़िल्म 'पैग़ाम' में प्रदीप ने अलग ही रंग के गीत लिखे। ख़ास तौर पर 'ओ अमीरों के परमेश्वर'। इस गाने के ज़रिये उन्होंने अमीरों की दुनिया में ग़रीबों की परेशानियों को बड़े ही संवेदनशीलता से दिखलाया है, ''ऐसा लगता ग़रीबों के जग में/आज रखवाला कोई नहीं/ऐसा लगता के दुखियों के आंसू/पोछने वाला कोई नहीं/ओ अमीरों के परमेश्वर।''

साल 1954 में आई फ़िल्म 'नास्तिक' के गीतों से प्रदीप को धार्मिक गीतकार के तौर पर नई पहचान मिली। इस फ़िल्म में उन्होंने न सिर्फ़ गीत लिखे, बल्कि उन्हें गाया भी। ज़ाहिर है कि यह फिल्म भी कामयाब रही। साल 1975 में आई छोटे बजट की फ़िल्म 'जय मां संतोषी' भी गीतकार प्रदीप के गीतों की वजह से पूरे देश में ख़ूब चली। 'मैं तो आरती उतारूं मां', 'यहां वहां जहां तहां', 'करती हूं मैं तुम्हार व्रत मैं' और 'मदद करो संतोषी मां' फ़िल्म के सारे गानों ने लोकप्रियता की नई मिसाल पेश की। साल 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान कवि प्रदीप ने सैनिकों की शहादत और उनके सम्मान में 'ऐ मेरे वतन के लोगों....' लिखा। इस गाने को पूरे देश में क्या मक़बूलियत मिली, अब यह एक इतिहास है। कवि प्रदीप के ही सुझाव पर इस गाने से हुई कमाई को युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं के कल्याण के लिए दिया जाता है।

गीतकार प्रदीप ने इकहत्तर फ़िल्मों में तक़रीबन सत्रह सौ गाने लिखे। साल 1958 में एचएमवी ने उनकी तेरह कविताओं से सजा एक एलबम 'राष्ट्रकवि' निकाला। प्रदीप वैसे तो कई पुरस्कार-सम्मानों से नवाज़े गए। साल 1961 में उन्हें 'संगीत नाटक अकेदमी अवार्ड' तो साल 1997 में उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान 'दादा साहेब फ़ाल्के सम्मान' से नवाज़ा गया। मध्य प्रदेश जहां प्रदीप ने जन्म लिया, यहां की सरकार ने उनकी स्मृति में 'राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान' स्थापित किया है। जो हर साल किसी गीतकार को दिया जाता है। 'राष्ट्रीय एकता पुरस्कार' और 'संत ज्ञानेश्वर सम्मान' से भी वह सम्मानित किए गए, लेकिन देश की सरकारों ने उन्हें अपने सबसे बड़े नागरिक सम्मानों 'पद्म श्री', 'पद्म भूषण' आदि के क़ाबिल नहीं समझा। जबकि उनसे कई दर्जे जूनियर और कम प्रतिभावान लोगों को इन सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। आज भले ही गीतकार प्रदीप हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपने देशभक्ति गीतों की वज़ह से हमेशा अमर रहेंगे। देशवासी उन्हें कभी भुला नहीं पायेंगे।

कविता

वर्णमाला

■ मंगलेश डबराल

एक भाषा में अ लिखना चाहता हूँ
अ से अनार अ से अमरूद
लेकिन लिखने लगता हूँ अ से अनर्थ अ से अत्याचार
कोशिश करता हूँ कि क से क़लम या करुणा लिखूँ
लेकिन मैं लिखने लगता हूँ क से क्रूरता क से कुटिलता
अभी तक ख से खरगोश लिखता आया हूँ
लेकिन ख से अब किसी ख़तरे की आहट आने लगी है
मैं सोचता था फ से फूल ही लिखा जाता होगा
बहुत सारे फूल
घरों के बाहर घरों के भीतर मनुष्यों के भीतर
लेकिन मैंने देखा तमाम फूल जा रहे थे
ज़ालिमों के गले में माला बन कर डाले जाने के लिए
कोई मेरा हाथ जकड़ता है और कहता है
भ से लिखो भय जो अब हर जगह मौजूद है
द दमन का और प पतन का सँकेत है
आततायी छीन लेते हैं हमारी पूरी वर्णमाला
वे भाषा की हिंसा को बना देते हैं
समाज की हिंसा
ह को हत्या के लिए सुरक्षित कर दिया गया है
हम कितना ही हल और हिरन लिखते रहें
वे ह से हत्या लिखते रहते हैं हर समय ।

बोधकथा

मिट्टी ने मटके से पूछा- 'मैं भी मिट्टी तू भी मिट्टी, परंतु पानी मुझे बहा ले जाता है और तुम पानी को अपने में समा लेते हो. वह तुम्हें गला भी नहीं पाता, ऐसा क्यों?' मटका हंसकर बोला- 'यह सच है कि तू भी मिट्टी है और मैं भी मिट्टी हूं. पर मेरा संघर्ष अलग है. पहले मैं पानी में भीगा, पैरों से गूंथा गया फिर चाक पर चला कुम्हार के. थापी की चोट, आग की तपन को झेला. संघर्ष झेलकर पानी को अपने में रखने की ताकत मैंने पायी.
मंदिर की सीढ़ियों पर जड़े पत्थर ने मूर्ति के पत्थर से पूछा- 'भाई तू भी पत्थर मैं भी पत्थर पर लोग तुम्हारी पूजा करते हैं और मुझे पैरों से रौंदकर, बिना ध्यान दिये चलते हैं. ऐसा क्यों?
मूर्ति के पत्थर ने उत्तर दिया- क्या तू मेरे संघर्ष को जानता है? मैंने इस शरीर पर कितनी छैनियों के प्रहार सहे हैं, मुझे कई बार घिसा गया है, मार और संघर्ष की पीड़ा को सहकर ही मैं इस रूप में आया हूं. संघर्षों की भट्टी में तपकर ही 'जीवन' स्वर्ण बनता है.

प्रस्तुति : श्रीकांत कुलश्रेष्ठ

व्यंग्य ■ जश्रीलाल शुक्ल

दो आदमी पुराने

कुछ दिन हुए, रामानंदजी और राकेशजी अपने-अपने पेशे से रिटायर हो कर सिविल लाइन्स में बस गए थे। अपने यहाँ का चलन है कि रिटायर होने के बाद और इस लोक से ट्रांसफर होने के पहले बहुत से लोग सिविल लांइस में बँगले बनवा लेते हैं। इन्होंने भी वहाँ अपने-अपने बँगले बनवा लिए।

रामानंदजी किसी समय में चोरी किया करते थे। वे पुराने स्कूल के चोर थे। इस कारण उनका विश्वास तांत्रिक क्रियाओं में भी था। बाद में चोरी सिखलाने के लिए उन्होंने एक नाइट स्कूल भी खोला। कुछ समय बीतने पर चोरी के माल के क्रय-विक्रय की उन्होंने एक दुकान कर ली। इस सबसे अब वे रिटायर हो चुके थे और अपने को रिटायर कहा करते थे।

> राकेशजी रिटायर तो हो चुके थे, पर चूँकि वे कवि थे इस कारण वे अपने को रिटायर मानने को तैयार न थे। कभी उन्होंने एम.ए. पास किया था; और फिर वे एक कॉलेज में प्रोफेसर हो गए थे। उस पेशे में तो वे ज्यादा नहीं चल पाए पर कवि की हैसियत से उन्हें ऊँचा स्थान मिल गया था। अर्थात अब तक उनके पास उनकी अपनी कविताएँ थी, अपने प्रकाशक थे, अपने ही आलोचक थे, अपने ही प्रशंसक और पुरस्कारदाता थे। इधर कुछ आलोचक उन्हें कविता के क्षेत्र में भी रिटायर कहने लगे थे।

राकेशजी रिटायर तो हो चुके थे, पर चूँकि वे कवि थे इस कारण वे अपने को रिटायर मानने को तैयार न थे। कभी उन्होंने एम.ए. पास किया था; और फिर वे एक कॉलेज में प्रोफेसर हो गए थे। उस पेशे में तो वे ज्यादा नहीं चल पाए पर कवि की हैसियत से उन्हें ऊँचा स्थान मिल गया था। अर्थात अब तक उनके पास उनकी अपनी कविताएँ थी, अपने प्रकाशक थे, अपने ही आलोचक थे, अपने ही प्रशंसक और पुरस्कारदाता थे। इधर कुछ आलोचक उन्हें कविता के क्षेत्र में भी रिटायर कहने लगे थे।

दोनों पड़ोसी थे। दोनों को एक-दूसरे के पुराने व्यवसाय का ज्ञान था। उनमें मित्रता हो गई। दोनों प्रायः हर बात में एकमत रहते थे। दोनों यही समझते थे कि इस युग में योग्यता और कला का ह्रास हो रहा है और आज की पीढ़ी बिल्कुल जाहिल, निरर्थक और अयोग्य है।

इसीलिए एक दिन लॉन में टहलते-टहलते राकेशजी ने कहा, 'आज की पढ़ाई में रक्खा ही क्या है? मैं आठवें दर्जे में हिंदी कविता का अर्थ अंग्रेजी में लिखता था। अब बी.ए. में अंग्रेजी कविता का अर्थ हिंदी में लिखाया जाता है।'

रामानंदजी बोले, 'आप ठीक कहते हैं। हमारे जमाने में कुछ लोग फर्श पर डंडा ठोंक कर जमीन में गड़े हुए धन का हाल जान लेते थे। आज के दिन सामने कपड़े से ढँकी तिजोरी रक्खी रहती है और लोग उसे मेज समझ कर बिना छुए ही निकल जाते हैं।'

राकेशजी ने कहा, 'और जम कर साधना करने का तो समय ही चला गया है। आजकल...।'

बात काट कर रामानंदजी बोले, 'साधना अब कौन कर सकता है? हम लोगों ने अमावस की रात में मसान जगाया था। मुर्दे की खोपड़ी में चावल पका कर उसे जिस घर में डाल देते वहाँ का माल...।'

राकेशजी ने जल्दी में कहा, 'नहीं नहीं, वैसी साधना से मेरा मतलब नहीं है। मैं साहित्य-साधना की बात कर रहा हूँ। आजकल लोग व्याकरण, पिंगल, काव्यशास्त्र का नाम तक नहीं जानते और नई-नई बातों के आविष्कारक बन जाते हैं। कोई दो-दो पंक्तियों को लिए मुक्तक लिख रहा है, अतुकांत चला रहा है, कोई क्रियाओं के नए-नए प्रयोग भिड़ा रहा है : और पूछ बैठिए कि अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया में क्या भेद है तो अंग्रेजी बोलने लगेंगे।'

एक गहरी साँस खींच कर रामानंदजी बोले, 'आप सच कहते हैं, अपने यहाँ भी यही दशा है। दीवाल की कौन कहे, कागज पर कायदे की सेंध नहीं लगा सकते और बात करेंगे सिटकनी खोलने की, रोशनदान तोड़ने की, जेब काटने की। नई-नई तरकीबों की डींग हाँकेंगे। और पुरानी...।'

राकेशजी अपनी धुन में कहते गए, 'और विनम्रता तो रही ही नहीं। कुछ सिखाओ तो सीखेंगे नहीं। कुछ बताओ तो बिना समझे-बूझे अकड़ने लगेंगे। आज के साहित्यिक, साहित्यिक नहीं - लठैत हैं, लठैत।'

रामानंदजी समर्थन करते हुए बोले, 'साहित्यिकों के क्या पूछने राकेशजी। यहाँ तो अबके चोर नहीं रहे। वे तो डकैत हैं, डकैत। अपना पुराना तरीका तो यह था कि घर में घुसे और बच्चे ने खाँस दिया तो विनम्रतापूर्वक बाहर निकल आए। पर आजकल के ये लोग किसी को जागता हुआ पा जाएँ तो...' सहम कर उन्होंने वाक्य पूरा किया, '%बाप रे बाप..'

अब राकेशजी उत्साहित हो गए और बोले, 'ये सब जाहिल हैं, निरर्थक हैं। पहले तो लिखते-लिखते हाथ ऐसा मँज जाता था कि पाठक बिना पढ़े ही दूर से समझ जाते थे कि अमुक कवि की कविता है। उस पर उनका व्यक्तित्व झलकता था...।'

रामानंदजी ने धीरे से कहा, 'यही तो। सेंध की शकल देख कर लोग कह देते थे कि यह फँला ने लगाई है। अब तो सिटकनी खुली पड़ी है...।'

उपमा राकेशजी को पसंद आ गई। 'बोले, 'आजकल यही तो है ही। साहित्य के दरवाजे की सिटकनी अंदर से खोल-खोल कर न जाने कितने लोग घुस आए हैं।'

बिन समझे हुए, रामानंद जी ने कहा, 'जी हाँ, पहले तो सेंध का ही चलन था।'

राकेशजी ने जल्दी से कहा, 'जी, आप मेरा मतलब नहीं समझे। मैं कहा रहा था कि...।'

अकस्मात उन्होंने चौंक कर कुरते की जेब पकड़ ली। रामानंदजी का हाथ उनकी मुट्ठी में आ गया। नाराजगी से राकेशजी बोले, 'यह क्या? आप मेरी जेब काट रहे थे।'

रामानंदजी ने विनम्रता से हाथ छुड़ा कर कहा, 'यही समझ लीजिए। बात यह है कि...बात यह है कि ये नौसिखिए कुछ काम तो बड़ी सफाई से कर दिखाते हैं। मैं आपस में वही देख रखा था कि यह जेब वाला काम मुझसे भी चल पाता या नहीं।'

रामनंदजी नर्म पड़े। बोले, 'देख लिया आपने।'

बिना उत्साह के, रामानंदजी साँस खींच कर बोले, 'देख लिया राकेशजी यह सब के बूते की बात नहीं। जो हमने कर लिया वह आज वाले नहीं कर पाते हैं। पर इनके भी कुछ ऐसे खेल हैं जो हम नहीं खेल पाते। अपना-अपना जमाना है।'

सहसा राकेशजी बिगड़ कर बोले, 'यह सब आप ही के यहाँ चलता होगा। अपने यहाँ तो अब भी जो कहिए, करके दिखा दूँ। रामानंदजी, यह तो करने की विद्या है। चाहे कवित्व हो, चाहे कविता हो, या हो नई कविता। लिखूँगा तो अब भी आजकल वालों से अच्छा ही लिखूँगा।'

रामानंदजी राकेशजी की ओर देखते रहे। उनमें कभी मतभेद नहीं हुआ था। पहली बार उन्हें लगा कि कुछ ऐसी भी बातें हैं जहाँ उनकी राय हमेशा एक नहीं होगी।

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोनः 011-23718195,23357784, फैक्सः 011-43581404, नोएडा कार्यालयः फोनः 0120-4114404 फैक्सः 0120-4273770 ई-मेलः deshbandhudelhi@gmail.com वेबः www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

इजरायली ड्रोन हमले में हिजबुल्लाह नेता का बेटा मारा गया

तेल अवीव। हिजबुल्लाह ने शनिवार को कहा कि दक्षिणी सीरिया में संगठन के संचालन के प्रभारी अली मूसा डकडौक का बेटा हसन अली डकडौक कथित तौर पर इजरायली ड्रोन हमले में मारा गया। अली मूसा डकडौक अमेरिकी सेना पर हमला करने के लिए इराक में ईरानी समर्थक लड़ाकों को प्रशिक्षण देने के लिए जिम्मेदार था। उसे 2007 में इराक में अमेरिकी सेना ने हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में रिहा कर दिया गया था। मारे गए चार लोग हिजबुल्लाह के थे। जबकि, एक सीरियाई था।

चार सप्ताह में समाप्त हो सकता है इजरायल का अभियान

सबसे बड़े शहर खान यूनिस को घेर रहा इजराइल

यरूसलम, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। इजरायली सेना का दक्षिणी गाजा पट्टी के सबसे बड़े शहर खान यूनिस में सैन्य अभियान तीन से चार सप्ताह में समाप्त हो सकता है। यह जानकारी शनिवार को एक वरिष्ठ इजरायली रक्षा अधिकारी के हवाले से दी। रक्षा अधिकारी के मुताबिक खान यूनिस में अभियान अभी शुरू हुआ है और इजरायली सेना का मानना है कि फिलिस्तीनी आंदोलन हमास का नेतृत्व वहां स्थित है। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष का उच्च-तीव्रता वाला चरण तीन से चार सप्ताह तक चलेगा। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने इजरायल गाजा में अभियान

समाप्त करने की कोई स्पष्ट समय सीमा नहीं दी है, लेकिन कहा है कि समय सीमित है और लड़ाई को जल्द से जल्द और कम नागरिकों के नुकसान के साथ समाप्त करना आवश्यक है। इससे पहले मंगलवार को इजरायलयी जनरल स्टाफ के प्रमुख हर्जी हलेवी ने कहा कि इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) का जमीनी अभियान गाजा पट्टी में तीसरे चरण में चला गया है और खान यूनिस को घेर रहा है। गत 07 अक्टूबर को फिलिस्तीनी आंदोलन हमास द्वारा गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया गया और सीमा का उल्लंघन किया गया।

यूएई के गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर अमेरिका ने लगाया वीटो

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में संयुक्त अरब अमीरात की ओर से गाजा में तत्काल युद्धविराम को लेकर जारी प्रस्ताव पर अमेरिका ने वीटो लगा दिया है। इस दौरान, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में से 13 ने इसके पक्ष में मतदान किया, जबकि ब्रिटेन अनुपस्थित रहा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के दो प्रांतों में जारी संघर्ष को रोकने के अथाह प्रयास को अमेरिका ने रोक दिया। पंद्रह सदस्यीय परिषद में एकमात्र अरब राज्य संयुक्त अरब अमीरात द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर शुक्रवार को मतदान हुआ। इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट ए वुड ने स्पष्ट कर दिया था कि उनका देश तत्काल युद्धविराम का समर्थन नहीं करता है।

बंधकों को छुड़ाने के दौरान दो इजरायली सैनिक घायल

गाजा। फिलिस्तीनी समूह हमास द्वारा बंधक बनाए गए बंधकों को छुड़ाने के अभियान के दौरान दो इजरायली सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने यह जानकारी दी। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा, गाजा पट्टी में हमास द्वारा बंधक बनाए गए बंधकों को छुड़ाने के लिए रात भर चलाये गये एक ऑपरेशन के दौरान आईडीएफ के दो सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। ऑपरेशन के दौरान बंधकों के अपहरण और बंधक बनाने में भाग लेने वाले कई आतंकवादी मारे गए। इसमें कहा गया कि इस अभियान में किसी बंधक को बचाया नहीं जा सका है।

सबसे पुरानी व सबसे बड़ी मस्जिद को किया नष्ट

गाजा। इजरायली लड़ाकू विमानों ने शुक्रवार को गाजा शहर की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी मस्जिद को नष्ट कर दिया। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने 'शिन्हुआ' को बताया, गाजा पट्टी की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी मस्जिद अल-ओमारी ग्रैंड मस्जिद इजरायली हमलों में बड़े पैमाने पर नष्ट हो गई। ओमारी मस्जिद की स्थापना 1,400 साल से भी पहले हुई थी, जिसका क्षेत्रफल लगभग 4,100 वर्ग मीटर है। तीन सप्ताह पहले इज़रायली तोपखाने के हमले में इसकी मीनार नष्ट हो गई। गाजा पर शासन करने वाले आतंकवादी समूह हमास ने गाजा शहर में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्मारक और एक धार्मिक स्थल को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमलों की निंदा की।

सुडोकू 6401

	2	5			8			6
		8			2			
	6		3		7			5
	9							7
		3		4		6		
1							9	
5			8		3		6	
			1			7		
4			9			5	1	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6401

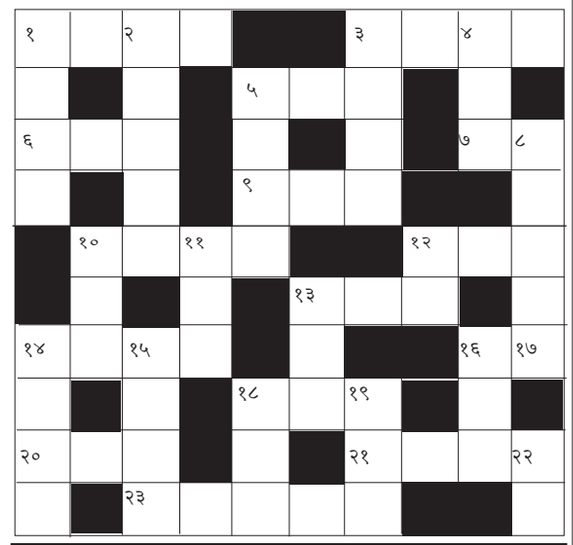

बायें से दायें:-

१. अपने ऊपर बीती घटनाओं का वृत्तांत
३. रणनायक
५. बल्कि, लेकिन. फिर भी
६. कारण, हेतु, उद्देश्य (उर्दू)
७. शर्म, लज्जा
९. सड़ी-गली वस्तुएं आदि की दुर्गंध
१०. मदिरालय
१२. ललक, गहरी इच्छा
१३. उपचार, चिकित्सा (उर्दू)
१४. सुकुमारता (उर्दू)
१५. संग रहने वाला
१८. ज्ञात-मालूम
२०. प्रतिष्ठा, सीमा
२१. रसीला
२३. रुधिरवर्ग (ब्लड ग्रुप)

ऊपर से नीचे:-

१. भरोसा देना, विश्वास दिलाना
२. अज्ञानी से ज्ञानभरी बातें करना, मुहावरा है भैंस के आगे...
३. पुल
४. पावन, शुद्ध
५. मौका, समय
८. श्रीकृष्ण
१०. पवित्र (उर्दू)
११. नष्ट, तबाह (उर्दू)
१२. शर्म, हया
१३. वगैरह
१४. घोंसला, रहने की जगह (उर्दू)
१५. ऋणी (उर्दू)
१७. बादल (उर्दू)
१८. तरक्की
१९. भांति, प्रकार
२२. खुदा, ईश्वर (उर्दू)

वर्ग पहेली-6400

१ अ	सं	२ तु	ष्ट			३ को	षा	४ ल	य
प		रं		५ बा	व	ला		ह	
६ ला	ग	त	मू	ल्य		७ ह	र	जा	८ ना
भ				९ का	ज	ल			मु
	१० अ	स्ता	११ च	ल			१२ अं	त	रा
	ग्र		रि		१३ नि	य	ति		द
१४ रा	ज	१५ प	त्र		प		१६ म	१७ न	
म		र		१८ कं	ट	१९ क		क	
२० रा	घ	व		ग		२१ टा	ल्स	टा	२२ य
ज्य		२३ श	य	न	क	क्ष			दि

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 10 दिसम्बर, 2023 अगहन कृष्ण पक्ष 13

राशिफल

मेष - आज आप सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में लोगों की प्रशंसा प्राप्त कर सकेंगे। धन की बेहतर आवक होगी। पारिवारिक और दांपत्यजीवन में सुख और संतोष का अनुभव होगा। वाहन सुख मिलेगा।

वृषभ - शारीरिक मानसिक स्वस्थता के साथ आप अपने काम निर्धारित रूप से पूरे कर सकेंगे। बीमार व्यक्ति आज स्वास्थ्य में सुधार का अनुभव करेंगे। ननिहाल पक्ष से अच्छे समाचार मिलेंगे।

मिथुन - नए कामों की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल नहीं है। जीवनसाथी और संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरुरत है। चर्चा, वाद-विवाद के दौरान मानहानि न हो। मित्रों के पीछे धन खर्च होगा।

कर्क - आप में आज आनंद और स्फूर्ति का अभाव रहेगा। मन में खिन्नता रहेगी। छाती में दर्द या किसी कारण से तकलीफ होगी। अनिद्रा सताएगी। सार्वजनिक रूप से स्वाभिमान भंग न हो, इसका ध्यान रखें। धन खर्च होगा।

सिंह - कार्य सफलता और विरोधियों पर विजय मिलने से मन में प्रसन्नता छाई रहेगी। भाई-बहनों के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटनस्थल पर घूमने-फिरने का आनंद उठा सकेंगे।

कन्या - आपके लिए आज का दिन शुभ रहेगा। वाणी की मधुरता से दूसरे लोगों के मन पर अपनी सकारात्मक छाप छोड़ सकेंगे। पारिवारिक वातावरण भी अच्छा रहेगा। वाणी पर संयम बरतने से वाद-विवाद की संभावना कम हो जाएगी।

तुला - आपके प्रत्येक काम में आत्मविश्वास छलकता हुआ दिखेगा। आर्थिक योजनाएं भी सरलतापूर्वक बना सकेंगे। शारीरिक तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता का अनुभव होगा। वस्त्राभूषण और आनंद-प्रमोद के पीछे खर्च होगा।

वृश्चिक - स्वभाव में उग्रता और वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। शारीरिक शिथिलता और मानसिक चिंता से आपका मन व्यथित रहेगा। वाहन चलाते समय दुर्घटना हो सकती है। संभव हो तो ऑपरेशन या नई चिकित्सा को आज टाल दें।

धनु - आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। आपको आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक क्षेत्र में भी लाभ होने की संभावना है। मित्रों और परिजनों के साथ पर्यटन स्थल पर जाने से खुशी मिलेगी।

मकर - परिवार और संतान के विषय में आपको आनंद और संतोष का भी अनुभव होगा। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ हुई भेंट से आपका मन प्रसन्न हो उठेगा। व्यापार में धन की उगाही के लिए बाहर जाना लाभप्रद रहेगा।

कुंभ - विरोधियों के साथ वाद-विवाद न करने की सलाह दी जाती है। शारीरिक रूप से अस्वस्थता बनी रहेगी। शिथिलता और आलस्य बना रहेगा। मानसिक रूप से प्रसन्नता बनी रहेगी।

मीन - आकस्मिक धन लाभ का योग है। व्यापारीवर्ग को रुके हुए पैसे मिलेंगे। आज आपको शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक परिश्रम करने पड़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

ईएईयू व ईरान मुक्त व्यापार समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

तेहरान, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) के सदस्य देश दिसंबर में ईरान के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। रूस के उप प्रधान मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने यह जानकारी दी। श्री नोवाक ने रोसिया वन टीवी पर कहा, निकट भविष्य में कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। दिसंबर में ईरान और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के बीच मुक्त व्यापार क्षेत्र पर एक समझौता होगा और हम जल्द ही एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ पर भी पहुंचेंगे - यह एक अंतरराज्यीय समझौता है,। इसके एक दिन पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने प्रतिनिधिमंडलों की उपस्थिति में बातचीत की और फिर क्रेमलिन में वर्किंग लंच के प्रारूप में बातचीत जारी रखी।

श्री नोवाक ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति रायसी ने वित्तीय और बैंकिंग संबंधों और बस्तियों से लेकर व्यापार और आर्थिक संबंधों की पूरी श्रृंखला पर विस्तार से चर्चा की, जिस पर निपटान को आसान बनाने के लिए बहुत ध्यान दिया गया।

भारतीय-अमेरिकी डेमोक्रेट कैनसस प्रांतीय सीनेट के लिए एक बार फिर मैदान में

न्यूयॉर्क, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। इस साल की शुरुआत में कैंसास में सीनेटर के रूप में शपथ लेने वाली भारतीय-अमेरिकी डेमोक्रेट उषा रेड्डी ने अमेरिकी प्रांत के 22वें

अमेरिकी प्रांत के 22वें जिले से चुनाव लड़ने के लिए पर्चा दाखिल किया

जिले से चुनाव लड़ने के लिए पर्चा दाखिल किया है। रेड्डी 18 वर्षों तक एक पब्लिक स्कूल शिक्षक रही हैं। उनका कार्यकाल जनवरी 2025 में समाप्त हो रहा है। उन्होंने 2013 से 2023 तक मैनहट्टन शहर के लिए नगर आयुक्त के रूप में कार्य किया है।

उन्होंने इस सप्ताह अपने एक्स हैंडल पर कहा, 2024 के चुनाव में कैंसास के प्रांतीय सीनेट के लिए एक उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। सार्वजनिक सेवा मेरे जीवन का एक बड़ा हिस्सा है और मैं आपके प्रांतीय सीनेटर के रूप में लोगों के लिए काम करना जारी रखने के लिए समर्पित हूं। यह कहते हुए कि कैंसास प्रांतीय सीनेट में जिला 22 का प्रतिनिधित्व करना एक सम्मान की बात है, रेड्डी ने कहा कि समुदाय के साथ

उनका मजबूत रिश्ता है और उन्होंने वर्षों से उनका विश्वास अर्जित किया है। रेड्डी ने अपनी अभियान वेबसाइट पर लिखा, एक लोक सेवक के रूप में, मेरा मानना है कि एक प्रभावी नेता बनने के लिए सहयोग, साझेदारी और विचारशील निर्णय लेना आवश्यक है। उनका परिवार 1973 में भारत से अमेरिका आ गया, जब वह आठ साल की थीं, और अपने दो भाइयों के साथ कोलंबस, ओहियो में पली-बढ़ीं। उनके पास ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी से विकासात्मक मनोविज्ञान में कला स्नातक की डिग्री है, और प्राथमिक शिक्षा में विज्ञान स्नातक की डिग्री और कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी से शैक्षिक नेतृत्व में मास्टर ऑफ साइंस है।

मध्य मेक्सिको में सशस्त्र संघर्ष, 11 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। मेक्सिको में टेक्सकल्टिटलान नगर पालिका में एक सशस्त्र समूह और स्थानीय निवासियों के समुदाय के बीच हुये संघर्ष में शुक्रवार को कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। राज्य सुरक्षा सचिवालय ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि मृतकों में से आठ कथित तौर पर सशस्त्र समूह के सदस्य है जबकि अन्य तीन निवासी थे। स्थानीय मीडिया ने बताया कि संघर्ष भूमि अधिकारों के संग्रह को लेकर हुआ जो लैटिन अमेरिका में जबरन वसूली का

एक आम चलन है। स्थानीय मीडिया आउटलेट 'मिलेनियो' के अनुसार, गोलीबारी कथित तौर पर एक असफल बातचीत के बाद हुई, जिसमें आपराधिक संदिग्धों ने निवासियों से ली गई राशि बढ़ाने की मांग की थी।

इंडोनेशिया का मेरापी ज्वालामुखी फटा

जकार्ता, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। सेंटर फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑफ जियोलॉजिकल डिजास्टर टेक्नोलॉजी के अनुसार, इंडोनेशिया का मेरापी ज्वालामुखी फट गया है, जिससे आसमान में 3,500 मीटर तक मोटी राख निकल रही है। निगरानी अधिकारी त्रियोनो ने शुक्रवार को कहा, चूंकि राख के बादल दक्षिण-पश्चिम में गिर रहे हैं, इसलिए लोगों को खतरे वाले क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी जाती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इंडोनेशिया आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने कहा कि भारी बारिश के साथ ज्वालामुखी की राख मेरापी के आसपास के गांवों, खासकर बोयोलाली और मैगेलंग जिलों में गिरी। मेरापी की चोटी पर भारी बारिश से ठंडा लावा भी गिरा और अधिकारियों ने लोगों को क्रेटर से 7 किलोमीटर तक के दायरे में आने से दूर रहने की सलाह दी। योग्यकार्ता और मध्य जावा प्रांतों में फैला 2,968 मीटर ऊंचा ज्वालामुखी खतरे के तीसरे स्तर पर है।

सीरिया में आईएस आतंकवादियों के हमले में सात की मौत

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पूर्वी प्रांत दीर अल-जौर में सैन्य स्थलों पर इस्लामिक स्टेट (आईएस) के हमले में सात सैनिक और सरकार समर्थक लड़ाके मारे गए। एक युद्ध निगरानीकर्ता ने शनिवार सुबह यह जानकारी दी। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि यह हमला डेर अल-ज़ौर के दक्षिणी ग्रामीण इलाके में शुक्रवार को टी2 तेल स्टेशन के पूर्व में सैन्य ठिकानों पर किया गया। इसमें कुल सात लोग मारे गए। गौरतलब है कि ब्रिटेन स्थित निगरानी संस्था ने इस साल अब तक ऐसे हमलों में मरने वालों की संख्या 594 बताई है।

आज का इतिहास

1582-फ्रांस ने ग्रेगोरियन कैलेंडर का इस्तेमाल करना शुरु किया।
1887 - आस्ट्रिया, हंगरी, इटली और ब्रिटेन के बीच बाल्कन सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।
1902 - तस्मानिया में महिलाओं को वोट देने का अधिकार प्रदान किया गया।
1903 - पियरे क्यूरी और मैरी क्यूरी को भौतिक विज्ञानके लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
1936 - चीन जापान के बीच हुए युद्ध में चीन की सहायता के लिए भेजे गए भारतीय चिकित्सा सहायता दल के प्रमुख थे।
1947 - सोवियत संघ और चेकोस्लोवाकिया के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर।
1961 -सोवियत संघ और अल्बानिया के बीच राजनयिक संबंध समाप्त।
1963 - अफ्रीकी देश जंजीबार ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता हासिल की।
1994 - यासिर अराफात, वित्जाक राबिन एवं शिमोन पेरेज संयुक्त रूप से नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित।
1998 - अमर्त्य सेन को स्टॉकहोम में अर्थशास्त्र के लिए 1998 का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।
1999 - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ समझौते के अनुसार आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन उपलब्ध कराना आर्थिक अपराध घोषित।
2000 -नवाज़ शरीफ़ सपरिवार पाकिस्तान से दस साल के लिए निर्वासित।

बयान *गुटेरेस ने आर्मेनिया-अजरबैजान समझौते का किया स्वागत*

संबंधों में सुधार के लिए आर्मेनिया-अजरबैजान ने किया समझौता

संयुक्त राष्ट्र, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच अपने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए समझौते का स्वागत किया। श्री गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, महासचिव आर्मेनिया और अजरबैजान द्वारा जारी उस संयुक्त बयान का स्वागत करते हैं, जिसमें विश्वास-निर्माण उपायों की एक श्रृंखला की घोषणा की गई है और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई है।

दुजाजारिक ने एक दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि संयुक्त राष्ट्र पार्टियों को आपसी विश्वास को आगे बढ़ाने और उनकी आबादी और क्षेत्र के लाभ के लिए दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित करने के लिए समझौते पर निर्माण करने के लिए

प्रोत्साहित करता है। आर्मेनिया और अजरबैजान ने गुरुवार को कहा कि वे बिना किसी मध्यस्थ के शामिल हुए अपनी पहली सीधी बातचीत के बाद युद्धबंदियों को रिहा करके विश्वास-निर्माण के कदम उठाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं।

इथियोपिया में विस्थापन, बीमारियों का प्रकोप जारी : यूनिसेफ

अदीस अबाबा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा है कि इथियोपिया में कई प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के कारण जारी गंभीर मानवीय स्थिति के बीच बड़े पैमाने पर विस्थापन तथा कई बीमारियों का प्रकोप जारी है। यूनिसेफ द्वारा जारी अपनी नवीनतम इथियोपिया मानवीय स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्वी अफ्रीकी देश में मानवीय स्थिति मुख्य रूप से चल रहे संघर्षों, बीमारी के प्रकोप और बदलती जलवायु के कारण और भी खराब हो गई है। यूनिसेफ ने कहा, हाल ही में, अल नीनो के कारण बाढ़ ने इसे और बढ़ा दिया है, जिसका कमजोर व्यक्तियों, विशेषकर बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अल नीनो इफेक्ट मौसम संबंधी एक विशेष घटना क्या स्थिति है, जो मध्य और पूर्वी प्रशांत सागर में समुद्र का तापमान सामान्य से अधिक होने पर बनती है। आसान भाषा में समझे तो इस इफ़ेक्ट की वजह से तापमान काफी गर्म हो जाता है। इसकी वजह से पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में रहने वाला गर्म सतह वाला पानी भूमध्य रेखा के साथ पूर्व की ओर बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में भयानक गर्मी का सामना करना पड़ता है और सूखे के हालात बनने लगते हैं।

दुनिया को जानें

बांग्लादेश में पहली बार महिलाएं 'फायर फाइटर' में शामिल

ढाका, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। बंगलादेश अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा (एफएससीडी) के इतिहास में पहली बार, 15 महिलाओं को 'फायरफाइटर' के लिये चयनित किया गया हैं। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को य जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बंगलादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल ने गुरुवार को ढाका में एक समारोह में नवनियुक्त महिला अग्निशामकों का स्वागत किया। 2,707 आवेदकों में से उन 15 महिलाओं को प्रारंभिक स्क्रीनिंग, शारीरिक फिटनेस, चिकित्सा परीक्षण, लिखित परीक्षा और मौखिक परीक्षा के माध्यम से अग्निशामक के रूप में चुना गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने, वे आधिकारिक तौर पर ढाका के बाहरी इलाके पुरबाचल में स्थित बल में शामिल हो गईं। पहले, महिलाएं एफएससीडी में अधिकारी के रूप में काम करती थीं, लेकिन किसी भी महिला को फायर फाइटर पद पर नियुक्त नहीं किया जाता था। लैंगिक भेदभाव को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री शेख हसीना के आदेशानुसार हाल ही में देश में 'फायरमैन' का पद बदलकर 'फायरफाइटर' कर दिया गया है।

प्रादेशिकी

सरकारी चिकित्सकों ने की दो घंटे की पेन डाऊन हड़ताल

सिरसा, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। हरियाणा सिविल मेडिकल एसोसिएशन (एचसीएमएस) के बैनर तले प्रदेशभर के सरकारी अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों ने अपनी मांगों को लेकर अस्पतालों में शनिवार को दो घंटे की पेन डाऊन हड़ताल की। इस दौरान अस्पतालों में आए मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सिरसा जिला नागरिक अस्पताल में काली पट्टी बांधकर रोष जता रहे डा. आरके दहिया, डा. अर्चना अग्रवाल, डा. पंकज, डा. पवन सहित अन्य चिकित्सकों ने बताया कि कुछ समय पूर्व एसोसिएशन ने सरकार को अपनी मांगों संबंधी एक मांग पत्र दिया था, लेकिन सरकार ने एसोसिएशन की मांग को मानने से मना कर दिया था। सरकार द्वारा कर्मचारियों की मांगों के प्रति कोई गौर न करने के विरोध में ही चिकित्सकों की ओर से आज दो घंटे की पेन डाऊन हड़ताल की गई है।

ग्लोबल समिट के समापन के अवसर पर गृहमंत्री अमित शाह ने शिकरत की, कहा

उत्तराखण्ड में देवीय शक्ति भी और विकास भी : अमित शाह

देहरादून, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। शनिवार को ग्लोबल समिट के समापन के अवसर पर गृहमंत्री अमित शाह शिकरत की। वे मंच पर पहुंचे और समारोह के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज समारोह का समापन नहीं शुभारंभ है। गृहमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड ही एक ही स्थान है, जहां देवीय शक्ति भी है और डेवलेपमेंट भी है। और मुख्यमंत्री धामी ने इसके साथ परफार्मेंस भी जोड़ दी। गृहमंत्री अमित शाह ने सिलक्यारा सुरंग में फंसीं 41 जानें बचाने का श्रेय सीएम धामी को दिया। उन्होंने कहा कि लगातार भले ही हम मामले की मॉनिटिरिंग कर रहे थे, लेकिन असल में इसका श्रेय सीएम धामी को जाता है। पूरे देश की नजर इस मामले पर थी। और धामी सरकार ने जिस तरह से इस मामले का हल निकाला वह सभी ने देखा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गृहमंत्री के देवभूमि उत्तराखंड आगमन पर जीटीसी हैलीपेड पर स्वागत किया। निवेशक सम्मेलन में निवेशकों के अलावा कवि, लेखक व गीतकार प्रसून जोशी, पतंजलि आयुर्वेद के सीईओ आचार्य बालकृष्ण, परमार्थ निकेतन के

आज समारोह का समापन नहीं शुभारंभ है। उत्तराखंड ही एक ही स्थान है, जहां देवीय शक्ति भी है और डेवलेपमेंट भी है। मुख्यमंत्री धामी ने इसके साथ परफार्मेंस भी जोड़ दी: अमित शाह, केन्द्रीय गृह मंत्री

परमाध्यक्ष चिदानंद मुनि व अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियां भी गवाह बनीं। सम्मेलन में प्रदेश सरकार के सात मंत्रियों के अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, त्रिवेंद्र सिंह रावत, विजय बहुगुणा, तीरथ सिंह रावत, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी, अल्मोड़ा के सांसद अजय टम्टा, पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, पार्टी विधायक खजानदास, विनोद चमोली, मुन्ना सिंह चैहान, सहदेव पुंडीर, पार्टी प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चैहान, प्रदेश प्रवक्ता हेमंत द्विवेदी समेत कई अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर भी छायी उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

प्रदेश की राजधानी देहरादून में शुक्रवार से शुरु हुई उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की धूम वैश्विक व्यापारिक गलियारों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी छायी रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तराखण्ड पहुंचते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट नंम्बर एक पर ट्रेंड करने लगा। इसके साथ ही डेस्टीनेशन उत्तराखण्ड भी ट्रेंडिंग लिस्ट में शामिल रहा। खास बात यह है कि इन हैशटैग की ट्रेंडिंग 12 घंटों तक लगातार बनी रही। उत्तराखण्ड के साथ ही देश की बड़ी हस्तियों व उद्योग समूहों से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मस पर इस इन्वेस्टर्स समिट के पक्ष में अपनी सहभागिता दर्ज करते हुए ट्रेंड को अपना समर्थन दिया। देहरादून में आयोजित इस निवेशक सम्मेलन में देश के साथ विदेशी उद्योग समूहों के प्रतिष्ठित व्यवसायियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।

पर्यटन के क्षेत्र में 33 हजार करोड़ रुपए के 122 एमओयू हुए साइन

देहरादून। उत्तराखंड राज्य की सुंदर संरचना के चलते प्रदेश के पर्यटन सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। यही वजह है कि राज्य सरकार पर्यटन के क्षेत्र में विशेष ध्यान दे रही है। पर्यटन के जरिए प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के साथ ही प्रदेश की आर्थिकी को बढ़ाया जा सकता है। लिहाजा डेस्टिनेशन उत्तराखंड, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए सरकार प्रदेश के पर्यटन सेक्टर में भी निवेशकों को बढ़-चढ़कर निवेश करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस समिट के जरिए पर्यटन सेक्टर में अच्छा निवेश आता दिख रहा है। आज उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का दूसरा दिन है। अब तक पर्यटन सेक्टर में करीब 33 हजार करोड़ रुपए के 122 एमओयू पर साइन किए गए हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि निवेशकों का अच्छा रुझान देखने को मिल रहा है। अभी तक पर्यटन के क्षेत्र में 122 कंपनियों ने करीब 33 हजार करोड़ रुपए के प्रस्तावों पर एमओयू साइन किए हैं। उम्मीद है कि यह आंकड़ा और अधिक बढ़ेगा। साथ ही कहा कि सेक्टोरल सेशन के दौरान सरकार ने निवेशकों के सामने अपने विचार रखे हैं कि पर्यटन के क्षेत्र में क्या क्या डेवलप किए जाएगा।

समिट का दूसरा दिन, वन सेक्टर में निवेश पर हुई चर्चा

■ अमर नाथ तिवारी

देहरादून, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दूसरे दिन निवेशकों के साथ सरकार के मंत्रियों के अलग अलग सेक्टर में परिचर्चा के सेशन आयोजित किए गए जिसमे निवेशकों और सरकार के मंत्रियों अधिकारियो के बीच चर्चा हुई की कैसे किस विभाग की मदद से किस सेक्टर में निवेश किया जायेगा साथ ही एक रूपरेखा भी तैयार की गई की कैसे निवेश के जरिए उत्तराखंड को आगे बढ़ाना है।

निवेशको प्रोत्साहित करने पर जोर

उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में समृद्ध जैव विविधता से परिपूर्ण और विपुल वन संपदा वाले उत्तराखंड राज्य में इकोनॉमी और इकोलॉजी का बेहतर समन्वय व संतुलन कायम रखते हुए वन एवं इससे जुड़े सेक्टर्स में निवेशको प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया।

वन एवं इससे जुड़े सेक्टर्स राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रमुख जरिया:पूजा ठाकुर

समिट के दौरान इस सिलसिले में आयोजित विशेष सत्र में गंगा सहकार समूह सदस्य पूजा ठाकुर द्वारा कहा गया कि वन एवं इससे जुड़े सेक्टर्स राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास का प्रमुख जरिया बनने की पूरी सामर्थ्य रखते हैं। लिहाजा राज्य में वन सेक्टर में होने वाला पूंजी निवेश देश और दुनिया के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

उत्तराखंड का 71 प्रतिशत भूभाग वनों से आच्छादितः सुबोध उनियाल

उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के वन एवं इससे जुड़े सेक्टर्स पर निवेश की संभावनाओं पर परिचर्चा के लिए आयोजित सत्र की अध्यक्षता करते हुए राज्य के वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखंड का 71 प्रतिशत भूभाग वनों से आच्छादित है। यहां पर 11230 वन पंचायतें हैं जिनसे 20 लाख लोग जुड़े हैं। वन मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में ईको-टूरिज्म, जड़ी-बूटियों तथा संगंध पौधों के उत्पादन व संग्रहण के साथ ही योग, वेलनेस टूरिज्म, आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों में भी निवेशकों ने काफी रूचि दिखाई है। राज्य में तीन लाख करोड़ से अधिक के पूंजी निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में किया जाने वाला निवेश पूरी तरह सुरक्षित और बेहतर रिटर्न देने वाला साबित होगा।

सार संक्षेप

वेडिंग डेस्टिनेशन को लेकर महाराज उत्साहित

देहरादून। इसके अलावा, निवेशकों को जानकारी दी गई है कि इस चारधाम यात्रा के दौरान 56 लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे हैं। ऐसे में पर्यटन के क्षेत्र में कितनी संभावनाएं प्रदेश में छिपी हुई हैं। साथ ही कहा कि वेडिंग डेस्टिनेशन के क्षेत्र में भी अपर संभावनाएं हैं। त्रिजुगी नारायण मंदिर में भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह उत्तराखंड में ही हुआ था। इसके साथ ही नरेंद्रनगर, रामनगर, ऋषिकेश और हरिद्वार समेत तमाम क्षेत्रों में भी वेडिंग डेस्टिनेशन की अपर संभावनाएं हैं, जिसका लोगों को फायदा होगा।

मंत्री सतपाल ने पर्यटन बढ़ाने के उपाय बताए

देहरादून। पर्यटन मंत्री ने कहा कि सिविल एविएशन के क्षेत्र में नए इंटरनेशनल एयरपोर्ट और हेलीपेड्स बनाए जायेंगे। पूरे उत्तराखंड के अंदर हेलीपैड की कनेक्टिविटी होनी चाहिए, उसके लिए कैबिनेट मीटिंग में प्रस्ताव पास किए गए हैं। लिहाजा, हेलीपैड बनेंगे जिससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इसके अलावा रेल कनेक्टिविटी को लेकर भी बड़े काम हुए हैं। वर्तमान समय में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन लगभग बनकर तैयार हो गया है। ऐसे में जब पहाड़ पर रेल चढ़ेगी तो पर्यटन भी बढ़ेगा।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय चतुर्वेदी को निलंबिन मामले में सुनवाई

नैनीताल। हाईकोर्ट ने चमोली के जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय चतुर्वेदी को निलंबित करने के मामले में दायर याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 दिसंबर की तिथि नियत की है। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल एवं पंकज पुरोहित की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। धनंजय चतुर्वेदी ने अपने निलंबन आदेश को चुनौती दी है। बता दें कि धनंजय चतुर्वेदी पर उनके पद के खिलाफ आचरण करने का आरोप है। उन्हें 14 अप्रैल 2023 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। उन पर गवाही के दौरान डायस पर मौजूद नहीं रहने का आरोप है। 24 जुलाई को रजिस्ट्रार जनरल अनुज संगल की ओर से जारी आदेश में कहा था कि धनंजय चतुर्वेदी की गैरहाजिरी में कोर्ट में गवाही हुई जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग हुई। यह वीडियो रिकॉर्डिंग किसने की, क्यों की, इसका वह सही जवाब नहीं दे सके। इस मामले में हाईकोर्ट को शिकायत के साथ वीडियो-क्लिपिंग भी भेजी गई थी। जिस समय बयान रिकॉर्ड किया जा रहा था उस वक्त पीठासीन अधिकारी अदालत में मौजूद नहीं थे। हाईकोर्ट ने धनंजय चतुर्वेदी के खिलाफ आरोपपत्र जारी कर उत्तराखंड सरकारी सेवक (अनुशासन और अपील) नियम, 2003 के नियम 7 के तहत उनके खिलाफ नियमित जांच शुरू की थी।

सुडोकू 6401 का हल

3	2	5	4	9	8	1	7	6
7	1	8	5	6	2	3	4	9
9	6	4	3	1	7	8	2	5
8	9	6	2	3	1	4	5	7
2	5	3	7	4	9	6	8	1
1	4	7	6	8	5	2	9	3
5	7	1	8	2	3	9	6	4
6	8	9	1	5	4	7	3	2
4	3	2	9	7	6	5	1	8

मुख्यमंत्री धामी सहित भाजपा नेताओं ने पूर्व काबीना मंत्री गांववासी के पार्थिव शरीर पर किए पुष्प अर्पित

देहरादून, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहन सिंह रावत गांववासी का शुक्रवार को निधन हो गया। जिसके बाद उत्तराखण्ड भाजपा में शोक की लहर है।

शनिवार को उनका पार्थिक शरीर अंतिम दर्शनों के लिए भाजपा कार्यालय लाया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने परिजनों को ढांढस बंधाया। वह पिछले काफी समय से अस्वस्थ थे।

शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह रावत गांववासी के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।सीएम ने कहा कि मोहन सिंह रावत गांववासी का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी गांववासी के निधन पर दुख व्यक्त किया। उनके जाने से पार्टी को अपूर्णीय क्षति हुई है जिससे समस्त भाजपा परिवार शोक संतप्त है। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिजनों को इस असीम दुख सहने का सामर्थ्य प्रदान करे।

उन्होंने कहा कि गांववासी प्रदेश में भाजपा संगठन के प्रमुख आधार स्तंभों रहे हैं। राज्य में कोई ऐसा गांव नहीं है, जहां जाकर उन्होंने पार्टी को मजबूत करने का काम न किया हो। उनके इसी अतुलनीय योगदान के कारण ही उन्हें गांववासी के उपनाम से जाना गया। लिहाजा भाजपा परिवार बेहद दुखी मन से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करता है।

राज्य सरकार नए पर्यटन गंतव्यों को विकसित व सुदृढ़ीकरण करेगीः सुक्खू

शिमला, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। हिमाचल के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार नए पर्यटन गंतव्यों को विकसित कर, पर्यटन अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान कर रही है ताकि वे अधिक अवधि तक यहां समय बिताएं और प्रदेश की आर्थिकी में वृद्धि हो। श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में हवाई सेवा में सुधार के दृष्टिगत कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के साथ-साथ सभी जिला मुख्यालयों में हेलीपोर्ट निर्मित्त किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार प्रतिवर्ष लगभग पांच करोड़ पर्यटकों का आगमन सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और राज्य सरकार कांगड़ा जिले को पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार कांगड़ा घाटी में पर्यटक अधोसंरचना विकसित करने के लिए लगभग 3000 करोड़ रुपए व्यय करेगी। वन्य जीव पर्यटन में रुचि रखने वाले पर्यटकों को

राज्य सरकार नए पर्यटन गंतव्यों को विकसित कर, पर्यटन अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण कर रही है। पर्यटकों को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान कर रही है ताकि वे अधिक अवधि तक यहां समय बिताएं और प्रदेश की आर्थिकी में वृद्धि हो: ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू, मुख्यमंत्री हिमाचल

प्रोत्साहित करने के लिए श्री सुक्खू ने कहा कि कांगड़ा जिला में अंतरराष्ट्रीय स्तर का चिड़ियाघर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल धार्मिक पर्यटन का मुख्य केंद्र है, प्रदेश प्रसिद्ध शक्तिपीठों की भूमि है और शीघ्र ही प्रदेश आध्यात्मिक पर्यटन का मुख्य केंद्र बन कर उभरेगा।

सुक्खू 13 से 16 दिसंबर तक जाएंगे दुबई

शिमला। प्रवासी हिमाचलियों के न्यौते पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अगले सप्ताह दुबई जा सकते हैं। श्री सुक्खू हिमाचल में टूरिज्म सेक्टर में इन्वेस्टमेंट लाने के मकसद से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जा रहे हैं। फिलहाल उनके 13 से 16 दिसंबर तक दुबई जाने की चर्चा है। मगर, अभी केंद्र से इसकी क्लियरेंस मिलनी है। केंद्र की हरी झंडी के बाद ही मुख्यमंत्री अधिकारियों सहित यूएई जाएंगे।

कांग्रेस सांसद का घोटाला, 210 करोड़ रुपए से अधिक का कैश बरामदः बिंदल

शिमला, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा की झारखंड से कांग्रेस सांसद धीरज साहू से जुड़े व्यापारिक समूह के ठिकानों पर झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 06 दिसंबर, बुधवार से जारी आयकर विभाग की छापेमारी में अब तक 210 करोड़ रुपए से अधिक का कैश बरामद हो चुका है। अभी बरामद रुपयों की गिनती चल ही रही है। ऐसे में यह जब्त राशि और बढ़ सकती है।

इस रेड में देश में कानूनी तरीके से जब्त की जानेवाली सबसे बड़ी नकदी होने का अनुमान लगाया जा रहा है। जब्त नोटों की संख्या इतनी ज्यादा कि उन्हें गिनने के लिए मंगवाई गई मशीनें भी खराब हो गई। कार्रवाई को इतना गोपनीय रखा गया था कि रेड में शामिल लोगों को मालूम नहीं था कि कहां जाना है। प्रथम दृष्टया जो सबूत हैं, वे ऑफ-द-बुक बिक्री, धोखाधड़ी वाली खरीदारी और काल्पनिक खर्चों की ओर इशारा करते हैं। अभी इसकी विस्तार से जांच होगी। रांची में धीरज साहू के

आयकर विभाग की छापेमारी में अब तक 210 करोड़ रुपए से अधिक का कैश बरामद हो चुका

व्यापारिक समूह से संबंधित 08 बैंक लॉकर मिले हैं जिन को फ्रीज कर दिया गया है। डिजिटल उपकरणों की इमेजिंग का काम चल रहा है। जांच अभी जारी है। डिजिटल उपकरणों और दस्तावेजों से एकत्र किए गए सबूतों की आगे की जांच की जा रही है और सत्यापन किया जा रहा है। इस प्रक्रिया से संपत्तियों और बेहिसाब लेनदेन के सबूत सामने आने की उम्मीद है। क्या कारण रहा कि चतरा से 2 बार लोकसभा का चुनाव हार चुके धीरज साहू को कांग्रेस ने तीसरी बार में राज्य सभा सांसद बनाया? धीरज साहू 2010 से राज्य सभा सांसद हैं। कांग्रेस, करप्शन और कैश एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। धीरज साहू राहुल गांधी के काफी करीबी हैं। भारत जोड़ो यात्रा में भी धीरज साहू राहुल गांधी के साथ थे। 210 करोड़ से अधिक कैश मिलने के बावजूद कांग्रेस के शीर्ष नेता सोनिया गाँधी, राहुल गाँधी और मल्लिकार्जुन खरगे इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। आखिर क्यों? जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। मोदी की गारंटी मतलब बेईमानों से पाई-पाई वसूलने की गारंटी।

उन्होंने कहा की एक तरफ घमंडिया गठबंधन है जहां भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी, लूट-खसोट और दलाली की गारंटी है और दूसरी तरफ आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी है जो भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आउटलुक ट्रैवलर अवॉर्ड्स में हिमाचल को दो पुरस्कार

शिमला/नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश ने नई दिल्ली में आयोजित आउटलुक ट्रैवलर अवार्ड्स-2023 समारोह में दो प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते। इस समारोह में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये। हिमाचल प्रदेश ने कांगड़ा जिले के बीड़-बिलिंग के लिए सर्वश्रेष्ठ साहसिक पर्यटक गंतव्य स्वर्ण श्रेणी और लाहौल-स्पीति जिले के स्पीति के लिए सर्वश्रेष्ठ इको-पर्यटन गंतव्य स्वर्ण श्रेणी में पुरस्कार जीते। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आर.एस. बाली ने यह पुरस्कार प्राप्त किए।इस अवसर पर शुक्रवार शाम मुख्यमंत्री ने निवेशकों से हिमाचल में पर्यटन क्षेत्र में उदारतापूर्वक निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन परियोजनओं को शीघ्र स्वीकृति की सुविधा प्रदान करेगी। हिमाचल सभी मौसमों के लिए उपयुक्त पर्यटन गंतव्य है। यहां की घाटियां, बर्फ से ढकी घाटियां, हरा-भरा वन क्षेत्र, जल निकाय और शानदार होम-स्टे पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटकों के यात्रा अनुभव को और शानदार बनाने के लिए प्रयासरत है और इसके लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। ठहरने के लिए शानदार होम-स्टे भी विकसित किए जाएंगे जिससे पर्यटक नजदीक से यहां के जन-जीवन व वादियों को निहार सकेंगे। आउटलुक ट्रैवलर की प्रकाशक मीनाक्षी मेहता ने मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर आउटलुक ग्रुप के सीईओ इंद्रनील राय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विभिन्न पुरस्कार विजेता राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद-सत्र आयोजित किए गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने निवेशकों से हिमाचल में पर्यटन क्षेत्र में उदारतापूर्वक निवेश करने का आह्वान किया

लोक अदालत में हुआ पांच करोड़ से अधिक राशि का समायोजन

सिरसा। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार शनिवार को न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अनुराधा ने बताया कि आयोजित लोक अदालत मे सभी तरह के न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे। जिनमें मुख्यत: चैक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद इत्यादि शामिल थे। लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन कुल 2513 केसों में से 1592 केसों का निपटारा किया गया, जिसमें पांच करोड़ 51लाख69 हजार 878 रूपए की राशि समायोजित की गई। सचिव अनुराधा ने आगे बताया कि कुल 5 बैंचों का गठन किया गया जिसमें अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश कुलदीप सिंह, सिविल जज (जूनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी अमित अहलावत, सिविल जज (जूनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी विशाल तथा सब-डिविजन ऐलनाबाद से सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी अमनदीप व डबवाली से सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी मनोज दहिया शामिल है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत की प्रक्रिया बड़ी सरल एवं संक्षिप्त है, क्योंकि इसमें दोनों पक्षों आमने-सामने बैठाकर बातचीत द्वारा समझौता करवाया जाता है, जिससे उनका आपसी मनमुटाव समाप्त हो जाता है।

वनों का 10 प्रतिशत अतिक्रमण भी खाली नहीं करा पाई सरकार

देहरादून, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। राज्य में बीते समय में चलाये गये अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान सरकार ने दावे तो बहुत बड़े-बड़े किए लेकिन उन दावों की पोल सूचना के अधिकार के तहत मांगी गयी जानकारियों से ही खुल गयी। दरअसल अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान वनों से जो अतिक्रमण हटाए गए वह टोटल वनों का 10 प्रतिशत भी नहीं है प्रदेश के 11,814.47 हैक्टेयर वन भूमि में हुए अतिक्रमण में से केवल 1, 254.67 हैक्टेयर भूमि ही सरकार खाली कराने में कामयाब रही।

आर.टी.आई. एक्टिविस्ट हेमंत गौनिया द्वारा मांगी गई एक जानकारी में मुख्य वन संरक्षक डॉ.पराग मधुकर धकाते द्वारा बीती 16 अक्टूबर को जारी पत्र में दी गई सूचना के अनुसार 31 मार्च 2020 तक प्रदेश के 11,814.47 हैक्टेयर वन भूमि में अतिक्रमण हुआ है। इसमें से केवल 1, 254.67 हैक्टेयर भूमि को ही खाली कराया जा सका है। वनों से अतिक्रमण हटाओ अभियान के नोडल अधिकारी के रूप में सरकार ने डॉ.धकाते को नियुक्त किया है। जानकारी में कहा गया है कि उत्तराखण्ड के दस वन प्रभागों और नैशनल पार्कों में से देहरादून और उत्तरकाशी जिले में यमुना वृत्त, जिसमें मसूरी, चकराता, अपर यमुना और टोंस वन प्रभाग आता है में 111.75 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था जिसमें से 36.83 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटा दिया गया है।

देहरादून, हरिद्वार और पौड़ी जिले के हरिद्वार, कालसी, देहरादून और लैंसडाउन क्षेत्र के शिवालिक वृत्त में 632.73 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था, जिसमें से

■ वन भूमि अतिक्रमण हटाओ अभियान की खुली पोल
■ सूचना के अधिकार में हुआ खुलासा

73.54 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटा दिया गया है। टिहरी और उत्तरकाशी जिले में पड़ने वाले टिहरी, उत्तरकाशी और नरेंद्रनगर के भागीरथी वृत्त में 77.97 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था, जिसमें से 20.26 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटा दिया गया है। रुद्रप्रयाग, पौड़ी और चमोली जिले में पड़ने वाले गढ़वाल वृत्त में 1472.4 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था जिसमें से 182.02 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटा दिया गया है। नैनीताल और उधमसिंह नगर जिले के हल्द्वानी, रामनगर, तराई केंद्रीय, तराई पश्चिमी और तराई पूर्वी के पश्चिमी वृत्त की 9317.67 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था जिसमें से 815.86 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटा दिया गया है। बागेश्वर, चंपावत, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ जिले में बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत, सिविल सोयम अल्मोड़ा के उत्तरी कुमाऊं वृत्त में 157.29 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था जिसमें से केवल 4.24 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया जा सका है। नैनीताल, अल्मोड़ा और पौड़ी जिले के नैनीताल, भूमि संरक्षण नैनीताल, भूमि संरक्षण रानीखेत और भूमि संरक्षण रामनगर के दक्षिणी कुमाऊं वृत्त में 15.87 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था जिसमें से 5.00 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया जा सका है। नैनीताल और पौड़ी जिले में पड़ने वाले कॉर्बेट नैशनल पार्क और कालागढ़ टाइगर रिजर्व के निदेशक कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में 9.11 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था, जिसमें से 96.83 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटा दिया गया है।

देहरादून और उत्तरकाशी जिले में पढ़ने वाले राजाजी नैशनल पार्क, गोविंद पशु विहार और गंगोत्री पशु विहार की 5.09 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था, जिसमें से 2.93 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण को हटा दिया गया है। इसके साथ ही चमोली जिले में केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग और नंदादेवी राष्ट्र पार्क के नंदादेवी बायोस्फियर रिजर्व में 14.59 हैक्टेयर भूमि में कब्जा था जिसमें से 15.16 हैक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटा दिया गया है।

प्रादेशिकी

पूर्व विधायक की मार्केट की दो दुकानों में चोरी, जांच शुरू

फर्रुखाबाद, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। पूर्व विधायक के मार्केट में दो दुकानों में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के मंझना में पूर्व विधायक बाबू राजेन्द्र सिंह गंगवार का मार्केट है। जिसमे तरुण बंगाली किराए पर दुकान लिए हैं। जिसमे वह अपनी चिकित्सीय कार्य करते हैं। बीती रात चोरों नें दुकान की पीछे दीवार में लगे जंगले को काटकर दुकान में प्रवेश किया। इसके बाद दुकान की पूजा की अलमारी में रखे एक हजार रुपए साफ कर दिए। दूसरी दुकान में मंझना निवासी आकाश कुमार मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान किराए पर चलाता है। उसकी दुकान में पीछे लगे गेट के माध्यम से प्रवेश कर दुकान में रखे तीन टच मोबाइल पुराने, तीन कीपैड मोबाइल, डाटा केबिल के साथ ही 600 रुपए की नकदी चोरी कर ली गई।

बिना भेदभाव के सब तक पहुंच रहा लाभ : योग

लखनऊ/गोरखपुर, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले साढ़े नौ सालों में भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चौतरफा विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। उनके

- **मुख्यमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में सुना प्रधानमंत्री का वर्चुअल संबोधन**
- **11 सौ पीएम आवासों के भूमि पूजन में हुए सम्मिलित, लाभार्थियों को किया सम्मानित**

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा नए भारत का दर्शन : योगी आदित्यनाथ

नेतृत्व में नए भारत का दर्शन हो रहा है। नया भारत वैश्विक स्तर पर 142 करोड़ भारतवासियों के गौरव को बढ़ाता है। इस भारत मे बड़ी-बड़ी परियोजनाएं तो आगे बढ़ ही रही हैं, सबका साथ सबका विकास के ध्येय के अनुरूप योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव सब तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री योगी शनिवार को गोरखपुर के झारखंडी में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सुनने से पूर्व उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नगरीय क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनने वाले 1100 आवासों के प्रतीकात्मक भूमि पूजन में भी सम्मिलित हुए और जनहित की योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया। सीएम योगी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की चर्चा के दौरान कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों के अंदर देश मे 10 करोड़ से अधिक गरीबों के शौचालय बनाए गए हैं, इनमें से 4 करोड़ शौचालय उत्तर प्रदेश के लोगों के बने हैं। देश मे 4 करोड़ गरीबों के आवास बनवाए गए हैं जिनमें से 55 लाख यूपी में बने हैं। देश में 50 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना से पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा का लाभ मिल रहा है, यूपी में इस योजना से 10 करोड़ लोग सुविधा प्राप्त कर रहे हैं। पीएम मोदी की पहल पर कोरोना काल से देश में 80 करोड़ तथा उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न की सुविधा मिल रही है। शासन की ये योजनाएं सबको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। योगी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ 15 नवम्बर को पीएम मोदी ने झारखंड के एक सुदूर गांव से किया है। 26 जनवरी तक यह यात्रा देश के हर गांव तक पहुंचेगी। इस यात्रा के दौरान शासन की योजना से लाभान्वित लाभार्थी मेरी कहानी मेरी जुबानी से अन्य लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। यात्रा के दौरान ही पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ा भी जा रहा है। उन्होंने सबको विश्वास दिलाया कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहेगा। कार्यक्रम में कुछ लाभार्थियों में मुख्यमंत्री से अपने अनुभव साझा किए और योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल पर लगी प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन किया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से जनता को जोड़ने के मामले में उप्र नंबर वन

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को मिशन के रूप में धरातल पर उतार रही योगी सरकार देश में चल रही तमाम योजनाओं में शीर्ष स्थान पर है। इस कड़ी में अब विकसित भारत संकल्प यात्रा का नाम भी जुड़ गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देशन में प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों और नगर निकायों में इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। बता दें कि बीते 15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के खूंटी से विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की थी। अबतक देशभर में एक करोड़ से अधिक नागरिक इस अभियान से जुड़ चुके हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में 37 लाख से अधिक लोग इसमें शामिल हो चुके हैं। ये सिलसिला हर नये दिन के साथ बढ़ता ही जा रहा है। दरअसल, विकसित भारत संकल्प यात्रा सरकार और जनता के बीच संबंधों को मजबूत आधार देने का सशक्त और परिवर्तनकारी अभियान बन चुका है। इसके माध्यम से विभिन्न योजनाओं के लिए ऑन दि स्पॉट रजिस्ट्रेशन, ड्रोन दीदी अभियान के तहत ड्रोन वितरण, शासन की योजनाओं का प्रचार प्रसार खासकर महिला केंद्रित योजनाओं के लिए जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही लोगों से आह्वान किया जा रहा है कि वे अपने लाभ के लिए सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें। इस अभियान में उत्तर प्रदेश के 57709 ग्राम पंचायतों और 777 नगरीय निकायों को शामिल किया गया है।

तक्षशिला पब्लिक स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

मेरठ, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। शनिवार को कंकरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल मे अभिनन्दन प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन बड़ी धूम-धाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के चेयरमैन डा. ओमपाल सिंह तथा प्रधानाचार्य डा. प्रवीन कुमार पथरा ने मां सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन तथा माल्यार्पण के साथ किया गया। इस समारोह के अंतर्गत विद्यालय के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। जिसमें सर्वप्रथम सरस्वती वंदना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नाटिका, वन्दे मातरम, मेरे अच्छे चंदा मामा, जहां डाल-डाल पर, ना काटो मुझे, मां तुझे सलाम, कृष्ण सुदामा नाटिका अरे द्वारपालों तथा विभिन्न राज्यों की झांकियों को गीतों व नृत्यों द्वारा प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर सत्र 2022-2023 के वार्षिक बोर्ड परीक्षा कक्षा 10 व कक्षा 12 में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रों को स्मृति चिह्न, योग्यता प्रमाण पत्र तथा छात्रवृत्ति देकर सम्मानित किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर आने वाले विद्यार्थीयों को 51,000, द्वितीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को 31,000,

- **सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र सम्मानित**
- **पुरस्कार स्वरूप दी गई अलग-अलग धनराशि**

तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को 21,000 तथा चौथे व पांचवे स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को 11,000 रूपये की धनराशी पुरस्कार स्वरूप दी गई।

कक्षा पांच से कक्षा नौ व कक्षा ग्यारहवीं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों, लाईफ स्किल तथा खेल के क्षेत्र में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी योग्यता प्रमाण पत्र तथा छात्रवृत्ति देकर सम्मानित किया गया।

सार संक्षेप

संजय गांधी अस्पताल में ब्लड बैंक व पुलिस चौकी का उद्घाटन

अमेठी। सोनिया गांधी के जन्मदिन पर शनिवार को अमेठी में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। संजय गांधी अस्पताल में ब्लड बैंक और पुलिस चौकी का उद्घाटन समारोह था। साथ में रक्तदान शिविर और गौरीगंज में सदभावना कवि सम्मेलन। संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट की अध्यक्ष सोनिया गांधी है। इनके जन्मदिन पर मेगा स्वास्थ्य कैंप, ब्लड सेंटर, और पुलिस चौकी का उद्घाटन था। ट्रस्ट के प्रशासक मनोज मुट्टू अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरण के साथ ब्लड कंपोनेंट यूनिट का शुभारंभ किए। पुलिस चौकी के उद्घाटन में मनोज मट्टू और सर्किल अफसर अतुल सिंह साथ में थे। कैंप में मेडिसिन, जनरल सर्जरी, प्रसूति रोग, बाल चिकित्सा, डेंटल, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, चर्म रोग विभाग, फिजियोथैरेपी, ऑर्थो सर्जन, जनरल सर्जन, चेस्ट फिजिशियन, गाइनेकोलॉजिस्ट, ईएनटी सर्जन और विशेषज्ञ चिकित्सक करीब एक हजार मरीजों का निशुल्क इलाज किए। इस मौके पर अस्पताल के कार्यपालक अधिकारी अवधेश शर्मा, रमेश, एसडी सिंह, डॉ चेतन तिवारी, रजा, अरविंद श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

सीसीएसयू में रक्त परीक्षण शिविर का किया आयोजन

मेरठ। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास मेरठ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में डॉक्टर लाल पैथोलॉजी बी 1 शास्त्रीनगर द्वारा कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के निर्देशन में एक रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर वीरपाल सिंह, प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह गौरव, प्रोफेसर हरेंद्र सिंह, प्रोफेसर जितेंद्र सिंह, एवं डॉ. लक्ष्मण नागर, राकेश कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर की गई। प्रोफेसर वीरपाल ने कहा की रक्त शरीर के सभी अंगों तक पहुंचता है इसलिए रक्त की जांच करके शरीर में चल रही गतिविधियों का पता लगाया जाता है। शैलेंद्र सिंह गौरव के अनुसार आमतौर पर लोग तभी रक्त की जांच करवाते हैं जब बीमार हो चुके होते हैं जिससे बीमारी का पता बहुत बाद में चलता है इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को भी समय-समय पर रक्त की जांच कराते रहना चाहिए। हरेंद्र सिंह ने कहा स्क्रीन टेस्ट से किसी भी बीमारी का लक्षण देखने से पहले ही उसका निदान कर सकते हैं इस समय रहते गंभीर बीमारी के उपचार में मदद मिलती है।

प्रधानमंत्री कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा

मेरठ। जागृति विहार सेक्टर-1 एसबीआई वाले पार्क में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को चाबी तथा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कल्याण विभाग, श्रम विभाग, ग्राम विकास विभाग आदि विभागों द्वारा अपने-अपने स्टाल लगाकर आमजन को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

नोडल अधिकारी ने किया पौधशालाओं का निरीक्षण

मवाना, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। आगामी वर्षाकाल में होने वाले पौधरोपण को लेकर शासन की ओर से नोडल अधिकारी बनाये गए अनिल कुमार पटेल ने हस्तिनापुर रेंज की पौधशालाओं में उगाए जा रहे पौधों की तैयारियों का जायजा लिया।

- **अधिकारियों को दिए नष्ट हुए पौधे निकालना और खाद डालने के निर्देश**

उन्होंने पौधों में कंपोस्ट खाद डालने और नष्ट हो चुके पौधों की जगह दूसरे पौधे लगाने के लिए वनक्षेत्राधिकारी को दिशा निर्देश दिया। बता दें कि आगामी वर्षाकाल 2024 में प्रदेश घर में होने वाले पौधों का रोपण कार्यक्रम के लक्ष्य को पूरा करने के लिये एक माइक्रो प्लान भी तैयार किया गया। इस माइक्रो प्लान के तहत वन विभाग के अलावा अन्य विभागों का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

सभी विभाग अपने अपने लक्ष्य के अनुरूप आगामी वर्षाकाल में एक अभियान के तहत पौधरोपण करेंगे।

उद्योगों को बढ़ाने के लिए कनेक्टिविटी की जरूरत : धर्मपाल सिंह

मेरठ, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। शनिवार को विकास भवन सभागार में मंत्री, पशुधन, दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण एवं मुस्लिम वक्फ एवं हज तथा नागरिक सुरक्षा विभाग उप्र/प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने जिला उद्योग बंधु तथा बैंकर्स के साथ बैठक का की। बैठक में उपस्थित उद्यमी संगठनों द्वारा मंत्री के जनपद मेरठ के उद्यमियों से बैठक करने के लिए आभार व्यक्त किया गया। मेरठ की जीडीपी को बढ़ाने के लिए और क्या-क्या प्रयास किये जाये इस पर चर्चा की गई। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मेरठ में टैलेंट, ट्रेड, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी है। मेरठ की जीडीपी बढ़ाने के लिए इनका सदुपयोग करना होगा। उन्होने कहा कि बैंक का काम ऋण देना का होता है न कि दान देने का। बैंक ऋण तब देती है जब उसे विश्वास होता कि उसका ऋण वापस मिल जायेगा। बिना बैंक के सहयोग से कोई भी काम आसानी से नहीं हो सकता है। उन्होने कहा कि उद्योगों के लिए सुरक्षा, कानून व्यवस्था तथा कनेक्टिविटी होना आवश्यक है, जो मेरठ में अब बेहतर है। बैठक में सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई, विधायक मेरठ कैन्ट अमित अग्रवाल, जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी रोहित सिंह सजवाण, नगर आयुक्त डा. अमित पाल शर्मा, सीडीओ नूपुर गोयल, एलडीएम एसके मजूमदार, उपायुक्त उद्योग दीपेन्द्र कुमार, जनपद के औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी, गणमान्य उद्यमीगण, बैंकर्स सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

- **जिला उद्योग बंधु तथा बैंकर्स के साथ प्रभारी मंत्री की बैठक**
- **मेरठ की जीडीपी बढ़ाने के लिए चर्चा**

सोशल मीडिया अभिशाप या वरदान विषय पर चर्चा

मेरठ, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। विनायक विद्यापीठ में बीएजेएमसी विभाग द्वारा एक चर्चा का आयोजन किया गया। जिसका विषय सोशल मीडिया अभिशाप या वरदान रहा। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुप्रीता शर्मा, निर्देशक इंजी. विकास कुमार और डीन एकता सिंधु ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। इस चर्चा में बीसीए एवं बीबीए के छात्र-छात्राओं के बीच बड़ी बहस हुई जिसमें बीसीए के छात्र-छात्राओं ने सोशल मीडिया को एक अभिशाप बताया और वहीं बीबीए के छात्र छात्रों ने वरदान बताया। दोनों ही और से सोशल मीडिया के लाभ और उससे होने वाले नुकसान को लेकर तर्क वितर्क किए गए।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बीएजेएमसी के सभी स्टाफ मेंबेरो का विशेष सहयोग रहा एवं मंच का कुशल संचालन बीएजेएमसी के छात्र यश कुमार, प्रतिभा शर्मा, शिवानी एवं तन्नु द्वारा किया गया।

लाभपरक योजनाओं का लाभ उठाएं ग्रामवासी : कौशल चौहान

मेरठ, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। शनिरवार को भारत सरकार के प्राथमिकता कार्यक्रमों में से एक 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर विकासखंड रजपुरा के बहचौला गांव में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष शिव कुमार राणा, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी, विक्की तनेजा, इंद्रपाल बजरंगी, गीता चौधरी, ग्राम प्रधान मोंटी कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी अंशुल पुंडीर, खंड विकास अधिकारी अजय कुमार, एडीओ पंचायत त्रिभुवन कौशिक, एडीओ आईएसबी एवं विकासखंड के समस्त अधिकारी कर्मचारी तथा बहचौला गांव के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लाइव सुना तथा पंच प्रण की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन ग्राम पंचायत अधिकारी नरेंद्र कुमार ने किया। पंचायत उद्योग के चेयरमैन कौशल चौहाने ने ग्रामीणों को संबोधित कर सरकार की लाभार्थीपरक योजनाओं को गिनाया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

- **विकसित भारत संकल्प यात्रा**
- **बहचौला गांव में कार्यक्रम का हुआ आयोजन**
- **दर्जनों विभागों ने लगाए स्टाल, योजनाओं की दी जानकारी**

ड्रोन के लाइसेंस और मरम्मत के बारे में बताया

मेरठ, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित 10 दिवसीय वर्कशॉप ऑन ड्रोन टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर में सभी ट्रेनीज ड्रोन तकनीक के विभिन्न आयामों को जानने के जिज्ञासु हैं। इसी कर्म में हमारे यहां विश्वविद्यालय में इस ट्रेनिंग का छठा दिन था जिसमें की सभी प्रतिभागियों ने सबसे पहले डॉ. विपिन द्वारा ड्रोन का लाइसेंस और मेंटेनेंस के बारे एम बताया। उन्होंने बताया की ड्रोन का सही तरीके इस्तेमाल न करें तो आपको क्या पेनल्टी देनी पड़ सकती है इसके बारे में बताया।

ड्रोन को इस्तेमाल करने के तीन जोन के बारे में बताया गाया। विद्यार्थियों ने जाना की ड्रोन को आप हर जगह इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित तीन जोन होते है जैसे ग्रीन जोन, येलो जोन एंड रेड जोन। आप सिर्फ ग्रीन जोन में ही उड़ा सकते हैं। इसके बाद डॉक्टर मनोज कुमार पांडेय जी द्वारा ड्रोन के टाइप के बारे में बताया।

किसान हितैषी विचारधारा को आगे लेकर बढ़ेगा लोकदल : विजेन्द्र सिंह

मवाना, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की किसान हितैषी विचारधारा को लेकर आगे बढ़ रहे राजनैतिक दल लोकदल ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिमी यूपी में ताल ठोंक दी है। लोकदल ने चौधरी विजेंद्र सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है।

- **राष्ट्रीय महासचिव ने रैली की तैयारियों का लिया जायजा**
- **बिजनौर में आज रैली निकालेंगे कार्यकर्ता**

बिजनौर आगमन से पूर्व शनिवार को मध्य गंग नहर किनारे स्थित एसवीएस स्कूल में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विजेंद्र सिंह ने यात्रा की तैयारी का जायजा लिया। शनिवार को एस वी एस स्कूल परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में विजेंद्र सिंह ने कहा लोकसभा चुनाव के पहले चाहे छोटे दल हो या बड़े दल सब अपना आकार बड़ा करने में लगे हैं। किसानों की राजनीति करने वाले लोक दल ने भी लखनऊ में

2024 चुनाव के लिए कमर कसना शुरू कर दिया है।

चौ. विजेन्द्र सिंह ने बताय कि रविवार यानि आज बिजनौर में बड़ी रैली निकालेगी और पार्टी की ताकत को दिखाएगी। उन्होंने कहा कि जनता का लगातार समर्थन मिल रहा है।

आयोजन *अंडर 14, 17 व 19 डीएवी स्पोर्ट्स स्टेट लेवल-2023 की शुरुआत*

48 टीमों के करीब 1300 छात्र कर रहे प्रतिभागिता

मेरठ, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। शनिवार को डीएवी सैंटेनरी पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में आयोजित कराई जा रही तीन दिवसीय 'डीएवी स्पोर्ट्स स्टेट लेवल-2023 अंडर 14, 17, 19 का आगाज किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुभारती यूनिवर्सिटी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ शल्य राज तथा मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय खेल अधिकारी डॉ योगेंद्र सिंह उपस्थित रहे। डीएवी स्पोर्ट्स स्टेट लेवल, 2023, अंडर 14, 17, 19 में यूपी की लगभग 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिसमें 1200 से ज्यादा स्टूडेंट्स भाग ले रहे हैं। डीएवी स्पोर्ट्स स्टेट लेवल 2023 में 30 खेल, डीएवी सैंटेनरी पब्लिक स्कूल मेरठ, कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम, बालेराम बृजभूषण सरस्वती शिशु मंदिर, मूलचंद क्रिकेट ग्राउंड हापुड़ तथा विक्टोरिया पार्क में खेले जाएंगे, जिसमें यूपी जोन के चार क्लस्टर तथा नोएडा रीजन के स्कूल हिस्सा ले रहे हैं। डॉ शल्य राज ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि खेल सदैव खेल भावना से ही खेले जाएं तथा अनुशासन का पूर्णतया ध्यान रखा जाए। विशिष्ट अतिथि ने डीएवी द्वारा किए जा रहे आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि डीएवी प्रशंसा का पात्र है कि वह समय-समय पर ऐसे खिलाड़ियों को सक्षम करने में सहायक बनता है, जो अपनी पहचान खेल जगत में बनाना चाहते हैं।

- **हापुड़ व मेरठ के चार अलग-अलग स्थानों पर खेले जा रहे है खेल**
- **मेरठ के डीएवी सैंटेनरी पब्लिक स्कूल द्वारा कराया गया आयोजन**

डॉ.शल्य राज ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए यह घोषणा की कि प्रथम 30 विजेता खिलाड़ियों को खेल क्षेत्र के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। डॉ अल्पना शर्मा, क्षेत्रीय अधिकारी, यू पी जोन, ए तथा स्टेट कोऑर्डिनेटर डीएवी स्पोर्ट्स, ने उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि डीएवी सदैव खेल जगत में अपनी अभूतपूर्व भूमिका का निर्वाह करता रहा है। समय-समय पर डीएवी के खिलाड़ी नेशनल तथा इंटरनेशनल तक पहुंच कर डीएवी का नाम रोशन करते रहे हैं और इन खेलों का आयोजन करने के पीछे डीएवी का एकमात्र उद्देश्य यही है कि विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ खेल जगत में भी अपना नाम रोशन करें तथा अपना सर्वांगीण विकास करें। डॉ अल्पना शर्मा जी ने इस बात की भी पुष्टि की कि डीएवी संस्था द्वारा खेले जा रहे, खेलों को 'मिनिस्ट्री ऑफ स्पोर्ट्स भारत सरकार' की ओर से मान्यता प्रदान कर दी गई है। अब वह दिन दूर नहीं जब डीएवी का विद्यार्थी नेशनल में अपनी पहचान बनाने में समर्थ हो जाएगा। डॉ. अल्पना शर्मा ने, सुभारती यूनिवर्सिटी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ शल्य राज को उनके द्वारा दिए गए प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

वेदव्यासपुरी स्थित क्रांतिधरा पार्क का भूमि पूजन

मेरठ, 9 दिसम्बर (देशबन्धु)। मंत्री, पशुधन, दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण एवं मुस्लिम वक्फ एवं हज तथा नागरिक सुरक्षा विभाग उप्र प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियो के साथ मेरठ विकास प्राधिकरण के अंतर्गत वेदव्यासपुरी स्थित क्रांतिधरा पार्क का भूमि पूजन किया गया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि देश की आजादी की लडाई में मेरठ का विशेष योगदान रहा। यह पार्क प्रदूषण से मुक्त वातावरण देने का काम करेगा। इस अवसर पर राज्यमंत्री ऊर्जा डा सोमेन्द्र तोमर, महापौर हरिकांत आहलुवालिया, सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई, राज्यसभा सांसद विजय पाल सिंह तोमर, विधायक मेरठ कैन्ट अमित अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज, एमएलसी शर्मा, एमएलसी अश्वनी त्यागी, आयुक्त सेल्वा कुमारी जे., जिलाधिकारी दीपक मीणा, उपाध्यक्ष एमडीए अभिषेक पाण्डेय सहित गणमान्य व्यक्तिव संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अश्वत्थामा का किरदार निभाएंगे शाहिद कपूर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर सिल्वर स्क्रीन पर अश्वत्थामा का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। निर्देशक आदित्य धर ने इम्मोर्टल आफ अश्वत्थामा बनाने की घोषणा की थी और उनका इरादा विक्की कौशल को अश्वत्थामा की भूमिका में लेने का था। लेकिन बजट की दिक्कतों की वजह से उन्हें इस प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डालना पड़ा। चर्चा है कि वासु भगनानी और जैकी भगनानी इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि शाहिद कपूर को फिल्म के लिए पहले ही साइन कर लिया गया है।यह फिल्म हिंदू महाकाव्य महाभारत पर आधारित है और गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा की जिंदगी को चित्रित करेगी। अश्वत्थामा के पात्र को निभाने के लिए शाहिद कपूर को गहन शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना होगा।

वैज्ञानिकों ने अध्ययन में किया खुलासा

फेफड़ों में 2 साल तक रह सकता है कोविड वायरस

लंदन, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। एक अध्ययन में पता चला है कि कोविड-19 का कारण बनने वाला वायरस सार्स सीओवी-2 कुछ व्यक्तियों के फेफड़ों में संक्रमण के बाद 18 महीने तक रह सकता है।

नेचर इम्यूनोलॉजी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन से पता चला है कि कोविड वायरस का बने रहना जन्मजात प्रतिरक्षा की विफलता से जुड़ा हुआ है।

कोविड से संक्रमित होने के एक से दो सप्ताह बाद, सार्स सीओवी-2 वायरस आमतौर पर ऊपरी श्वसन नली में पता नहीं चल पाता है।

लेकिन, कुछ वायरस संक्रमण पैदा करने के बाद शरीर में गुप्त और अज्ञात तरीके से बने रहते हैं। वे उस स्थान पर बने रहते हैं, जिसे वायरल भंडार के रूप में जाना जाता है, भले ही यह ऊपरी श्वसन पथ या रक्त में अवांछनीय रहता है। यह एचआईवी का मामला है, जो कुछ प्रतिरक्षा कोशिकाओं में गुप्त रहता है और किसी भी समय पुन: सक्रिय हो सकता है।

इंस्टीट्यूट पाश्चर की टीम ने कहा कि यह सार्स सीओवी 2 वायरस का भी मामला हो सकता है, जो कोविड-19 का कारण बनता है, जिसने

■ कोविड वायरस का बने रहना जन्मजात प्रतिरक्षा की विफलता

पहली बार 2021 में सिद्धांत की परिकल्पना की थी, और अब एक नॉन-ह्यूमन प्राइमेट के प्री-क्लिनिकल मॉडल में इसकी पुष्टि की है। सार्स सीओवी 2 वायरस की दृढ़ता का अध्ययन करने के लिए, वैज्ञानिकों ने उन पशु मॉडलों के जैविक नमूनों का विश्लेषण किया, जो वायरस से संक्रमित थे।

उन्होंने पाया कि फेफड़ों में लगातार बने रहने वाले वायरस की मात्रा मूल सार्स सीओवी 2 स्ट्रेन की तुलना में ओमिक्रॉन स्ट्रेन के लिए कम थी।

इंस्टीट्यूट पाश्चर की एचआईवी, सूजन और दृढ़ता इकाई के शोधकर्ता निकोलस हुओट ने कहा कि हम वास्तव में इतनी लंबी अवधि के बाद और जब नियमित पीसीआर परीक्षण नकारात्मक थे, कुछ प्रतिरक्षा कोशिकाओं वायुकोशीय मैक्रोफेज में वायरस पाकर आश्चर्यचकित थे।

इसके अलावा, हमने इन वायरस का संवर्धन किया और एचआईवी का अध्ययन करने के लिए विकसित किए गए उपकरणों का उपयोग करके यह देखने में सक्षम हुए कि वे अभी भी प्रतिलिपि

■ पशु मॉडलों के जैविक नमूनों का विश्लेषण, वायरस से संक्रमित मिले पशु

बनाने में सक्षम थे। इन वायरल भंडारों को नियंत्रित करने में जन्मजात प्रतिरक्षा की भूमिका को समझने के लिए, वैज्ञानिकों ने फिर अपना ध्यान एनके कोशिकाओं की ओर लगाया।

मुलर-ट्रुटविन ने कहा कि जन्मजात प्रतिरक्षा की सेलुलर प्रतिक्रिया, जो शरीर की रक्षा की पहली पंक्ति है, का अब तक सार्स सीओवी 2 संक्रमणों में बहुत कम अध्ययन किया गया है। फिर भी यह लंबे समय से ज्ञात है कि एनके कोशिकाएं वायरल संक्रमण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अध्ययन से पता चलता है कि कुछ जानवरों में, सार्स सीओवी 2 से संक्रमित मैक्रोफेज एनके कोशिकाओं द्वारा विनाश के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। जबकि अन्य में, एनके कोशिकाएं संक्रमण के प्रति अनुकूलन करने में सक्षम होती हैं और प्रतिरोधी कोशिकाओं को नष्ट कर देती हैं।

टीम ने कहा कि इसलिए जन्मजात प्रतिरक्षा लगातार सार्स सीओवी 2 वायरस के नियंत्रण में भूमिका निभाती प्रतीत होती है।

सारा अली खान ने कभी नहीं दिया 'एनिमल' के लिए ऑडिशन

मुंबई, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। रणबीर कपूर-स्टारर एक्शन ड्रामा 'एनिमल' में तृप्ति डिमरी की बहुचर्चित भूमिका के लिए सारा अली खान को कास्ट करने की मीडिया रिपोर्टों के बीच, एक अंदरूनी सूत्र ने अफवाहों को खारिज कर दिया और खुलासा किया है कि उन्होंने कभी फिल्म के लिए ऑडिशन भी नहीं दिया था।

वायरल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐसी चर्चा थी कि सारा को 'एनिमल' में जोया वहाब रियाज की भूमिका के लिए कास्ट करने पर विचार किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा सारा के ऑडिशन से 'उत्साहित' नहीं थे, और उन्होंने तृप्ति को जोया के किरदार के लिए बेहतर पाया।

अफवाहों पर विराम लगाते हुए, इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्र ने खुलासा किया, 'सारा अली खान ने कभी भी 'एनिमल' के लिए ऑडिशन नहीं दिया।'

संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित 'एनिमल' में रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म एक बिजनेस मैग्नेट बलबीर सिंह (अनिल) और उनके बेटे अर्जुन सिंह (रणबीर) के जटिल रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। तृप्ति ने 'एनिमल' में एक छोटी सी भूमिका से बड़ा प्रभाव डाला है। यह फिल्म हिंसा, रोमांस और अंतरंगता से भरपूर है।

सारा को आखिरी बार 'जरा हटके, जरा बचके' में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म विजय वर्मा के साथ 'मर्डर मुबारक', आदित्य रॉय कपूर के साथ 'मेट्रो इन दिनों' और 'ऐ वतन मेरे वतन' है।

धर्मेंद्र ने पहना फैन्स का गिफ्ट किया हुआ साफा

मुंबई, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। दिग्गज बॉलीवुड स्टार धर्मेंद्र का शुक्रवार को जन्मदिन था। उन्होंने इस ख़ास दिन पर मिले प्यार के लिए आभार व्यक्त किया। शनिवार को, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को धन्यवाद देते हुए अपना एक वीडियो साझा किया। लगता है वीडियो उनके घर पर रिकॉर्ड किया गया था। इसमें उन्हें साफा पहने और फूल का गमला पकड़े हुए दिखाया गया है, जो उनके प्रशंसकों द्वारा भेजा गया है। वीडियो में वह कहते हैं, 'दोस्तों, हर जगह से, गांव से, ऐसे प्यारे-प्यारे तोहफे आए हैं, साफा आया है, मैं पहन के देख रहा हूं कैसा लगता हूं।' उन्होंने आगे कहा कि इसमें प्यार ही प्यार है। बहुत अच्छा लगता है। सब आपका प्यार, दुआएं हैं। जीते रहो, खुश रहो। जिस तरह से आप प्यार दे रहे हो, आपको जी जान से प्यार देता हूं मैं भी। मैं आप सभी से प्यार करता हूं। ठीक है। तुमसे प्यार है। एक्टर ने फ्लाइंग किस के साथ वीडियो खत्म किया।

कश्मीर की पेपर-मैचे कला का पुर्नद्धार

श्रीनगर, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के कारीगर कश्मीरी पेपर-मैचे कला को बरकरार रखने और आकर्षक बनाने के लिए अपने उत्पादों में ईरानी कलाकृति का मिश्रण कर रहे हैं।

अख्तर मीर एंड ब्रदर्स पेपर-मैचे फैक्ट्री चलाने वाले श्रीनगर में जदीबल इलाके के निवासी कारीगर नईम मीर (32) ने कहा कि पहले यह कला हजारा (हजारों फूल) और गुलंदर गुल सहित कुछ डिजाइन कार्यों तक ही सीमित थी, लेकिन जब से इसे सोने के स्पर्श के साथ फ़ारसी कला के साथ मिलाया गया है तब से यह बड़े पैमाने पर फिर से पुनर्जीवित हो गया है। बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) में परास्नातक करने वाले मीर ने कहा कि पहले कश्मीर से पेपर-मैचे की वस्तुएं केवल क्रिसमस त्योहार के दौरान यूरोपीय देशों में निर्यात की

पहली बार 80 फीसदी ऑर्डर केवल मध्य पूर्व से और 20 फीसदी ऑर्डर यूरोप से मिले

जाती थीं, लेकिन ईरानी कला को गोल्ड टच वर्क के साथ मिलाने के बाद, इसे पहली बार मध्य पूर्व से ग्राहक मिले हैं। कारीगर मीर ने कहा कि हमें पिछले साल से मध्य पूर्व से ऑर्डर मिल रहे हैं और इस साल हमें पहली बार 80 फीसदी ऑर्डर केवल मध्य पूर्व से और 20 फीसदी ऑर्डर यूरोप से मिले हैं। उन्होंने कहा कि पेपर-मैचे कला ने भी भारत में फिर से अपना बाजार ढूंढना शुरू कर दिया है और लोग अपने घरों की सजावट के लिए चीनी या सिरेमिक उत्पादों का उपयोग करने के बजाय, अब पेपर-मैचे उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं जो उन्हें लगता है कि अधिक आकर्षक और पर्यावरण-अनुकूल भी हैं।

इसके अलावा लोग न केवल कश्मीर में बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी अपने घरों के इंटीरियर डिजाइन बनाने में पेपर-मैचे कला का उपयोग करते हैं। निदेशक हस्तशिल्प महमूद शाह ने कहा कि हम कारीगरों के समर्थन में हैं और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

एचसीएल टेक	2.69 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	2.44 प्रतिशत
इंफोसिस	1.67 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.38 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.17 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

आईटीसी	1.95 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.48 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.00 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.73 प्रतिशत
टाटा स्टील	0.62 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

देश, देशवासियों के हित पर आधारित सरकार की नीतियों का फल है ऊंची वृद्धि : मोदी

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत की जोरदार आर्थिक वृद्धि दर का उल्लेख करते हुए शनिवार को कहा कि देश की यह तेज वृद्धि उनकी सरकार की देश और देशवासियों के हित पर आधारित आर्थिक नीतियों का नतीजा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड 19 महामारी के दौरान भारत के सूझबूझ भरे राजकोषीय और मौद्रिक कदमों तथा विकासमूलक बुनियादी सुधारों का फायदा देश की अर्थव्यवस्था को आज मिल रहा है। श्री मोदी फिनटेक पर एक वैश्विक विचार नेतृत्व मंच, इन्फिनिटी फोरम के दूसरे संस्करण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में 7.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि का उल्लेख किया और कहा, 'आज भारत की आर्थिक वृद्धि की गाथा ने दुनिया को दिखाया है कि जब नीति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, जब सुशासन के लिए पूरी ताकत लगायी जाएग, जब देश और देशवासियों का हित ही आर्थिक नीतियों का आधार हो , तो क्या नतीजे मिलते हैं।' सरकार के तत्वावधान में इन्फिनिटी फोरम का यह कार्यक्रम आगामी

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 के पहले के कार्यक्रम के रूप में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) और गिफ्ट सिटी, अहमदाबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। 'गिफ्ट-आईएफएससी- नर्व सेंटर फॉर न्यू एज ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन को आडियो विजुअल माध्यम से संबोधित करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि दिसंबर 2021 में इन्फिनिटी फोरम के पहले संस्करण के आयोजन के दौरान वैश्विक आर्थिक स्थिति कोविड19 महामारी और अनिश्चितता से प्रभावित थी। उन्होंने कहा कि वे चिंताएं अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। श्री मोदी ने भू-राजनीतिक तनाव,

देश की यह तेज वृद्धि उनकी सरकार की देश और देशवासियों के हित पर आधारित आर्थिक नीतियों का नतीजा है। कोविड 19 महामारी के दौरान भारत के सूझबूझ भरे राजकोषीय और मौद्रिक कदमों तथा विकासमूलक बुनियादी सुधारों का फायदा देश की अर्थव्यवस्था को आज मिल रहा: नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उच्च मुद्रास्फीति और बढ़ते ऋण स्तर की चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, गत सितंबर में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने कहा था कि वर्ष 2023 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि में अकेले 16 प्रतिशत का योगदान भारत का होगा। विश्वबैंक का भी कहना है कि 'वैश्विक चुनौतियों के बीच, भारत से काफी उम्मीदें हैं।' श्री मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के इस बयान को भी स्वीकार किया कि भारत वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने देश में लालफीताशाही कम होने से निवेश के बेहतर अवसर पैदा होने के बारे में विश्व आर्थिक मंच की टिप्पणी पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण है, यह इसकी मजबूत अर्थव्यवस्था और पिछले 10 वर्षों के परिवर्तनकारी सुधारों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि दुनिया जब (महामारी के दौर में) राजकोषीय और मौद्रिक राहत में लगी थी , भारत के दीर्घकालिक विकास और आर्थिक क्षमता विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया। देश को आज उसका फायदा हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण बढ़ाने के महत्व को जानता है, देश में कई क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की नीति में ढील दी गयी है, नियम प्रकियाओं के अनुपालन के बोझ में कमी लायी गयी है और भारत ने 3 नए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी और आईएफएससीए भारतीय और वैश्विक वित्तीय बाजारों को एकीकृत करने के लिए एक बड़े सुधार का हिस्सा है। श्री मोदी ने कहा, 'गिफ्ट सिटी नवाचार, दक्षता और वैश्विक सहयोग के नए मानक स्थापित करेगा।'

नवम्बर तक श्रीलंका का पर्यटन राजस्व 1.8 अरब डॉलर दर्ज किया गया

कोलंबो, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका (सीबीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, श्रीलंका ने इस साल नवंबर तक 1.8 अरब डॉलर का पर्यटन राजस्व दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी अवधि से 78.3 प्रतिशत अधिक है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार नवंबर

2023 में पर्यटन से अर्जित राजस्व बढ़कर 20.53 करोड़ डॉलर हो गया, जो नवंबर 2022 के मुकाबले दोगुना है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अली साबरी ने गुरुवार को संसद को बताया कि देश में अधिक एयरलाइंस आने से 2024 में पर्यटकों का आगमन बढ़ेगा। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में श्रीलंका में 1,51,496 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए जो 2023 में आने वाले पर्यटकों की सबसे अधिक मासिक संख्या है।

श्रीलंका पर्यटन विकास प्राधिकरण के अनुसार, वर्ष के पहले 11 महीने में श्रीलंका में कुल 12.7 लाख है। पर्यटन श्रीलंका के शीर्ष विदेशी राजस्व स्रोतों में से एक है। नवंबर के अंत में, सरकार ने आने वाले मौसम में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चीन, भारत, इंडोनेशिया, रूस, थाईलैंड, मलेशिया और जापान के नागरिकों के लिए वीज़ा शुल्क माफ कर दिया।

सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए अगले साल मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है ताकि कीमतें नियंत्रण से बाहर न हो।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीटीएफ) ने एक अधिसूचना में कहा, 'प्याज के लिए निर्यात नीति को 31 मार्च 2024 तक प्रतिबंधित कर दिया गया है।' हालांकि, डीजीएफटी ने कहा कि अन्य देशों को उनके अनुरोध के आधार पर सरकार द्वारा दी गई अनुमति के तहत प्याज के निर्यात की अनुमति दी जाएगी। प्याज के शिपमेंट, जिनकी लोडिंग इस अधिसूचना से पहले शुरू हो गई थी, को निर्यात करने की अनुमति है। इसके अलावा ऐसे मामलों में जहां शिपिंग बिल दाखिल किया गया है और जहाजों ने प्याज की लोडिंग के लिए पहले से ही भारतीय बंदरगाहों पर रखा है। इस अधिसूचना से पहले उनकी रोटेशन संख्या आवंटित की गई है कि निर्यात के लिए शिपमेंट की भी अनुमति है। सरकार ने पहले बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के प्रयास में निर्यात को हतोत्साहित करने के लिए 31 दिसंबर 2023 तक 800 डॉलर प्रति मीट्रिक टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाया था।

अमेज़न ने फर्जी रिटर्न से लाखों डॉलर की चोरी करने वाले घोटालेबाजों पर मुकदमा किया

सैन फ्रांसिस्को, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। अमेज़न ने आरईकेके नामक एक समूह पर मुकदमा दायर किया है, जो व्यवस्थित रिफंड दुरुपयोग के माध्यम से अमेज़न के ऑनलाइन स्टोर से लाखों डॉलर के उत्पाद चुराने के लिए जिम्मेदार है। मुकदमे के माध्यम से, अमेज़न ने कहा कि मुकदमे का मकसद साजिश को उजागर करना और उन्हें उनकी धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार ठहराना है। ग्राहकों की सुरक्षा करना और बिक्री भागीदारों का विश्वास अर्जित करना अमेज़न के मुख्य मूल्य हैं। खुदरा चोरी हमेशा से एक समस्या रही है जो ऑनलाइन और भौतिक खुदरा विक्रेताओं को समान रूप से परेशान करती है।

मुकदमा में कहा गया है, 'खुदरा चोरी के एक रूप में व्यवस्थित रिफंड धोखाधड़ी शामिल है, जो ग्राहकों और बिक्री भागीदारों को कुशलतापूर्वक सेवा

देने की अमेजन की क्षमता को कमजोर करती है। जो ग्राहक अमेज़न के ऑनलाइन स्टोर से खरीदारी करते हैं, उन्हें अपनी खरीदारी से प्रसन्न होना चाहिए, और अगर वे नहीं हैं, तो उन्हें आसानी से उत्पाद वापस करने में सक्षम होना चाहिए।' आरईकेके एक टेलीग्राम चैनल संचालित करता है जिसके 30,000 से अधिक फॉलोअर हैं, जहां वे बेशर्मी से रिफंड सेवाओं का विज्ञापन करते हैं, जिन्हें वे पूरी तरह से स्वीकार करते हैं कि वे धोखाधड़ी हैं।

आरईकेके रिफंड प्राप्त करने के लिए कई तरीकों का उपयोग करता है, जिसमें सोशल इंजीनियरिंग अमेजन ग्राहक सेवा, अमेज़न कर्मचारियों को फिशिंग करना, अनधिकृत पहुंच के माध्यम से अमेज़न के सिस्टम में हेरफेर करना और रिफंड देने के लिए अमेजन के अंदरूनी सूत्रों को रिश्वत देना शामिल है। यह योजना अमेजन को वादे के अनुसार उत्पादों को वापस करने के बजाय, उन उत्पादों के लिए रिफंड संसाधित करने के लिए प्रेरित करती है जो कभी वापस नहीं किए जाते हैं।

सार संक्षेप

गोल्ड लोन मेला के विजेताओं को सोने के सिक्के वितरित

नई दिल्ली। नॉन-बैंकिंग फाईनेंस कंपनी आईआईएफएल फाईनेंस ने सितंबर में भिन्न-भिन्न जगहों पर आयोजित अपने 'एक दिवसीय गोल्ड लोन मेला' कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कार में सोने के सिक्के वितरित किए हैं जिनमें पंजाब की जशनदीप कौर, दिल्ली से आयुष सोनी, उत्तर प्रदेश से सोनू श्रीवास्तव और महाराष्ट्र से रजनीकांत लटके शामिल हैं। आईआईएफएल फाईनेंस ने 5 सितंबर को भारत के सबसे बड़े एक दिवसीय गोल्ड लोन मेला का आयोजन किया था, जिसमें रिकॉर्ड स्तर पर लोन का वितरण दर्ज हुआ। कंपनी ने आज यहां कहा कि आईआईएफएल फाईनेंस लोन एस्सेट की दृष्टि से भारत की दूसरी सबसे बड़ी गोल्ड लोन कंपनी है, और यह लाखों ग्राहकों की पसंदीदा गोल्ड लोन प्रदाता है। आईआईएफएल फाईनेंस में ज़ोनल हेड, गोल्ड लोन, मनीष मयंक ने कहा 'हम अपने ग्राहकों की जरूरतों को समझते हैं और उसके अनुरूप ही अपने उत्पाद व सेवाएं पेश करते हैं। गोल्ड लोन मेला हमारे ग्राहकों के बीच काफी लोकप्रिय कार्यक्रम है, जिसमें लोन लेने वाले सभी लोगों को उपहार मिलता है। कुछ विजेताओं को हम सोने के सिक्के जैसे बड़े पुरस्कार भी देते हैं। हम सभी विजेताओं को बधाई देते हैं, और भविष्य में भी इस तरह के गोल्ड लोन मेलों का आयोजन करते रहेंगे।' आईआईएफएल फाईनेंस अगला एक दिवसीय गोल्ड लोन मेला सोमवार (11 दिसंबर) को आयोजित कर रहा है और यह इस दिन गोल्ड लोन लेने वाले हर व्यक्ति को उपहार एवं आकर्षक ब्याज दर के साथ पुनर्भुगतान में लचीलापन भी प्रदान करेगा। आईआईएफएल भारत में अपनी 4,400 शाखाओं के साथ काम करता है। यह ग्राहकों के साथ पारदर्शी व्यवहार या 'सीधी बात' के लिए मशहूर है, जो कंपनी की ब्रांड और बिज़नेस फिलॉसफी भी है।

चीन में नागरिक उड्डयन सेवा में परिवर्तन

बीजिंग। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस 7 दिसम्बर को मनाया गया। चीन की वेस्ट एयर कंपनी की पर्सर (केबिन मैनेजर) ह्वांग मेईच्याओ का जन्म वर्ष 1991 में हुआ। अब तक उन्होंने 11 सालों तक सुरक्षित उड़ान पूरी की और उड़ान का कुल समय 8,000 घंटे से भी अधिक है। ह्वांग मेईच्याओ चीन में नागरिक उड्डयन सेवा में परिवर्तन की साक्षी बनीं। वर्ष 2012 में ह्वांग मेईच्याओ वेस्ट एयर कंपनी में शामिल हुईं। काम करने से अब तक 11 वर्ष हो चुके हैं। वे युवा फ्लाइट अटेंडेंट से परिपक्व पर्सर बन चुकी हैं। इस दौरान वेस्ट एयर कंपनी के विमानों की संख्या 8 से बढ़कर 39 तक पहुंची। विमान में सुविधाएं आधुनिक होती जा रही हैं और केबिन सेवा में काफी बदलाव हो गया है। इससे चीन के नागरिक उड्डयन उद्योग का तेज विकास जाहिर हुआ। सेल्फ चेक-इन और बुद्धिमान सुरक्षा जांच आदि तकनीक लोकप्रिय होने लगे। यात्रा के व्यापक तरीकों का निर्बाध कनेक्शन सामने आया। टर्मिनल में विभिन्न उपभोक्ता वस्तुएं उपलब्ध हैं।

एआई लैंडस्केप पर पूर्व-ट्विटर इंडिया प्रमुख के साथ काम कर रहा ओपन एआई

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। सैम ऑल्टमैन का ओपनएआई कथित तौर पर पूर्व-ट्विटर इंडिया प्रमुख ऋषि जेटली के साथ काम कर रहा है ताकि चैटजीपीटी डेवलपर को एआई के लेकर भारत सरकार की नीतियों और विनियमों को समझने में मदद मिल सके। टेकक्रंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जेटली एआई नीति के बारे में सरकार के साथ बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए ओपनएआई के साथ वरिष्ठ सलाहकार के रूप में काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में शनिवार को बताया गया, 'ओपनएआई भारत में एक स्थानीय टीम स्थापित करने पर भी विचार कर रहा है।'

ओपनएआई या जेटली ने अभी तक रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं की है। जेटली ने 2012 में ट्विटर (अब एक्स) में जाने से पहले 2007 से 2009 तक भारत में गूगल के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी के प्रमुख के रूप में कार्य किया। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, वह देश में

कंपनी के पहले कर्मचारी थे। जेटली ने 2016 के अंत में ट्विटर छोड़ दिया और द टाइम्स ग्रुप की वैश्विक निवेश शाखा, टाइम्स ब्रिज के सह-संस्थापक और सीईओ बन गए। ओपनएआई के वैश्विक मामलों के उपाध्यक्ष अन्ना मकांजू अगले सप्ताह दिल्ली में ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जीपीएआई) शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के लिए तैयार हैं।

ओपनएआई की वर्तमान में देश में आधिकारिक उपस्थिति नहीं है। जून में, ऑल्टमैन ने अपनी भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनके साथ भारत के टेक इकोसिस्टम पर चर्चा की।

ऑल्टमैन, जिन्होंने इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी दिल्ली (आईआईआईटी-दिल्ली) में छात्रों और अन्य लोगों को भी संबोधित किया, ने कहा कि उनकी पीएम मोदी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। ऑल्टमैन ने एक्स पर पोस्ट किया था, 'भारत के टेक इकोसिस्टम और एआई से देश कैसे लाभान्वित हो सकता है, इस पर चर्चा करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के साथ शानदार बातचीत हुई।' ऑल्टमैन ने भारतीय स्टार्टअप्स को नए रास्ते तलाशने और दुनिया में नवीन विचारों का योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जेरोधा के संस्थापक कामथ ब्रदर्स का मुआवजा वित्त वर्ष 2022-23 में 200 करोड़ तक पहुंचा

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। ऑनलाइन ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म जेरोधा के संस्थापक नितिन और निखिल कामथ ने वित्त वर्ष 2022-23 में मुआवजे के रूप में सामूहिक रूप से 195.4 करोड़ रुपए की कमाई की। एनट्रैकर की एक

जेरोधा के सह-संस्थापकों और निदेशकों ने अपने वार्षिक पारिश्रमिक के रूप में प्रत्येक को 72-72 करोड़ रुपए लिए

रिपोर्ट के अनुसार, जेरोधा के सह-संस्थापकों और निदेशकों ने अपने वार्षिक पारिश्रमिक के रूप में प्रत्येक को 72-72 करोड़ रुपए लिए। रिपोर्ट में कहा गया है, 'वित्त वर्ष 2021-22 में, जेरोधा के बोर्ड ने अपने तीन निदेशकों में से प्रत्येक को 100 करोड़ रुपए तक के पारिश्रमिक को मंजूरी देते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।' वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, जेरोधा के लिए कर्मचारी लाभ लागत वित्त वर्ष 2021-22 में 459 करोड़ रुपए की तुलना में 35.7 प्रतिशत बढ़कर 623 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी ने निदेशकों सहित कर्मचारियों को कुल 380 करोड़ रुपए का वेतन दिया।

कंपनी का मूल्य अब 3.6 अरब डॉलर है। निखिल कामथ हाल ही में 37 साल की उम्र में भारत

के सबसे कम उम्र के अरबपति बने। फोर्ब्स की भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की ताजा सूची के अनुसार, भाई नितिन और निखिल कामथ 5.5 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ देश के सबसे अमीर लोगों में 40वें स्थान पर थे। कामथ ब्रदर्स ने 2010 में जेरोधा की स्थापना की, जिसने शून्य-लागत इक्विटी निवेश में क्रांति ला दी। जेरोधा ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 6,875 करोड़ रुपये का राजस्व और 2,907 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में राजस्व और लाभ में क्रमश: 38.5 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वित्त वर्ष 2022 में कंपनी ने 4,964 करोड़ रुपए का राजस्व और 2,094 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में दाल दलहन और खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

'डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा भारतीय स्टार्टअप के विकास को गति दे रहा'

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर (एजेंसियां)। उद्योग जगत के लीडर्स ने शनिवार को कहा कि पिछले दशक में भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के विकास ने देश में स्टार्टअप को रफ्तार दी है। इन्फो एज इंडिया लिमिटेड के संस्थापक संजीव बिखचंदानी ने फिक्की की वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारत में अनुसंधान और विकास वर्तमान में एक दशक पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में है, जिसने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में स्टार्टअप आईपीओ के एक समूह को बढ़ावा दिया है।

हालांकि, शुरुआती चरण के स्टार्टअप के लिए फंडिंग की कोई कमी नहीं है, लेकिन रक्षा-तकनीक, ड्रोन जैसे क्षेत्रों में संभावित ग्राहक बाजार

उपलब्ध कराने में सरकार का समर्थन प्रासंगिक है, क्योंकि सरकार ही मुख्य खरीदार है। मामाअर्थ (होनासा कंज्यूमर प्राइवेट लिमिटेड) की सह-संस्थापक गजल अलघ ने कहा कि स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र उद्यमिता के पक्ष में विकसित हो रहा है।

उन्होंने कहा, 'भारत में बढ़ता मध्यम वर्ग उपभोक्ता हितैषी कंपनियों के लिए एक बड़ा समर्थक रहा है। सरकार द्वारा स्थापित राज्य-स्तरीय इन्क्यूबेशन केंद्र छात्रों को अपना स्टार्टअप बनाने के लिए सशक्त बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है।' टाइटन कैपिटल और ऐस वेक्टर ग्रुप के सह-संस्थापक रोहित बंसल के अनुसार, देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए कराधान (टैक्सेशन) के मामले में सार्वजनिक और निजी कंपनियों के बीच समान अवसर प्रदान करने जैसे उपाय आवश्यक हैं। एस्टेरिया एयरोस्पेस लिमिटेड के निदेशक और सह-संस्थापक नील मेहता ने कहा कि रक्षा, अंतरिक्ष, एआई/एमएल और बायोटेक जैसे क्षेत्र डीपटेक के प्रमुख लाभार्थी हैं।

उन्होंने कहा, 'पिछले दशक में भारत में ड्रोन के उपयोग के संबंध में सार्वजनिक जागरूकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। डीपटेक क्षेत्र में नए दौर की नौकरियों का सृजन भी देखा गया है, और सही थीम पर निर्माण और उचित निष्पादन सुनिश्चित करना एक स्टार्टअप की सफलता की कुंजी हो सकता है।'

खेल जगत

दो या तीन श्रृंखलाओं में, हमें टी20 विश्व कप के लिए भारत के संयोजन का पता चल जाएगा : प्रज्ञान ओझा

सूरत, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को लगता है कि बीसीसीआई प्रबंधन और चयनकर्ता 2024 में टी20 विश्व कप से पहले टीम का पूरी तरह से आकलन करने के लिए दो या तीन और टूर्नामेंट ले सकते हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका रविवार से शुरू होने वाली टी20 सीरीज में आमने-सामने होने के लिए तैयार हैं। मेहमान कमोबेश उसी टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका गए हैं, जिसने वनडे विश्व कप के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के दौरान टीम से जुड़ेंगे। हालाँकि, ओझा को लगता है कि भारत की सीमित ओवरों की टीम में कोहली और रोहित के भविष्य के बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

भारत अब द. अफ्रीका में भी जीत का सिलसिला जारी रखने को बेताब

■ जडेजा व शुभमन टीम के जुड़ने से भारत द. अफ्रीका से निपटने के लिए बेहतर तौर पर तैयार

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (देशबन्धु)। सूर्य कुमार यादव बतौर कप्तान और बल्लेबाज अनुकरणीय खेल दिखा अपने घर में भारत को मजबूत मेहमान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की क्रिकेट सीरीज 4-1 से जिताने के बाद अब मेजबान दक्षिण अफ्रीका पर तीन टी-20 अंतराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के डरबन में रविवार को खेले जाने वाले पहले मैच में जीत दिला कर जीत का सिलसिला जारी रखने को बेताब होंगे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बीते बरस खेले गए पिछले पांच मैचों में दोनों टीमों ने दो -दो मैच जीते जबकि एक बेनतीजा अधूरा खत्म हुआ। नियमित कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे धुरंधरों के वन डे विश्व कप के बाद आराम लेने के बावजूद भारतीय टीम ने सूर्य की अगुआई में मेहमान ऑस्ट्रेलिया से टी-20 सीरीज दमदार ढंग से जीती। सूर्य की अगुआई वाली अपेक्षाकृत नौजवान भारतीय टीम मौजूदा दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए तीन टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए बतौर उपकप्तान अनुभवी उपकप्तान रवींद्र जडेजा, शुभमन गिल व मोहम्मद सिराज के टीम से जुडने से मेजबान दक्षिण अफ्रीका से निपटने के लिए जेहनी तौर बेतहर तैयार नजर आती है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों के लिए रविवार से शुरू हो रही तीन टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की यह सीरीज अगले साल के मध्य में वेस्ट इंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप की तैयारियों और सभी विकल्पों को आजमाने का बड़ा मौका है। ऐसे में टी-20 विश्व कप के लिए बतौर फिनिशर सबसे मजबूत दावेदार बताए जा रहे रिंकू सिंह और जीतेश शर्मा के दक्षिण अफ्रीका में उसकी तेज पिचों

पर प्रदर्शन पर करार पूरा होने के बाद टीम इंडिया के चीफ कोच की जिम्मेदारी जारी रखने वाले राहुल द्रविड़ की खासतौर पर निगाहें रहेंगी। रिंकू सिंह और जीतेश शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ा जिगरा दिखा छोटी पर मैच जिताउ पारी खेल कर सभी का ध्यान खींचा है। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में बल्ले से दमदार करने वाली बाएं हाथ के यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ की सलामी जोड़ी व अपने बड़े दिल वाले लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चीफ कोच कितने मैचों में मौका देंगे।

भारत के चीफ कोच राहुल द्रविड़ के सामने सबसे बड़ी चुनौती दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में पहले टी-20 मैच के लिए सर्वश्रेष्ठ एकादश चुनने की रहेगी। कप्तान सूर्य, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर ,इशान किशन व रवींद्र जडेजा के अनुभव के साथ शीर्ष क्रम में नौजवान यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ की सलामी जोड़ी की मौजूदगी में भारत की बल्लेबाजी खासी दमदार और दक्षिण अफ्रीका के मौजूदा तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ उसके स्पिनर महाराज और तबरेज शम्सी से बेहतर ढंग से निपटने में सक्षम नजर आती है। भारत के पास रिंकू के रूप में आखिर में दस गेंदों में दक्षिण अफ्रीका से मैच छीनने में सक्षम फिनिशर भी हैं। दरअसल भारत को अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर खासी माथापच्ची करनी होगी कि क्योंकि उसक पास शीर्ष क्रम में दो नहीं बल्कि चार सलामी बल्लेबाज हैं। यशस्वी और ऋतुराज के बढिया फॉर्म के मद्देनजर भारत को मजबूरन शुभमन गिल को तीसरे नंबर पर और श्रेयस को चौथे और फिर कप्तान सूर्य को पांचवें नंबर पर उतारना पड़ सकता है। बेशक चीफ कोच द्रविड़ और कप्तान सूर्य आपस में मिल बैठ कर इस बाबत जरूर गंभीरता से चर्चा करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका ने अपने तुरुप के अनुभवी तेज गेंदबाज कसिगो रबाडा के साथ नियमित कप्तान तेंबा बाबुमा को टेस्ट सीरीज के लिए तरोताजा रहने के लिए भारत के खिलाफ इस टी-20 सीरीज के लिए आराम दिया है। वहीं तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी टखने में चोट के बाहर हो गए हैं जबकि आंद्रे नोकिया चोट के चलते पहले ही बाहर हैं। एंगिडी के बाहर होने पर दक्षिण अफ्रीका ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ब्यूरन हैंड्रिक्स को अपनी टीम में शामिल किया है। दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी संभालने वाले एडन मरक्रम के पास अपने तीन शीर्ष तेज गेंदबाजों एंगिडी, रबाडा और नौकिया की गैरमौजूदगी के बावजूद मार्को येनसन, जेराल्ड कोइत्जी, लिजार्ड विलियम्स, ओटीनेल बार्टमैन, ब्यूरन हेंड्रिक्स के साथ ऑलराउडंर नेंड्रे बर्जरन और एंडले फेलुकायो के रूप में अपनी तेज गेंदबाजों की मुफीद पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों का इम्तिहान लेने के लिए पर्याप्त विकल्प हैं। तेज गेंदबाजों के साथ दक्षिण अफ्रीका के पास बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज , लेग स्पिनर तबरेज शम्सी और अपनी ऑफ स्पिन से भारतीय बल्लेबाजों पर लगाम लगाने के साथ विकेट चटकाने का दम रखने वाले कप्तान एडन मरक्रम भी हैं।

भारत के पास खुद कप्तान सूर्य कुमार यादव के साथ अलग अलग अंदाज में पारी को बढ़ाने वाले यशस्वी जायसवाल व ऋतुराज गायकवाड़ की सलामी जोड़ी, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर , इशान किशन अथवा जीतेश शर्मा, रिंकू सिंह, स्पिन ऑलराउंडर उपकप्तान रवींद्र जडेजा, ऑफ आठवें नंबर तक मजबूत बल्लेबाजी है। भारत यदि तीन तेज गेंदबाज के साथ उतरता है तो फिर बाएं हाथ के अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और मुकेश के साथ उतरना होगा क्योंकि दीपक चाहर अपने पिता के अस्वस्थ होने के कारण उपलब्ध नहीं हैं। भारत यदि तीन तेज गेंदबाजों और दो स्पिनरों के साथ उतरने का फैसला करता है तो फिर वह यह देखना दिलचस्प होगा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा 9 विकेट चटका मैन ऑफ द' सीरीज रहे रवि बिश्नोई , अनुभवी कुलदीप यादव और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर में किस एक को शामिल करेगा। अपने अनुभव के चलते केवल एक स्पिनर को एकादश में शामिल करने की स्थिति में उपकप्तान रवींद्र जडेजा से बेहतर भारत के लिए कोई अन्य स्पिनर नहीं है। भारत के चीफ कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान सूर्य कुमार यादव के लिए सबसे बड़ी चुनौती डरबन की पिच के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ संतुलित एकादश चुनने की होगी।

जिम्बाब्वे के कप्तान सिंकदर रजा पर दो मैच की पाबंदी

दुबई 9 दिसंबर (एजेंसियां)। आयरलैंड के खिलाफ मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिसंघ (आईसीसी) की आचार संहिता की लेवल-1 का उल्लंघन के दोषी पाये जाने जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर राजा पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है।

जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हुए पहले टी20 मैच मे रजा के अलावा आयरलैंड के खिलाड़ी कर्टिस केम्फर और जोस लिटिल को भी आईसीसी की आचार संहिता के उल्लघंन का दोषी पाया गया था, इसलिये उन दोनो पर भी दो मैच खेलने पर पाबंदी लगायी गयी है। जिम्बाब्वे के कप्तान रजा पर उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और दो डिमेरिट अंक दिये गये है , जिसका अर्थ है कि उनके नवीनतम उल्लंघन के बाद 24 महीने की अवधि के भीतर उनके संचित डिमेरिट अंक चार तक पहुंचने के बाद उन्हें मौजूदा तीन मैचों की श्रृंखला के शेष दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है।

आईसीसी ने एक बयान में कहा कि इन तीनों को आईसीसी आचार संहिता की लेवल-1 का उल्लंघन करते पाया गया, जो 'खेल की भावना के विपरीत आचरण' से संबंधित है। कप्तान रजा के हरफनमौला खेल की बदौलत जिम्बाब्वे ने यह मैच एक विकेट से जीत लिया था।

आईसीसी ने बयान जारी कर कहा कि कैंपर और लिटिल पर उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और प्रत्येक को एक डिमेरिट अंक प्राप्त हुआ है, जो 24 महीने के भीतर एक मैच खेलने से वंचित रहेंगे। कैंपर और लिटिल ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और आईसीसी मैच रेफरी के एमिरेट्स एलीट पैनल के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित मंजूरी को

स्वीकार कर लिया और इस तरह से अब औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं रही। सिकंदर रजा ने भी अपनी गलती मान ली है, लेकिन पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार नहीं किया है। इस मामले में शुक्रवार को औपचारिक सुनवाई में मंजूरी की पुष्टि की गई। रजा ने कहा कि कैम्फर और लिटिल ने उस पर हमला करने के उद्देश्य से अपना बल्ला दिखाने और अंपायर को दूरी बनाने को बोला था। जिन्होंने स्थिति को शांत करने की कोशिश की थी।

मैदानी अंपायर फोर्स्टर मुतिज़वा और इकोनो चाबी, तीसरे अंपायर लैंगटन रूसेरे और चौथे अधिकारी क्रिस्टोफर फिरी ने आरोप लगाए। आईसीसी की आचार संहिता की लेवल 1 के उल्लंघनों में न्यूनतम जुर्माना आधिकारिक फटकार, अधिकतम जुर्माना खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो डिमेरिट अंक काटने होते हैं।

रजा की अनुपस्थिति में शनिवार और रविवार को आयरलैंड के खिलाफ बाकी दो टी20 मैचों के लिए सीन विलियम्स को जिम्बाब्वे के कप्तान होंगे। कैंपर और लिटिल पर उनकी संबंधित मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और प्रत्येक को एक डिमेरिट अंक प्राप्त हुआ है। क्योंकि 24 महीने के भीतर यह उनका पहला अपराध है।

बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की महिला वनडे टीम घोषित

केप टाउन, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ आगामी तीन मैचों की आईसीसी महिला चैम्पियनशिप श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका ने अपनी महिला वनडे टीम का ऐलान कर दिया है।

टीम में तीन प्रमुख खिलाड़ी तेज गेंदबाज अयाबोंगा खाका, ऑलराउंडर मारिजैन कप्प और नादिन डी क्लार्क की वापसी हुयी है। ये खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला में नहीं थे। टी20 सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुयी थी। हालाँकि, चोट के कारण टी20ई श्रृंखला से बाहर होने वाली अनुभवी क्लो ट्रायोन को वनडे टीम में भी जगह नहीं मिल सकी है। टी20 सीरीज के जरिये अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली 20 वर्षीय एलिज़-मैरी मार्क्स के अलावा मिके डी रिडर भी वनडे टीम में जगह बनाने में सफल रही हैं। टीम का नेतृत्व हाल ही में नियुक्त पूर्णकालिक कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट करेंगी। चयनकर्ताओं की प्रोटियाज़ महिला संयोजक क्लिंटन डु प्रीज़ ने कहा, हम बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हैं। प्रत्येक खिलाड़ी ने असाधारण कौशल, प्रतिबद्धता और सफल होने की भूख का प्रदर्शन किया है। विशेष रूप से एलिज़-मैरी मार्क्स , जिन्होंने मैदान पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। टीम की मुख्य कोच हिल्टन मोरेंग ने कहा मुझे बहुत खुशी है कि हम अपने अनुभव को बढ़ाने के लिए युवाओं को लाना जारी रख सकते हैं। हम जानते हैं कि दांव पर क्या है, दोनों टीमों ने हाल ही में सफल एकदिवसीय श्रृंखला जीती है, इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना है कि जिस तरह से हमने टी20ई की शुरुआत की है, उसके बाद हम उसमें सुधार कर सकते हैं।

टीम- लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, ताज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, मिके डी रिडर*, लारा गुडॉल, सिनालो जाफ्ता, मारिज़ैन कप्प, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज़-मारी मार्क्स*, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, डेल्मी टकर।

बीबीएल छोड़ने का मकसद अपनी गेंदबाजी में सुधार करना : शादाब खान

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी शादाब खान ने अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने और टेस्ट टीम में वापसी के उद्देश्य से चार दिवसीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) अनुबंध से अलग होने के पीछे के कारण का खुलासा किया है। शादाब ने क्रिकेट पाकिस्तान से कहा, बिग बैश कॉन्ट्रैक्ट छोड़ने के पीछे का मकसद सबसे पहले चार दिवसीय क्रिकेट खेलकर अपनी गेंदबाजी में सुधार करना है और दूसरा अच्छा प्रदर्शन करके टेस्ट टीम में वापसी करना है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, 25 वर्षीय खिलाड़ी को भरोसा है कि लंबे खेल प्रारूप में खेलने से उन्हें अपने कौशल को और अधिक बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, मैंने राष्ट्रीय टी20 खेलने के कारण बिग बैश अनुबंध नहीं छोड़ा; बल्कि मेरा ध्यान चार दिवसीय क्रिकेट खेलने पर अधिक था। क्योंकि मुझे लगा कि मुझे अपनी गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, और वह चार दिवसीय क्रिकेट खेलने से आएगा। शादाब ने यह भी कहा कि वह खुद को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह ट्रैक पर वापस आने और राष्ट्रीय टीम में महत्वपूर्ण योगदान

देने के लिए उत्सुक हैं। शादाब ने बताया, मैंने चार दिवसीय क्रिकेट खेलने और अपनी गेंदबाजी में सुधार करने के लिए खुद में निवेश करने की कोशिश की है। अगर मेरी गेंदबाजी में सुधार होता है और इसके साथ ही अगर मेरी बल्लेबाजी में भी सुधार होता है, तो यह पाकिस्तान टीम के लिए फायदेमंद होगा। आगामी विश्व कप के साथ अपने उद्देश्यों को संरेखित करने के लिए, शादाब ने कहा कि वह चार दिवसीय क्रिकेट खेलने को एक स्मार्ट कदम और अपने कौशल में निवेश के रूप में देखता है। प्रयास चार दिवसीय क्रिकेट के माध्यम से खुद को बेहतर बनाने और अपनी फॉर्म वापस लाने का है। क्योंकि विश्व कप नजदीक आ रहा है और अगर मैं अच्छी फॉर्म में रहा तो इससे पाकिस्तान को फायदा होगा। शादाब खान ने बाबर आजम के सभी प्रारूपों में राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने के फैसले पर भी अपने विचार साझा किए। शादाब ने बाबर की पसंद के प्रति सम्मान के साथ-साथ अपनी ईमानदार इच्छाओं को भी व्यक्त किया। लेग स्पिनर ने टीम के हाल ही में नामित टी20 कप्तान शाहीन शाह आफरीदी के लिए भी आभार व्यक्त किया। देखिए, हर किसी का अपना निर्णय है, और बाबर ने पद छोड़ दिया है। हम उन्हें अपनी शुभकामनाएं भेजते हैं। हमने पाकिस्तान के कप्तान के रूप में उनके साथ बहुत अच्छा समय बिताया है। अब, शाहीन ने भूमिका निभा ली है, और हम इसे लेकर उत्साहित हैं। हमने पीएसएल में उनकी (शाहीन की) कप्तानी देखी है और यह बहुत अच्छा लगता है। आइए देखें कि पहली बार उनकी कप्तानी में खेलना कैसा होता है; इससे अंदाजा लगेगा कि यह कितना मजेदार है और मैं शाहीन की कप्तानी में खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

सार संक्षेप

प्रो टेनिस लीग : सांकरा स्टैग बबोलट योद्धा की बड़ी जीत

नई दिल्ली। इचिहबान समुराई ने हार्वेन प्रो टेनिस लीग (पीटीएल) के पांचवें सत्र में इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स को हरा कर अपनी दूसरी जीत हासिल की, वहीं संकरा स्टैग बबोलट योद्धा और पैरामाउंट प्रोक टाइगर्स ने अपने अपने मैच जीते। डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में प्रतियोगिता के दूसरे दिन शुक्रवार को इचिहबान समुराई ने इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स को हराया।संकरा स्टैग बबोलट योद्धा ने शुरुआती दिन की हार से उबरते हुए लखनऊ एविएटर्स को 30 अंकों के बड़े अंतर से हराया। पैरामाउंट प्रोक टाइगर्स शाम को डीएमजी दिल्ली क्रूसेडर्स पर करारी जीत के साथ ग्रुप बी स्टैंडिंग में शीर्ष पर पहुंच गया। चैंपियन सांकरा स्टैग बाबोलट योद्धाओं ने लखनऊ एविएटर्स को 95-65 से हराया। इस बीच, लखनऊ एविएटर्स को अपनी चुनौती को जीवित रखने के लिए पैरामाउंट प्रोक टाइगर्स के खिलाफ एक बड़ी जीत की आवश्यकता होगी।

चीन के चेंगदू में होगी कलात्मक जिमनास्टिक विश्व चैंपियनशिप

बीजिंग। दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत की राजधानी चेंगदू, 2027 कलात्मक जिमनास्टिक विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगी। अधिकृत सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 22 और 23 नवंबर को बांग्लादेश के ढाका में अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ (एफआईजी) की कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की गई थी जिसके बाद एफआईजी ने घोषणा की थी कि उन्हें चीनी जिमनास्टिक एसोसिएशन से 55वीं विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी की पेशकश मिली है। बाद में, एफआईजी के महासचिव निकोलस बुओम्पेन ने एक आधिकारिक पत्र के जरिये बताया कि एफआईजी की कार्यकारी समिति ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के जरिये चीन के चेंगदू शहर को चैंपियनशिप आवंटित करने का निर्णय लिया है। यह चैंपियनशिप 28 सितंबर से 6 अक्टूबर 2027 तक होगी।

आरसीबी मजबूत टीम सुनिश्चित करना चाहती है : ल्यूक विलियम्स

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को पता चल जाएगा कि शनिवार को मुंबई में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी के दौरान कब और कहां पैडल उठाना है, क्योंकि मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स ने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताया है और महत्वपूर्ण घटना के लिए व्यापक योजना बनायी है। अतीत में महिला बिग बैश लीग और महिला हंड्रेड चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दुनिया के सबसे सफल कोचों में से एक विलियम्स नीलामी के लिए उत्साहित हैं और उनका लक्ष्य आगामी सीज़न के लिए एक मजबूत टीम बनाना है।

डब्ल्यूएफआई का चुनाव 21 दिसंबर को होगा, परिणाम भी उसी दिन

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। रिटर्निंग पोलिंग ऑफिसर ने शनिवार को पुष्टि की कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव 21 दिसंबर को होंगे और वोटों की गिनती के बाद उसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे। यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक को रद्द करने के बाद आया है, जिससे नए डब्ल्यूएफआई गवर्निंग बॉडी के चुनाव की प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची की तैयारी और प्रदर्शन तक के सभी चरण (7 अगस्त को) पूरे हो चुके थे और मतदान, वोटों की गिनती और परिणाम की घोषणा जैसी विभिन्न गतिविधियां बाकी हैं।

इसमें आगे कहा गया है, डब्ल्यूएफआई के चुनावों पर मतदान से ठीक एक दिन पहले 11.08.2023 को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगा दी गई थी और इसलिए, 12.08.2023 को मतदान नहीं हो सका... सुप्रीम कोर्ट ने स्थगन आदेश हटा दिया है और इसलिए शेष चरण जैसे मतदान आदि अब निम्नलिखित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 21.12.2023 को फिर से शुरू होंगे।

चुनाव प्रक्रियाएं डब्ल्यूएफआई के अनुसमर्थित संविधान की आवश्यक आवश्यकताओं और शर्तों के साथ-साथ भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित मॉडल दिशानिर्देश, 2011 का अनुपालन करेंगी।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्लूडब्लू) ने समय पर चुनाव नहीं कराने के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को अस्थायी रूप से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था । राष्ट्रीय कुश्ती संचालन संस्था को जून में चुनाव कराने थे। दुर्भाग्य से, विभिन्न राज्य इकाइयों द्वारा पेश की गई कई कानूनी चुनौतियों के कारण इन चुनावों में कई देरी का सामना करना पड़ा।

फिर, नए प्रशासकों को चुनने के लिए चुनाव 12 अगस्त को होने थे, लेकिन हरियाणा कुश्ती संघ (एचडब्ल्यूए) की एक याचिका के बाद पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा अगले आदेश तक डब्ल्यूएफआई चुनावों पर रोक लगाने के बाद इसमें और देरी हो गई।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को चार विकेट से हराया

मीरपुर 9 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्लेन फिलिप्स के (31 रन पर तीन विकेट और 87 एवं 40 नाबाद) के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को दूसरे और अंतिम टेस्ट में मेजबान बांग्लादेश को चार विकेट से हरा कर श्रृंखला को 1-1 की बराबरी पर खत्म किया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम पर टॉस जीत कर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पहली पारी में 172 रन बनाये जिसके जवाब में फिलिप्स के 80 रनों की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 180 रन बनाकर आठ रन की लीड हासिल की और एजाज पटेल (57 रन पर छह विकेट) की घातक गेंदबाजी से बांग्लादेश की दूसरी पारी को 144 रनों पर समेट दिया। कीवी टीम को जीत के लिये 136 रन का आसान

लक्ष्य मिला जिसे मेहमान टीम ने छह विकेट खोकर हासिल कर लिया।

मात्र तीन दिनो तक चले टेस्ट में गेंदबाजों का बोलबाला रहा। टेस्ट का दूसरा दिन बारिश के कारण प्रभावित रहा। बांग्लादेश के तैजुल इस्लाम को टेस्ट श्रृंखला में 15 विकेट लेने के कारण मैन आफ द सीरीज घोषित किया गया। उन्होने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में दो विकेट चटकाये।

डब्ल्यूपीएल नीलामी : वृंदा को पछाड़ कर काशवी बनी सबसे महंगी अनकैप्ड खिलाड़ी

मुंबई, 9 दिसंबर (आईएएनएस) अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों काशवी गौतम और वृंदा दिनेश ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 की नीलामी के दूसरे सत्र में गुजरात जायंट्स और यूपी वारियर्स के बीच बड़ा बोली युद्ध शुरू कर दिया और उन पर दांव लगाने के लिए बैंक तोड़ दिया। काशवी गौतम को 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया, जबकि कर्नाटक की बल्लेबाज वृंदा दिनेश को 1.3 करोड़ रुपये में चुना गया।

गुजरात जायंट्स ने चंडीगढ़ की 20 वर्षीय ऑलराउंडर काशवी गौतम के लिए 2 करोड़ रुपये की विजयी बोली लगाई, जिससे वह डब्ल्यूपीएल 2024 नीलामी के पहले चरण में ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड के साथ संयुक्त रूप से सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं।

दाएं हाथ की बल्लेबाज और दाएं हाथ की मध्यम तेज गेंदबाज, काशवी ने हाल ही में मुंबई में इंग्लैंड ए महिला टीम के खिलाफ तीन टी20 मैचों में भारत ए के लिए खेला है और ऐसा

प्रतीत होता है कि फ्रेंचाइजी के स्काउट्स ने कुछ ऐसा देखा है जो उन्हें लगता है कि खिलाड़ी को मेगा बनाता है। गुजरात ने यूपी वारियर्स के साथ एक भयंकर बोली युद्ध के बाद उसे जीता, जो इस नीलामी में गहरे पर्स वाली फ्रेंचाइजी में से एक है। वृंदा को एक निरंतर बल्लेबाज के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने कर्नाटक में स्थानीय लीगों में अच्छा प्रदर्शन किया है और यूपी वारियर्स ने गुजरात, मुंबई इंडियंस और दिल्ली को पछाड़ते हुए उन्हें चुना है। छह विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल 17 खिलाड़ियों को अब तक की कार्रवाई में बेचा गया है, जिसमें अब तक कुल 10.25 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बोलियों में, एकता बिष्ट 60 लाख रुपये में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पास गईं, जिन्होंने 30 लाख रुपये के आधार मूल्य पर इंग्लैंड की स्पिनर केट क्रॉस को भी खरीद लिया। गुजरात जायंट्स को अब अपनी 18 सदस्यीय टीम पूरी करने के लिए पांच खिलाड़ियों को चुनने की जरूरत है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को चार खिलाड़ियों की जरूरत है। दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वारियर्स के पास 17-17 खिलाड़ी हैं और उन्हें अपनी टीम पूरी करने के लिए एक और खिलाड़ी की जरूरत है। मुंबई इंडियंस के पास अब 16 खिलाड़ी हैं और नीलामी के शेष दौर में दो और खिलाड़ियों की जरूरत है।

महिला प्रीमियर लीग 22 फरवरी से शुरू होगी : रिपोर्ट

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई)ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए एक समय सीमा की पहचान की है, जिसका दूसरा सीजन 22 फरवरी से 17 मार्च के बीच होने की संभावना है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल), जिसका दूसरा सीजन 22 फरवरी से 17 मार्च तक होने की संभावना है। हालांकि पांच टीमों की लीग के लिए विशिष्ट स्थान को अंतिम रूप नहीं दिया गया है, लेकिन ऐसे संकेत हैं कि लीग एक केंद्र के बजाय कई स्थानों पर आयोजित की जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई में शनिवार को होने वाली डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले इस जानकारी पर चर्चा की गई। ऐसा माना जाता है कि पांच प्रतिद्वंद्वी टीमों- दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात जायंट्स, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और यूपी वारियर्स को बीसीसीआई द्वारा इस अस्थायी समय सारिणी के बारे में सूचित कर दिया गया है। लीग के उद्घाटन संस्करण में, मुंबई ने सभी मैचों की मेजबानी की।